RNI : JHAHIN/2014/54374

PRESS राष्ट्रीय मुख्यधारा PRINT | WEB | VIDEO

हिन्दी दैनिक

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

https://rashtriyamukhyadhara.com/

बोकारो, बुधवार

11.2.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 113

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की औपचारिक पहल कर दी है। पार्टी ने इस संबंध में लोकसभा महासचिव को नोटिस सौंपा है, जिस पर कुल 118 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। यह प्रस्ताव लोकसभा के नियम 94(सी) के तहत दाखिल किया गया है। लोकसभा सचिवालय ने नोटिस मिलने की पुष्टि करते हुए कहा है कि नियमों के अनुरूप इसकी जांच के बाद आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब संसद के मौजूदा सत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव चरम पर है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का आरोप है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया गया। इसके अलावा, कांग्रेस की महिला सांसदों के साथ कथित रूप से अनुचित व्यवहार का मुद्दा भी विपक्ष द्वारा उठाया गया है। विपक्ष का कहना है कि लोकसभा में विपक्षी नेताओं को

118 सांसदों के हस्ताक्षर, सचिवालय करेगा नियमों के तहत जांच

अपनी बात रखने से रोका जा रहा है, जबकि सत्तापक्ष के सदस्यों को खुलकर बोलने की छूट दी जा रही है।

रिजिजू बोले- कोई प्रभाव नहीं पड़ता ऐसे अविश्वास से : इस प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि ऐसे अविश्वास प्रस्ताव से कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है, क्योंकि विपक्ष के पास आवश्यक संख्या बल नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष ने सदन में अनुशासनहीनता दिखाई और स्पीकर के पद की मर्यादा का उल्लंघन किया। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे स्पीकर से किसी विशेष कार्रवाई की मांग नहीं कर रहे हैं।

विपक्षी दलों की हुई अहम बैठक : इससे पहले मंगलवार सुबह संसद परिसर में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कक्ष में विपक्षी दलों की अहम बैठक हुई थी। बैठक में तृणमूल कांग्रेस, वाम दल, डीएमके, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरद पवार गुट) सहित कई दलों के नेता शामिल हुए। बैठक में स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने और आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। भारतीय संसदीय इतिहास में यह चौथा अवसर है, जब लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। इससे पहले 1954, 1966 और 1987 में भी ऐसे प्रस्ताव पेश किए जा चुके हैं, लेकिन किसी को भी सदन का समर्थन नहीं मिल पाया था। संविधान के अनुच्छेद 94 के तहत लोकसभा स्पीकर को हटाने के लिए कम से कम 14 दिन का नोटिस और सदन में बहुमत का समर्थन अनिवार्य होता है।

कांग्रेस सदस्यों के हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित

नई दिल्ली। लोकसभा में बजट सत्र के दसवें दिन मंगलवार को मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के सदस्यों के हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने देने की मांग और आठ सदस्यों के निलंबन के विरोध में कांग्रेस सदस्य लगातार नारेबाजी करते रहे। लोकसभा की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होने पर कांग्रेस के सदस्यों ने नारेबाजी और हंगामा करना शुरू कर दिया। इसके चलते कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। कार्यवाही जब फिर शुरू हुई तो पीठासीन अधिकारी पीसी मोहन ने सदन को बताया कि उन्हें स्थगन प्रस्तावों के कई नोटिस मिले हैं, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ने सभी को नामंजूर कर दिया है। इसके बाद विभिन्न मंत्रालयों के मंत्रियों ने प्रश्नकाल के दौरान पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सदन के पटल पर रखे। इनमें वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेन्द्र कुमार, केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल, कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर, गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, जलशक्ति राज्यमंत्री वी. सोमन्ना और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री सुरेश गोपी समेत कई मंत्री शामिल रहे। इस दौरान कांग्रेस सदस्यों का हंगामा लगातार जारी रहा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष से अपील करते हुए कहा कि बजट सत्र में बजट पर चर्चा होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के लोगों को 'बस्तर पांडुम' उत्सव के विशेष आयोजन पर दी बधाई

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ में 7-9 फरवरी तक मनाए गए 'बस्तर पांडुम' उत्सव के लिए राज्य के लोगों को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, "पहले जब भी बस्तर का नाम लिया जाता था, माओवाद, हिंसा और विकास में पिछड़ेपन की छवि मन में आती थी लेकिन अब स्थिति पूरी तरह बदल गई है। आज बस्तर न केवल अपने विकास के लिए बल्कि यहां के लोगों के बढ़ते आत्मविश्वास के लिए भी जाना जाता है। मेरी यही कामना है कि आने वाला समय इस क्षेत्र के लिए शांति, प्रगति और सांस्कृतिक गौरव की भावना से परिपूर्ण हो।" गृहमंत्री अमित शाह की एक पोस्ट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, " छत्तीसगढ़ में 'बस्तर पंडुम' उत्सव के दौरान जंगल की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और जन जातीय विरासत का भव्य रूप दिखाया गया। इस प्रयास से जुड़े अपने सभी परिवारजनों को मेरी हार्दिक बधाई! ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। अमित शाह ने सोमवार को कहा था कि वामपंथी उग्रवादियों के भय और हिंसा से बाहर निकलकर बस्तर अपनी संस्कृति तथा धरोहरों को आगे बढ़ा रहा है और विकसित भारत का ब्रांड एंबेसडर बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने सुभाषित साझा कर दिया शक्ति, संकल्प और धरती के सम्मान का संदेश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संस्कृत में सुभाषित साझा कर शक्ति, संकल्प, तेज और समृद्धि की कामना का संदेश दिया। उन्होंने धरती माता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कृषि, कल्याण और पोषण को जीवन का आधार बताया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सुभाषित साझा करते हुए लिखाः

अस्मे वोऽअस्विन्द्रियमस्मे नृम्णमुत क्रतुरस्मे वर्चांसि सन्तु वः।

नमो मात्रे पृथिव्यै नमो मात्रै पृथिव्याऽ इयन्ते राड् यन्तासि यमनो ध्रुवोसि धरुणः कृष्यै त्वा क्षेमाय त्वा रय्यै त्वा पोषाय त्वा॥

(अर्थः मनुष्य के जीवन में शक्ति, साहस, पुरुषार्थ और दृढ़ संकल्प होना चाहिए। व्यक्ति में तेज और आत्मबल बना रहे। मानव की प्रगति धरती के सम्मान, संरक्षण और प्रकृति के संतुलन से जुड़ी है और इसी से समाज का समग्र कल्याण संभव है। धरती माता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कृषि, कल्याण, समृद्धि और पोषण की प्रार्थना की गई है।) इस सुभाषित से प्रधानमंत्री ने सामर्थ्य, पुरुषार्थ और दृढ़ संकल्प की कामना की है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व सेनाध्यक्ष नरवणे झूठ नहीं बोलेंगे, मुझे उन पर भरोसाः राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में जारी गतिरोध के बीच नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की कथित किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के प्रकाशक पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को दावा किया कि किताब बिक्री के लिए उपलब्ध है। राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अपने मोबाइल में जनरल नरवणे का 15 दिसंबर 2023 का पोस्ट दिखाया। उन्होंने कहा कि यह जनरल नरवणे का एक्स पोस्ट है जिसमें उन्होंने लिखा था, ''नमस्ते दोस्तों। मेरी किताब अब उपलब्ध है। बस इस लिंक का अनुसरण करें। आनंदपूर्वक पढ़ें। जय हिंद। राहुल ने कहा, ''सवाल यह है कि या तो जनरल नरवणे झूठ बोल रहे हैं या फिर पेंगिन प्रकाशन, लेकिन मुझे पूर्व सेनाध्यक्ष पर भरोसा है, वह झूठ नहीं बोलेंगे। उन्होंने कहा कि किताब में किए गए कुछ उल्लेख सरकार और प्रधानमंत्री के लिए असुविधाजनक हैं, इसलिए विवाद खड़ा किया जा रहा है। अब यह तय करना होगा कि सच्चाई कौन बता रहा है। प्रकाशक या पूर्व सेनाध्यक्ष। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि जनरल नरवणे ने किताब में जो बातें लिखी हैं, वे सरकार और प्रधानमंत्री के लिए असहज हैं और इसी वजह से इस पर रोक लगाने की कोशिश की जा रही है। उल्लेखनीय है कि किताब के प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने सोमवार को कहा था कि जनरल नरवणे की किताब अभी तक पब्लिश नहीं हुई है और इसकी कोई भी कॉपी, प्रिंट या डिजिटल, पब्लिश, बांटी, बेची या पब्लिक के लिए उपलब्ध नहीं कराई गई है।

कई बार राजनीतिक जंग सुप्रीम कोर्ट में लड़ी जाती है इस पर विचार करना चाहिएः सीजेआई

नई दिल्ली। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। इसपर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कई बार राजनीतिक जंग सुप्रीम कोर्ट में लड़ी जाती है। उन्होंने इस याचिका पर विचार करने की बात कही। विपक्ष ने सीएम सरमा के मुस्लिमों पर निशाना लगाते वीडियो और भाषण पर आपत्ति जताई थी। शीर्ष न्यायालय में सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाला बागची और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच सुनवाई कर रही थी। सीजेआई ने कहा कि परेशानी यह है कि जब चुनाव आते हैं, जो कई बार उन्हें यहां सुप्रीम कोर्ट में लड़ा जाता है। हम इसे देखेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया नेता एनी राजा की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। उन्होंने सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के 27 जनवरी को दिए भाषण पर आपत्ति जताई थी। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट पहुंचे एडवोकेट ने कहा कि मीलॉर्ड राजनीतिक दल के सदस्य की तरफ से हेट स्पीच के खिलाफ एक याचिका दाखिल हुई है। एक वीडियो भी है, जिसमें हिमंत सरमा मुस्लिमों पर निशाना लगाते नजर आ रहे हैं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने सीएम हिमंत सरमा के भाषण के खिलाफ 2 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने कहा कि विशेष रूप से उच्च संवैधानिक पद पर बैठे किसी व्यक्ति की तरफ से दिए गए इस तरह के बयानों को राजनीतिक बयानबाजी या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, उपद्रवियों ने कई घरों को आग के हवाले किया

एजेंसी। इंफाल

मणिपुर में नई सरकार के गठन के महज एक सप्ताह बाद ही हालात फिर बिगड़ते दिख रहे हैं। उखरुल जिले के लिटन सरेइखोंग गांव में हिंसा भड़क उठी, जहां उपद्रवियों ने कई घरों को आग के हवाले किया। घटना के बाद प्रशासन ने एहतियातन पूरे क्षेत्र में पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं निलंबित की हैं। जानकारी के अनुसार, लिटन सरेइखोंग गांव में यह हिंसा तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हाल ही में हुई झड़प के बाद सामने आई है। आगजनी की घटना के बाद गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। स्थिति को काबू में रखने के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। मणिपुर सरकार में मंत्री गोविंददास कोंथौजम ने बताया कि हिंसा के दौरान करीब 21 घरों को जलाया गया है। उन्होंने कहा कि हालात फिलहाल

तनावपूर्ण बने हुए हैं, लेकिन प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। मंत्री के अनुसार, किसी भी नई घटना को रोकने के लिए इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजा हैं और शांति बहाली के प्रयास हो रहे हैं। इस बीच, तांगखुल नागा समुदाय से जुड़े दो संगठनों—काथो लॉन्ग और काथो कटमनाओ लॉन्ग—ने उखरुल और उससे सटे कामजोंग जिले में कुकी समुदाय के लोगों के आने-जाने पर रोक लगाने का ऐलान किया है। इस फैसले के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है, क्योंकि इससे सामाजिक और प्रशासनिक चुनौतियां खड़ी हो गई हैं।

भारतीय सरकारी कंपनियों ने किया वेनेजुएला से 20 लाख बैरल क्रूड ऑयल का सौदा

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई वैश्विक तेल रणनीति का असर अब धरातल पर दिखने लगा है। वेनेजुएला में हालिया अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप और वहां के तेल संसाधनों पर नियंत्रण के दावों के बीच, भारत की सरकारी तेल कंपनियों ने वेनेजुएला के साथ एक बड़ी ऑयल डील को अंजाम दिया है। भारतीय रिफाइनरियों ने अप्रैल तक आपूर्ति के लिए 20 लाख बैरल कच्चे तेल का सौदा किया है, जिसे वैश्विक बाजार में ट्रंप प्रशासन के बढ़ते प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार, भारत की दो

प्रमुख सरकारी रिफाइनरियों—इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने अपनी आपूर्ति रणनीति में बड़ा बदलाव करते हुए वेनेजुएला की ओर रुख किया है। इस संयुक्त सौदे के तहत कुल 20 लाख बैरल क्रूड खरीदा गया है। इसमें इंडियन ऑयल का हिस्सा करीब 15 लाख बैरल है, जबकि शेष 5 लाख बैरल तेल हिंदुस्तान पेट्रोलियम को मिलेगा। तेल की यह पूरी खेप एक विशाल कच्चे तेल वाहक पोत के जरिए अप्रैल महीने तक भारत के पूर्वी तट पर पहुंचने की संभावना है। यह सौदा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हिंदुस्तान पेट्रोलियम के लिए यह वेनेजुएला से कच्चे तेल की पहली खरीद है। हालांकि, इंडियन ऑयल इससे पहले 2024 में भी वहां के तेल का प्रसंस्करण कर चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय रिफाइनरियों का यह कदम कच्चे तेल के आयात में विविधता लाने के प्रयासों का हिस्सा है। भारत अब अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए रूसी तेल पर निर्भरता को कम करने की कोशिश कर रहा है, जो पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और व्यापारिक जटिलताओं के कारण चर्चा में रहा है। इस तेल समझौते को भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में हुए व्यापक व्यापार समझौते के समर्थन के रूप में भी देखा जा रहा है।

अरुणाचल और सिक्किम में लगे भूकंप के झटके, सो रहे लोगों में मचा हड़कंप

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर भारत के दो राज्यों, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जब लोग रात की गहरी नींद में थे तब जमीन हिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि राहत की बात यह है कि अभी तक जान-माल के किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं मिली है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी कामेंग जिले में देर रात करीब 1 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया। अरुणाचल के कुछ घंटों बाद ही सिक्किम के नामची में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह 5 बजकर 38 मिनट पर लोग धरती हिलने से जाग गए। यहां भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर केवल 5 किमी की गहराई पर था। बता दें धरती के नीचे होने वाली हलचल ही भूकंप का मुख्य कारण है। हमारी धरती चार परतों से बनी है, जिनके ऊपर टैक्टोनिक प्लेट्स होती हैं। ये प्लेट्स हर साल अपनी जगह से 4-5 मिमी खिसकती हैं।

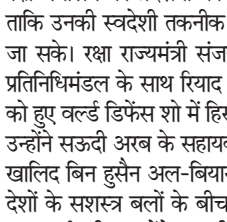

वैश्विक उथल-पुथल की स्थिति में भारत का पेट्रोलियम भंडार 74 दिनों के लिए पर्याप्त

एजेंसी। नई दिल्ली

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने राज्यसभा को बताया है कि वैश्विक उथल-पुथल की किसी स्थिति में उत्पन्न मांग को पूरा करने के लिए भारत का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार 74 दिनों के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश के लिए जो तेज गति से विकास कर रहा है, व्यवहार्य और सुरक्षित तेल भंडार जरूरी है, ताकि वैश्विक उथल-पुथल की स्थिति में वह कमजोर स्थिति में नहीं रहे। उन्होंने कहा कि भारत के पश्चिमी तट के साथ-साथ पूर्वी तट पर भी तेलशोधक संयंत्र हैं। पुरी ने कहा

कि अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के मुताबिक आज हम विश्व में कच्चे तेल के तीसरे सबसे बड़े उपभोक्ता हैं। कच्चे तेल की हमारे पास विश्व की चौथी सबसे बड़ी शोधन क्षमता है। वर्तमान में करीब 26 करोड़ मीट्रिक टन प्रति वर्ष है, जो बढ़कर 32 करोड़ मीट्रिक टन प्रति वर्ष हो जाएगी और हम विश्व में पेट्रोलियम उत्पादों के पांचवें सबसे बड़े निर्यातक भी हैं। उन्होंने कहा कि रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार यह तय करने के लिए बनाया गया है कि वैश्विक स्तर पर किसी भी प्रकार की उथल-पुथल की स्थिति में, हमारे पास अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार रहे।

डाक विभाग का एनएसई के साथ म्यूचुअल फंड वितरण समझौता

नई दिल्ली। डाक विभाग ने देशभर में म्यूचुअल फंड से जुड़ी सुविधाएं आम लोगों तक पहुंचाने के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ म्यूचुअल फंड वितरण को लेकर समझौता किया है। इससे डाक विभाग अपने नेटवर्क के जरिए पूरे देश में एनएसई म्यूचुअल फंड लेन-देन के लिए अपने डिजिटल प्लेटफार्म की सुविधा उपलब्ध कराएगा। केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार यहां हुए इस कार्यक्रम में डाक विभाग की ओर से मनीषा बंसल बादल और एनएसई की ओर से श्रीराम कृष्णन ने समझौते पर दस्तखत किए।

पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की किताब पर घमासान प्रकाशक ने कहा- बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की बहुचर्चित आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' एक बार फिर विवादों और चर्चाओं के केंद्र में आ गई है। पुस्तक के आधिकारिक प्रकाशक संस्थान 'पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया' (पीआरएचआई) ने एक महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि इस पुस्तक के प्रकाशन और वितरण के विशेष अधिकार केवल उनके पास सुरक्षित हैं और यह पुस्तक अभी तक आधिकारिक तौर पर बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं कराई गई है। यह विवाद तब और गहरा गया जब पिछले सप्ताह संसद परिसर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कथित तौर पर इस पुस्तक की एक प्रति हाथ में लिए देखा गया। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर पुस्तक की उपलब्धता और इसके लीक होने को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। हालांकि, प्रकाशक ने इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि कंपनी द्वारा पुस्तक की कोई भी प्रति मुद्रित या डिजिटल रूप में प्रकाशित, वितरित या बेची नहीं गई है। प्रकाशक ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि वर्तमान में सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर प्रसारित हो रहे पुस्तक के किसी भी संस्करण को कॉपीराइट का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने पूर्व सैन्य प्रमुख की इस अप्रकाशित पुस्तक के अंशों के सोशल मीडिया पर अवैध रूप से प्रसारित होने के मामले में एक प्राथमिकी भी दर्ज की थी।

विशेष चुनावी पैकेज : मेयर, अध्यक्ष, वार्ड पार्षद प्रत्याशियों के लिए

सशक्त प्रचार का अवसर

नगरपालिका चुनाव-2026 के दौरान हर दिन 6-6 प्रसिद्ध अख़बारों / न्यूज़ पोर्टलों पर

व्यापक पहुंच, मजबूत विश्वसनीयता और सीधा जनसंपर्क!!

अपना विज्ञापन प्रकाशित कराएं -मात्र ₹10,000/- में।

हमारे संघ के प्रमुख अख़बार / न्यूज़ पोर्टल :

राष्ट्रीय मुख्यधारा PRINT | WEB | VIDEO · ग्रामवार्त्ता voice of the villagers · PRESS www.vyawasthavarta.in व्यवस्था वार्त्ता · अपराहवार्त्ता · अभिरक्षक · नगाड़ा

आज ही बुक करें और अपनी बात हर घर तक पहुंचाएं।

+91 9288319159, +91 8873319159

we will make your ePaper MAXIMUM PERFORMANCE NEWS PORTAL

आपकी डिजिटल और प्रिंट पहचान एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर

हम तैयार करते हैं:
- ✔ प्रिंट-रेडी ई-पेपर व न्यूजलेटर (PDF अख़बार)
- ✔ साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक व त्रैमासिक पत्र/पत्रिका
- ✔ किताबों व रिपोर्ट की PDF
- ✔ ब्रोशर, फ्लायर, कैटलॉग व ई-सोवीनियर
- ✔ रिसर्च जर्नल व डॉक्यूमेंट सेटअप
- ✔ News Portal (Making to News Uploading)

किसके लिए:
- मीडिया हाउस
- संस्थान व स्कूल
- लेखक व कवि
- कार्यक्रम आयोजक
- शोधकर्ता
- Web Journalists/Publishers

PDF PRESS SERVICES

✔✔ क्यों चुनें ?
- प्रोफेशनल लेआउट • आकर्षक डिज़ाइन
- समय पर डिलीवरी • बजट फ्रेंडली पैकेज
- आपकी जरूरत के मुताबिक कस्टम काम

संपर्क करें आज ही

pdfpresssolutions@gmail.com +91 9288319159, 9576159316

भारत ने सऊदी अरब के 'वर्ल्ड डिफेंस शो' में दिखाई स्वदेशी हथियारों की ताकत

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत ने सऊदी अरब के रियाद में हुए वर्ल्ड डिफेंस शो में स्वदेशी हथियारों के जरिए अपनी ताकत दिखाई है। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने इंडिया पवेलियन का उद्घाटन किया, जिसमें भारत में बने हथियारों का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने सऊदी अरब के रक्षा उद्योगों और रक्षा मंत्रालय की प्रदर्शनी का भी दौरा किया, ताकि उनकी स्वदेशी तकनीक की समीक्षा की जा सके। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ रियाद में 8-9 फरवरी को हुए वर्ल्ड डिफेंस शो में हिस्सा लेने गए थे। उन्होंने सऊदी अरब के सहायक रक्षा मंत्री डॉ. खालिद बिन हुसैन अल-बियारी के साथ दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने सऊदी अरब जनरल

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने 'इंडिया पवेलियन' का उद्घाटन किया

अथॉरिटी फॉर डिफेंस डेवलपमेंट के गवर्नर डॉ. फलेह बिन अब्दुल्ला अल-सुलेमान से भी मुलाकात की और भारत के वैश्विक निर्यात केंद्र के तौर पर उभरने पर जोर दिया। मंत्री संजय सेठ ने सऊदी अरब के अधिकारियों को भारत का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया, ताकि रक्षा प्रौद्योगिकी के विकास पर चर्चा की जा सके। रक्षा राज्यमंत्री ने सऊदी अरब के जनरल अथॉरिटी ऑफ मिलिट्री इंडस्ट्रीज के गवर्नर अहमद बिन अब्दुल अजीज अल ओहाली से मुलाकात की और सामरिक सहयोग तथा दोनों देशों के सप्लाई चेन इकोसिस्टम को मजबूत करने के बारे में चर्चा की। उन्होंने भारत की रक्षा क्षमताओं का सीधा अनुभव लेने के लिए एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल के भारत दौरे का भी प्रस्ताव रखा। भारतीय दूतावास में भारतीय और सऊदी डिफेंस कंपनियों के प्रमुखों को दिए अपने भाषण में रक्षा राज्यमंत्री ने डिफेंस जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए भारत और सऊदी अरब के बीच संयुक्त सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' विजन के तहत भारत की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट और सऊदी राज्य की जन्मभूमि 'दिरिया' का भी दौरा किया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

रोजगार सेवक को मातृ शोक

गोला। प्रखंड क्षेत्र के सरलाकला निवासी सह रोजगार सेवक बालेश्वर महतो की मां गुडु देवी का देहांत मंगलवार को हो गया । जिसका दाह संस्कार बुधवार को 10 बजे गोमती घाट में किया जाएगा वे अपने पीछे तीन पुत्र रामजीवन महतो, लक्ष्मण महतो, बालेश्वर महतो ओर पुत्री गुलाब देवी, चिल्लू देवी नीतू देवी सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गई है।निधन पर बीडीओ डॉ सुधा वर्मा,बीपीओ कामाख्या नारायण,रोजगार सेवक खगेश कुमार,रंजीत कुमार,राजेश शर्मा,संगीता बेदिया आदि ने शोक व्यक्त किया है।

बाबा तिलका मांझी जयंती समारोह आज

बोकारोः देश की आजादी की लड़ाई में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानी बाबा तिलका मांझी की जयंती समारोह बुधवार को को बोकारो के जैनामोड़ चौक स्थित स्टेच्यू स्थल पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) प्रखंड कमिटी द्वारा अत्यंत धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई जाएगी। कार्यक्रम की भव्य तैयारी को लेकर झामुमो जिला उपाध्यक्ष मोहन मुर्मू और प्रखंड अध्यक्ष पंकज मरांडी ने बताया कि जयंती समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस अवसर पर प्रखंड के सभी पंचायतों से पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं का जुटान होगा। समारोह को ऐतिहासिक बनाने के लिए जैनामोड़ चौक पर एक विशाल मंच का निर्माण किया जा रहा है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो उपस्थित रहेंगे। उनके साथ चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक, बेरमो विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह के अलावा झामुमो केंद्रीय सदस्य हीरालाल मांझी और जिलाध्यक्ष रतनलाल मांझी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भाग लेंगे। झामुमो नेताओं ने बताया कि इस समारोह का उद्देश्य बाबा तिलका मांझी के त्याग और बलिदान को याद करना है। उन्होंने ही अंग्रेजों के खिलाफ सबसे पहली सशस्त्र क्रांति की नींव रखी थी। पार्टी ने बोकारो वासियों से इस जयंती समारोह में भारी संख्या में भाग लेने और इस महान क्रांतिकारी को नमन करने की अपील की है।

पुलिस–पब्लिक मैत्री फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो : जिला पुलिस और आदर्श ग्राम विकास सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में पुलिस और आम नागरिकों के बीच आपसी सद्भाव, विश्वास और सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय पुलिस–पब्लिक मैत्री सद्भावना फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

प्रतियोगिता 11 फरवरी से 13 फरवरी 2026 तक तारकेश्वर महतो स्टेडियम, पिलपिलो (ऊपरघाट), थाना पैक, नारायणपुर, बोकारो में आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य खेल के माध्यम से पुलिस और जनता के बीच संवाद को बढ़ाना और सकारात्मक पुलिस–पब्लिक संबंध स्थापित करना है। आयोजन को सामाजिक समरसता और सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया गया है, जिससे समाज में विश्वास और सौहार्द का माहौल मजबूत हो सके।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच 11 फरवरी 2026 को पूर्वाह्न 11:30 बजे से खेला जाएगा, जबकि फाइनल मुकाबला और समापन समारोह 13 फरवरी 2026 को पूर्वाह्न 11:30 बजे आयोजित होगा। तीन दिनों तक विभिन्न टीमों के बीच फुटबॉल के रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में तदाशा मिश्रा, महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखण्ड, रांची की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

बोकारो पुलिस ने आम नागरिकों, खेल प्रेमियों और युवाओं से प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है। पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने बताया कि इस तरह के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और पुलिस–पब्लिक मैत्री को और अधिक सशक्त बनाते हैं।

पंचायत सचिव की आईडी से बने 3000 से अधिक फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र, एक साल बाद भी कार्रवाई सिफर

चंदनकियारी (बोकारो): झारखंड के सरकारी सिस्टम में बड़ी सेंधमारी का एक गंभीर मामला सामने आया है। चंदनकियारी प्रखंड के पांच पंचायतों- साबड़ा, आमाईनगर, बोरियाडीह, बाटबीनोर और नयावन- में तीन हजार से अधिक फर्जी जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं। यह फर्जीवाड़ा उस समय हुआ जब भरत किशोर प्रसाद इन पंचायतों के पंचायत सचिव के रूप में कार्यरत थे। हैरानी की बात यह है कि घटना उजागर होने के एक साल बाद भी अब तक न तो दोषियों पर कोई ठोस कार्रवाई हुई है और न ही उन प्रमाणपत्रों की असलियत सामने आ पाई है।

इस पूरे प्रकरण का खुलासा तब हुआ जब भरत किशोर प्रसाद के तबादले के बाद नई पंचायत सचिव सोनी कुमारी ने प्रभार संभाला। उन्होंने रिकॉर्ड्स की जांच के दौरान पाया कि इतनी बड़ी संख्या में संदेहास्पद प्रमाणपत्र निर्गत किए गए हैं, जिसकी सूचना उन्होंने तुरंत प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) अजय कुमार वर्मा को दी। बीडीओ ने इस संबंध में मई 2025 में ही जिला सांख्यिकी पदाधिकारी को लिखित शिकायत भेजी थी। वहीं, आरोपी पंचायत सचिव ने स्पष्टीकरण में दावा किया है कि उनका 'आईडी और पासवर्ड' हैक कर लिया गया था, जिसकी उन्हें भनक तक नहीं लगी।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि ये प्रमाणपत्र किन लोगों के बनाए गए हैं। क्या ये झारखंड के निवासी हैं या किसी अन्य प्रदेश के, और इनका उपयोग किन उद्देश्यों (जैसे नागरिकता, सरकारी लाभ या जमीन जायदाद) के लिए किया गया है, इसका अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। बीडीओ ने लगभग एक वर्ष पूर्व ही उच्च अधिकारियों को पत्राचार किया था, लेकिन जांच की कछुआ चाल ने सरकारी व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। यदि दूसरी पंचायत सचिव ने इस गड़बड़ी को नहीं पकड़ा होता, तो संभवतः यह फर्जीवाड़ा कभी सामने ही नहीं आता। अधिकारियों की यह अनदेखी भविष्य में सुरक्षा संबंधी बड़े खतरे पैदा कर सकती है। वर्तमान में प्रखंड से लेकर जिला स्तर तक के अधिकारी इस मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं, जबकि हजारों की संख्या में जारी ये फर्जी दस्तावेज समाज और कानून के लिए बड़ी चुनौती बन चुके हैं।

डीपीएस बोकारो के मंच पर उतरे हुनर के नन्हे सितारे, कलात्मक प्रतिभा से किया मंत्रमुग्ध

» 'लिटिल स्टार कॉन्टेस्ट' में गायन-वादन, नृत्य व चित्रांकन की आकर्षक प्रस्तुतियों ने मोहा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : किसी ने सच ही कहा है, प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो की प्राइमरी इकाई में कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। छोटे-छोटे छात्र-छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा की ऐसी चमक बिखेरी कि सभी मंत्रमुग्ध हो उठे। अवसर था डीपीएस बोकारो लिटिल स्टार कॉन्टेस्ट का, जिसमें सुर, ताल और रंगों का अद्भुत संगम दिखा। तीसरी से पांचवीं कक्षा के विद्यार्थी मंच पर नन्हे सितारों के रूप में उतरे तथा गायन-वादन और नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों से खूब समां बांधा। नृत्य व संगीत में जिस अंदाज में रूहदारी, बारीकी और परिपक्वता से साथ उन्होंने सुर, ताल और लय पर अपनी पकड़ दिखाई, उसने सभी का मन मोह लिया। वहीं, दृश्यकला (विजुअल आर्ट) में रंगों के अद्भुत सम्मिश्रण से उन्होंने अपनी कल्पना को कैनवास व कागजों पर उकेरकर सबकी भरपूर सराहना पाई।

नवण्या, श्रेया, सिया और रुचिका ने मारी बाजी–कॉन्टेस्ट के फाइनल राउंड की यह कड़ी एकल वाद्ययंत्र-वादन से शुरू हुई, जिसमें बच्चों ने तबला, की-बोर्ड और गिटार पर अपनी कलाकारी दिखाई। कक्षा 4 की छात्रा नवण्या चिदार ने सिंथेसाइजर (कीबोर्ड) पर नयना दा क्या कसूर वे कसूर... की आकर्षक धुन बजाकर पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि इसी कक्षा के छात्र अरुणाव रॉय जय हो... धुन बजाकर दूसरे और पांचवीं के कुमार आलेख तबले पर तीन ताल बजाकर तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार एकल गायन में चौथी की छात्रा श्रेया झा ने बड़ा नटखट है रे कृष्ण कन्हैया... की सुरीली प्रस्तुति कर प्रथम स्थान जीता। दूसरे स्थान पर रही कक्षा-5 की द्रुष्टि मधु ने नैनों में बदरा छाए... तथा तीसरा स्थान पाने वाले इसी कक्षा के अनमोल कुमार ने मेरा जूता है जापानी... गाकर सबकी खूब तालियां बटोरीं। नृत्य में चौथी कक्षा की सिया केजरीवाल ने अलबेला सजन... गीत पर भावपूर्ण नृत्य की प्रस्तुति कर प्रथम स्थान पाया। द्वितीय स्थान पर रही पांचवीं की सुचिस्मिता महतो ने हमपे ये किसने हरा रंग डाला... गीत पर और तीसरी कक्षा की आध्या गुप्ता ने अर्धनारीश्वर महादेव पर आधारित नृत्य से मन मोह लिया। चौथी कक्षा की आधृति दलुई और यक्षिता राय संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं, जिन्होंने क्रमशः देवी दुर्गा के रूप में राक्षसों का संहार और पिता के आदर का संदेश देता नृत्य प्रस्तुत कर खूब सराहना पाई। इसी प्रकार, दृश्य कला (एकल) के तहत रंगों और कल्पना के मुकाबले में कक्षा 5 की रुचिका शर्मा पहले, प्रार्थी मुर्मू दूसरे और अमरीशा सिंह तीसरे स्थान पर रहीं। निर्णायकों में सीनियर इकाई के कला शिक्षक कामिनी कांत स्वैन, मृत्युंजय भट्टाचार्य, शुभोजीत मिश्रा और नितेश कुमार शामिल रहे।

प्राचार्य ने दिया मंत्र, कहा–प्रतिस्पर्धा दूसरों से नहीं, स्वयं से करें-विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने मंगलवार को विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनकी हौसला अफजाई की। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जीत का अर्थ दूसरों से आगे निकलना नहीं, बल्कि हर बार खुद को कल से बेहतर बनाना है। प्रतिस्पर्धा खुद से करनी है। उन्होंने बच्चों को अनुशासन, धैर्य और आत्मविश्वास के साथ अकादमिक और सह-पाठयक्रम गतिविधियों में संतुलन बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यही प्रतिभाएं भविष्य में उनके व्यक्तित्व को आकार देंगी। उन्होंने कहा कि डीपीएस बोकारो अपने विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित करने को लेकर उनकी प्रतिभा निखारने का हर अवसर और मंच प्रदान करता है। ऐसे आयोजनों से एक तरफ जहां उनकी छिपी प्रतिभा उजागर होती है, वहीं उनमें आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति की क्षमता का भी विकास होता है। मौके पर प्राइमरी इकाई की प्रधानाध्यापिका सुनीता भारद्वाज एवं ममता त्रिपाठी सहित अन्य शिक्षक व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

निगम चुनाव में पेड न्यूज पर रहेगी पैनी नजर, एमसीएमसी ने मीडिया प्रतिनिधियों को दिए अहम दिशा-निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। मंगलवार को सूचना भवन में आयोजित एक विशेष प्रेस ब्रिफिंग में मीडिया कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार ने निर्वाचन से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश साझा किए। इस अवसर पर उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन के दौरान पेड न्यूज पर कड़ी नजर रखने के लिए गठित मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनिटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) पूरी तरह सक्रिय है और राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। मीडिया संवाद के दौरान पोस्टर, पंपलेट और अन्य प्रचार सामग्री के मुद्रण को लेकर आयोग के सख्त निर्देशों की जानकारी दी गई। नोडल पदाधिकारी ने कहा कि अब कोई भी प्रिंटर प्रकाशक के नाम और पते के बिना चुनाव संबंधी सामग्री नहीं छाप सकता है। सभी प्रचार सामग्रियों पर प्रिंटर और प्रकाशक का नाम व पता अंकित करना अनिवार्य है, अन्यथा इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा और संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मीडिया के सभी प्रतिनिधियों से प्रत्याशियों से संबंधित समाचारों के प्रकाशन अथवा प्रसारण के दौरान राजनीतिक दलों के नामों का उल्लेख करने से परहेज करने की अपील भी की।

23 फरवरी को होगा मतदान, मीडिया से प्रशासन के सहयोग की अपील-जिला प्रशासन ने मीडिया के माध्यम से जिले के सभी नागरिकों से आगामी 23 फरवरी 2026 को अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की है। मतदान का समय प्रातः 07 बजे से अपराह्न 05 बजे तक निर्धारित किया गया है। मीडिया से अनुरोध किया गया है कि वे मतदाताओं तक मतदान की तिथि और समय की जानकारी पहुंचाकर इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाएं। नोडल पदाधिकारी ने मीडिया संस्थानों से अपील की कि वे निष्पक्ष, तथ्यपरक और जिम्मेदार पत्रकारिता करते हुए चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने में प्रशासन का सहयोग करें। इस मौके पर मीडिया कोषांग के सहयोगी पदाधिकारी सह सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

दलमा क्षेत्र की रक्षा को लेकर 25 फरवरी को होगा महा सम्मेलन

» 25 फरवरी को उग्र जन सम्मेलन का ऐलान
» जल–जंगल–जमीन बचाने सड़क पर उतरेंगे लोग, आंदोलन को मिलेगी निर्णायक धार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

सरायकेला : दलमा क्षेत्र में संविधान, आदिवासी अधिकार और ग्राम स्वशासन पर हो रहे लगातार हमलों के खिलाफ अब जनता सड़कों पर उतरने को तैयार है। दलमा क्षेत्र ग्राम सभा सुरक्षा मंच, कोल्हान के आह्वान पर 25 फरवरी 2026 को माकुलाकोचा फुटबॉल मैदान में एक उग्र जन सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसे लेकर मंगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आंदोलन को और तेज करने का खुला ऐलान किया गया।

प्रेस वार्ता में वक्ताओं ने दो टूक कहा कि दलमा क्षेत्र में पाँचवीं अनुसूची, अनुच्छेद 244(1), PESA Act 1996, वन अधिकार कानून 2006 और भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 को खुलेआम कुचला जा रहा है। ग्राम सभा की अनुमति के बिना फैसले थोपे जा रहे हैं, जल–जंगल–जमीन छीनी जा रही है और आदिवासी समाज को अपने ही क्षेत्र में बेदखल करने की साजिश चल रही है।

वक्ताओं ने चेतावनी दी कि अगर संविधान और ग्राम सभा के अधिकारों का सम्मान नहीं किया गया तो यह आंदोलन सिर्फ सम्मेलन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जनांदोलन का रूप लेगा। अब चुप रहने का समय खत्म हो चुका है और दलमा की धरती अपने अधिकारों की लड़ाई खुद लड़ेगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद दलमा टाइगर सुकलाल पहाड़िया ने कहा कि दलमा की पहाड़ियां सिर्फ पत्थर नहीं, बल्कि हमारी पहचान और अस्तित्व हैं। महावीर हांसदा ने इसे आदिवासी समाज के भविष्य की निर्णायक लड़ाई बताया। देवनाथ सिंह मुंडा, राधेश्याम भूमिज, बुद्धेश्वर हेम्ब्रम और पारंपरिक लाया भूषण पहाड़िया ने एक स्वर में कहा कि यदि शोषण और दमन नहीं रुका तो संघर्ष और तेज होगा।

आयोजकों ने दलमा क्षेत्र के हर गांव, हर युवा और हर ग्राम सभा से अपील की कि 25 फरवरी 2026 (बुधवार) सुबह 11 बजे माकुलाकोचा फुटबॉल मैदान में पहुंचकर अपनी ताकत दिखाएं और संविधान की रक्षा के इस आंदोलन को ऐतिहासिक बनाएं।

बोकारो में इंटर-स्टील प्लांट क्रिकेट चैंपियनशिप शुरू, पहले मैच में ही बीएसएल ने दुर्गापुर को हराया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : स्टील सिटी बोकारो के क्रिकेट स्टेडियम में मंगलवार को खेलों का उत्साह चरम पर रहा, जब बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित इंटर-स्टील प्लांट क्रिकेट चैंपियनशिप 2025-26 का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी सह कार्यकारी अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) एस. के. भारद्वाज ने इस चैंपियनशिप का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगर सेवाओं के सीजीएम कुंदन कुमार, संपर्क एवं प्रशासन के महाप्रबंधक सी. आर. के. सुधांशु और सीईडी के महाप्रबंधक ए. के. अविनाश सहित स्टील प्लांट के कई वरिष्ठ अधिकारी और क्रिकेट प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री भारद्वाज ने खेल के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा पेशेवर जीवन का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह चैंपियनशिप न केवल कर्मचारियों को शारीरिक रूप से फिट रखती है, बल्कि विभिन्न स्टील प्लांटों के बीच टीम भावना, सहयोग और एकता को भी सुदृढ़ करती है।

देशभर के इस्पात संयंत्रों की नौ टीमें ले रहीं हिस्सा-इस गौरवशाली प्रतियोगिता में देशभर के प्रमुख स्टील प्लांटों की कुल नौ टीमें भाग ले रही हैं, जिन्हें तीन अलग-अलग समूहों में विभाजित किया गया है। प्रतियोगिता के समूह-ए में आरआईएनएल-विशाखापत्तनम, टाटा स्टील और राउरकेला स्टील प्लांट की टीमें शामिल हैं, जबकि समूह-बी में सलेम स्टील प्लांट, जेएसडब्ल्यू-बेल्लारी और भिलाई स्टील प्लांट के बीच मुकाबला होगा। वहीं मेजबान बोकारो स्टील प्लांट को समूह-सी में इस्को स्टील प्लांट और दुर्गापुर स्टील प्लांट के साथ रखा गया है। 14 फरवरी 2026 तक चलने वाले इस टूर्नामेंट के पहले ही दिन मैदान पर बेहद रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। चैंपियनशिप के पहले ही दिन राउरकेला स्टील प्लांट ने शानदार खेल दिखाते हुए टाटा स्टील को 6 विकेट से पराजित किया, जबकि एक अन्य मैच में जेएसडब्ल्यू-बेल्लारी ने भिलाई स्टील प्लांट पर 8 विकेट से बड़ी जीत दर्ज की। वहीं, स्थानीय दर्शकों के उत्साह के बीच मेजबान बोकारो स्टील प्लांट ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दुर्गापुर स्टील प्लांट को 35 रनों से करारी शिकस्त दी। इस चैंपियनशिप का मूल उद्देश्य विभिन्न इस्पात संयंत्रों के बीच खेल भावना को प्रोत्साहित करना और औद्योगिक घरानों के बीच आपसी समन्वय को और अधिक प्रगाढ़ करना है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का एक्सरे मशीन पंद्रह दिनों से खराब,मरीज परेशान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लगा हुआ दोनों एक्सरे मशीन पिछले पंद्रह दिनों से खराब पड़ा हुआ है।जिसके कारण अस्पताल आने वाले मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।मरीजों ने बताया कि वे अपने पत्नी,बच्चा को लेकर एक्सरे कराने के लिए आ रहे हैं।लेकिन टेक्नीशियन राकेश कुमार द्वारा दोनों मशीन के खराब होने की बात बताई जाती है।जिसके बाद वे निराश होकर प्राइवेट अस्पताल में जाकर एक्सरे कराने को मजबूर हो रहे हैं।इसके कारण समय के साथ पैसे भी ज्यादा खर्च हो रहा है।इतने लंबे समय से मशीन के खराब होने के बावजूद विभाग द्वारा इसे ठीक कराने का कोई पहल नहीं किया जा रहा हैं।बताया जाता है कि सरकार द्वारा प्रखंड क्षेत्र के गरीब निर्धनों के सुविधा के लिए अस्पताल में एक डिजिटल ओर एक सामान्य मशीन उपलब्ध कराया गया है।दुर्भाग्यवश एक साथ दोनों मशीन खराब पड़ा हुआ है।इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा प्रभारी डॉ आशुतोष त्रिपाठी ने बताया कि मशीन को ठीक कराने के लिए संबंधित टेक्नीशियन को पत्र लिखा गया है।लेकिन उनके द्वारा मशीन को ठीक कराने के लिए तीस हजार की मांग की गई है।जबकि अस्पताल के द्वारा एक बार में बीस हजार का ही भुगतान का प्रावधान है।इसी के कारण मशीन को बनाने में बाधा आ रही है।

महापौर प्रत्याशी संजीव सिंह ने किया कतरास में जनसंपर्क, मिला ज़बरदस्त जनसमर्थन

» धनबाद की जनता का भरोसा और समर्थन ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है: संजीव सिंह

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः धनबाद नगर निगम चुनाव को लेकर महापौर पद के प्रत्याशी एवं झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह के चुनावी जनसंपर्क अभियान के दौरान कतरास क्षेत्र में अभूतपूर्व जनसमर्थन देखने को मिला। कतरास स्थित स्वस्तिक प्लाजा एवं भटमूरना चौक पर समर्थकों और स्थानीय नागरिकों द्वारा उनका भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। समर्थकों ने फूल-मालाओं एवं बुके भेंट कर संजीव सिंह का गर्मजोशी से अभिनंदन किया। जनसमर्थन से अभिभूत संजीव सिंह ने स्वस्तिक प्लाजा तथा भटमूरना चौक पर मिले अपार स्नेह, सम्मान और समर्थन के लिए सभी समर्थकों एवं क्षेत्रवासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

इसी क्रम में चुनावी जनसंपर्क अभियान के दौरान संजीव सिंह ने तेतुलिया–कतरास निवासी रोहित यादव से शिष्टाचार भेंट की एवं स्थानीय जनसमस्याओं पर सार्थक संवाद किया।

संजीव सिंह ने कहा कि धनबाद की जनता का भरोसा और समर्थन ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने स्वच्छ, सुंदर एवं विकसित धनबाद के निर्माण का संकल्प दोहराते हुए पारदर्शी प्रशासन, बेहतर नागरिक सुविधाओं एवं जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, युवा, महिलाएं एवं समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में माननीय संजीव सिंह को भारी मतों से विजयी बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

अवैध खनिज परिवहन पर कार्रवाई, दो वाहन जप्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

सरायकेला जिले में अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए जिला खनन विभाग और चांडिल थाना की संयुक्त टीम ने औचक निरीक्षण अभियान चलाया। उपायुक्त नितिश कुमार सिंह के निर्देश पर 10 फरवरी 2026 को रांची–टाटा मुख्य मार्ग पर चांडिल थाना क्षेत्र में यह कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान पत्थर खनिज से लदे दो टाटा 407 वाहन, जिनका पंजीयन संख्या JH05AY-8931 और JH05S-7368 है, को अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त पाए जाने पर विधिवत जप्त कर चांडिल थाना को सुपुर्द किया गया। मामले में खनन अधिनियम और संबंधित नियमों के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

उपायुक्त नितिश कुमार सिंह ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध खनन, भंडारण या परिवहन को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों को नियमित और प्रभावी जांच अभियान जारी रखने का निर्देश देते हुए कहा कि दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

पाइपलाइन खुदाई की धूल से कॉलोनीवासियों का जीना मुहाल

बोकारो थर्मल: बोकारो थर्मल की आवासीय कॉलोनियों में इन दिनों उड़ती धूल ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। एसटीपी का कार्य करने वाली कंपनी द्वारा पाइपलाइन बिछाने के लिए की गई सड़कों की खुदाई के बाद वहां छोड़ी गई मिट्टी से पैदा हुई धूल से प्रदूषण का स्तर खतरनाक हद तक बढ़ गया है। झारखंड चौक से लेकर रेलवे गेट, झारखंड चौक से अंबेडकर नगर कॉलोनी और पुराने बी प्लांट चौराहा तक सड़कों पर पसरी मिट्टी वाहनों के गुजरते ही धूल के गुबार में बदल रही है, जिससे पैदल चलने वालों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए सांस लेना और चलना दूभर हो गया है। आरोप है कि कंपनी ने पाइपलाइन बिछाने का कार्य समाप्त होने के बाद जेसीबी से गड्ढे तो भर दिए, लेकिन सड़कों पर बची हुई भारी मात्रा में मिट्टी को साफ करने की जहमत नहीं उठाई। इसी का परिणाम है कि वाहनों के आवागमन से यह मिट्टी अब जानलेवा धूल बन गई है। मंगलवार को कंपनी द्वारा सड़क पर पानी का छिड़काव किया गया, जो मरहम के बजाय मुसीबत बन गया। पानी से गीली हुई मिट्टी अब कीचड़ बनकर सड़क पर फैल गई है, जिससे फिसलन की संभावना बनी हुई है और वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा मंडरा रहा है। दामोदर बचाओ आंदोलन के बोकारो जिला सह संयोजक श्रवण सिंह ने इस स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रबंधन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन को संबंधित संवेदक (ठेकेदार) को अविलंब सड़क पर जमी हुई मिट्टी को साफ करने और सड़क को धुलवाने का निर्देश देना चाहिए ताकि लोगों को इस भयावह प्रदूषण से निजात मिल सके। कॉलोनीवासियों ने चेताया है कि यदि जल्द ही सड़क की सफाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को विवश होंगे।

मेला देखकर लौट रही वृद्धा की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत

तालगड़िया (बोकारो): बनगड़िया ओपी क्षेत्र के बाट बिनोर के समीप सोमवार की देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में 60 वर्षीय वृद्धा सुबल देवी की दर्दनाक मौत हो गई। मृतका गोमो के हरिहरपुर गांव की निवासी थी। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबल देवी पर्वतपुर निवासी अपने दामाद रंजीत सिंह के घर आई हुई थीं। सोमवार रात वह बाट बिनोर में आयोजित रामराजा मेला सह नवरात्रि संकीर्तन देखकर वापस लौट रही थीं, तभी एक अज्ञात बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में गंभीर रूप से घायल वृद्धा को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

दुर्घटना के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। बनगड़िया ओपी प्रभारी शुभम कुमार गोप ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस को दुर्घटना की सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि अभी तक परिजनों की ओर से कोई लिखित आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी और अज्ञात बाइक सवार की तलाश शुरू कर दी जाएगी।

वन सुरक्षा समितियों की संयुक्त बैठक में वन सुरक्षा का लिया संकल्प

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के खैराचातर वन परिसर में मंगलवार को केंद्रीय वन पर्यावरण सुरक्षा सह प्रबंधन समिति के अंतर्गत कसमार एवं जरीडीह प्रखंड की वन सुरक्षा समितियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष गंगाधर महतो ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य वन सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाना तथा लंबे समय से निष्क्रिय पड़ी समितियों को पुनः सक्रिय करना रहा। बैठक में निर्णय लिया गया कि जो वन सुरक्षा समितियां निष्क्रिय हो चुकी हैं, उन्हें भंग कर पुनर्गठन किया जाएगा, ताकि जंगलों की निगरानी और संरक्षण व्यवस्था मजबूत हो सके। गर्मी के मौसम को देखते हुए जंगलों में लगने वाली आग से बचाव को लेकर विशेष सतर्कता बरतने पर जोर दिया गया।

साथ ही जंगली हाथियों की बढ़ती आवाजाही से ग्रामीणों और फसलों को हो रहे नुकसान पर भी चिंता जताई गई। खैराचातर वन परिसर कार्यालय की बदहाल स्थिति को लेकर वक्ताओं ने नाराजगी जताई। बताया गया कि इस वन परिसर के अंतर्गत कसमार और जरीडीह प्रखंड के लगभग पांच दर्जन जंगल आते हैं, लेकिन अब तक यहां वनपाल की स्थायी पदस्थापना नहीं हो सकी है। बैठक में मांग की गई कि शीघ्र वनपाल की नियुक्ति कर उनके निवास की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। केंद्रीय उपाध्यक्ष विष्णुचरण महतो ने कहा कि वन अगलगी रोकने के लिए समितियों को अग्निशमन उपकरण उपलब्ध कराए जाने चाहिए। उन्होंने जंगली हाथियों से बचाव के लिए टॉर्च, मशाल, पटाखे और अन्य जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई। बैठक में यह भी तय हुआ कि केंद्रीय महासम्मेलन शीघ्र आयोजित किया जाएगा और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने हेतु प्रतिनिधिमंडल उनसे मुलाकात करेगा। इसके अलावा दिवंगत केंद्रीय अध्यक्ष जगदीश महतो की पहली पुण्यतिथि दो मार्च को मनाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में विभिन्न समितियों के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। बैठक में गंगाधर महतो, प्रफुल्ल कुमार महतो, लालमोहन तिवारी, दिलीप कुमार महतो, दुर्गाचरण महतो, शंकर प्रसाद टुडू, महेश महतो, मणिलाल मुंडा, अर्जुन महतो, धीरेंद्र नाथ महतो, नित्यानंद महतो, जीतलाल मांझी, भोला मुर्मू, झरीराम महतो, जगदंब महतो, रमेश महतो, धनु महतो, ठाकुरदास महतो, राजेश्वर महतो, केशव कुमार महतो, नकुल मुंडा, रमजान अंसारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद थे।

साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : सुरक्षित इंटरनेट दिवस 2026 के अवसर पर बोकारो के गुरु गोविंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी टेक्निकल कैंपस, कांड्रा चास में साइबर सुरक्षा को लेकर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों, युवाओं, अभिभावकों, शिक्षकों और आम नागरिकों को इंटरनेट के सुरक्षित, जिम्मेदार और विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक उत्तरी छोटानापुर प्रमंडल सुनील भास्कर, पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार, ट्रैफिक डीएसपी विद्या शंकर, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी धनंजय कुमार, डिस्ट्रिक्ट वेलफेयर ऑफिसर लिली कुजूर, संस्थान के तरसेम सिंह, सुरेंद्र पाल सिंह, निदेशक प्रियदर्शी जरूहार, पल्लवी प्रसाद सहित कई अधिकारी, शिक्षाविद और छात्र उपस्थित रहे।

सुनील भास्कर ने कहा कि डिजिटल युग में इंटरनेट जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है, लेकिन इसके साथ साइबर अपराधों में भी तेजी से वृद्धि हुई है। ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी और केवाईसी धोखाधड़ी से सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने छात्रों और युवाओं से सोशल मीडिया का जिम्मेदार उपयोग करने और अभिभावकों से बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखने की अपील की।

हरविंदर सिंह ने लोगों से ओटीपी साझा न करने, संदिग्ध कॉल और लिंक से बचने तथा सोशल मीडिया पर निजी जानकारी सीमित रखने की सलाह दी। शताब्दी मजूमदार ने डिजिटल सशक्तिकरण के साथ साइबर सुरक्षा को अनिवार्य बताते हुए योजनाओं और सेवाओं के सुरक्षित उपयोग पर जोर दिया। धनंजय कुमार ने सुरक्षित इंटरनेट दिवस के उद्देश्य और साइबर सुरक्षा के मूल नियमों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में प्रो. स्मिता किशोर द्वारा साइबर सुरक्षा पर पीपीटी प्रस्तुति दी गई। कार्यशाला के अंत में सुरक्षित डिजिटल भविष्य के लिए प्रशासन, पुलिस, शैक्षणिक संस्थानों और समाज के सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के संचालन में रोहित वर्मा, रश्मि ठाकुर, हुसैन अंसारी, शाहनाज़ फरहीन, शफाक़ रहमत, वैभव गुप्ता और सुमित कुमार का योगदान रहा।

पीजीटी हिंदी शिक्षक अरुण पाण्डेय का कैंसर से निधन, शिक्षा जगत में शोक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : पूर्वी सिंहभूम स्थित विद्या निकेतन प्लस 2 उच्च विद्यालय, हल्दीपोखर के समर्पित एवं निष्ठावान पीजीटी हिंदी शिक्षक अरुण पाण्डेय का कैंसर बीमारी के कारण असामयिक निधन हो गया है। उनके निधन की खबर से पूरे राज्य के शिक्षा जगत में शोक व्याप्त है। स्वर्गीय पाण्डेय न केवल एक कुशल शिक्षक थे, बल्कि अपनी सरलता, मृदुभाषिता, कर्मनिष्ठा और सेवा के प्रति समर्पण के लिए भी जाने जाते थे। उनके निधन से शिक्षा जगत में गहरा सन्नाटा और मायूसी छाई हुई है। स्व. पाण्डेय के असामयिक निधन पर झारखंड प्लस 2 शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद ठाकुर, महासचिव राकेश कुमार, तकनीकी सचिव मृत्युंजय कुमार, पूर्वी सिंहभूम जिलाध्यक्ष डॉ. मिथिलेश कुमार, बोकारो जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह, जिला सचिव डॉ. अवनीश कुमार झा, जिला संरक्षक डॉ. अजय कुमार पाठक सहित कौशल कुमार मुखर्जी, धनंजय कुमार, संतोष कुमार महतो, श्वेता कुमारी उपाध्याय, मुकेश कुमार यादव और सतीश पांडेय आदि ने गहरा शोक व्यक्त किया है। इधर, दिवंगत आत्मा की शांति और परिवारजनों को ढांढस बंधाने हेतु बोकारो जिले के पीएम श्री प्लस 2 उच्च विद्यालय कसमार में प्राचार्य फारुक अंसारी के नेतृत्व में एक विशेष शोक सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर झारखंड प्लस 2 शिक्षक संघ, बोकारो के जिला सचिव डॉ. अवनीश कुमार झा ने दिवंगत आत्मा के सम्मान में शोक संदेश पढ़कर सुनाया। सभा में विद्यालय के वरीय शिक्षक डॉ. रणजीत कुमार झा, रामबाबू शुक्ल, महाकांत झा, अशोक कुमार रजवार, धनंजय कुमार, सुमन कुमारी, कैलाश कुमार, सीमा कुमारी, परमेश्वर बेसरा, अमित कुमार, डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह, खुर्शीद रजा, अरुण विजय एक्का, मेहताब खातून सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मी उपस्थित थे।

मिथिला अकादमी को आईडीबीआई बैंक ने दिए 10 सिलिंग फैन

» बेहतर माहौल में ही होगी छात्रों की बेहतर पढ़ाई : शाखा प्रमुख

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: मिथिला सांस्कृतिक परिषद की ओर से संचालित मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल, बोकारो में मंगलवार को सामाजिक दायित्वों के निर्वहन की एक अनूठी मिसाल देखने को मिली। आईडीबीआई बैंक, बोकारो की ओर से स्कूल को दस सिलिंग फैन प्रदान किए गए। बैंक के शाखा प्रमुख प्रवीण कुमार और उनके सहयोगी शशिकान्त ने स्कूल प्रबंधन को ये पंखे सौंपते हुए कहा कि बैंक का उद्देश्य केवल व्यवसाय करना नहीं, बल्कि अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों को निभाना भी है। उन्होंने आशा जताई कि इन पंखों के लगने से स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों को और अधिक आरामदायक और बेहतर शैक्षणिक माहौल मिल सकेगा।

इस अवसर पर स्कूल के प्रभारी प्राचार्य देव दुलाल मित्रा ने बैंक के इस उदार सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। स्कूल के अध्यक्ष श्री राजेंद्र कुमार ने बैंक की भूमिका की सराहना करते हुए सामाजिक क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों को और अधिक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का आह्वान किया। स्कूल के सचिव दिलीप कुमार झा ने बताया कि आने वाले गर्मी के मौसम में ये पंखे बच्चों की पढ़ाई में आने वाली परेशानियों को कम करेंगे और उन्हें बेहतर वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

महासचिव नीरज चौधरी ने बैंक की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि व्यवसाय के साथ-साथ समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाते हुए बैंक ने स्कूली बच्चों की सुविधा के लिए यह कदम उठाया है, जो सराहनीय है। इस कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष विजय कुमार झा, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार झा और भवन निर्माण सदस्य अविनाश कुमार अवि सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सभी पदाधिकारियों ने विद्यालय के साथ-साथ बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अजया में दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर के वार्षिक उत्सव को लेकर भूमि पूजन

» ध्वजारोहण में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के अजया (बगदा) स्थित शिव मंदिर परिसर में श्री श्री दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर की स्थापना के तृतीय वार्षिक उत्सव सह यज्ञ एवं राम कथा के आयोजन की औपचारिक शुरुआत मंगलवार को भूमि पूजन और ध्वजारोहण के साथ हुई। आचार्य अशोक पांडेय तथा गजेंद्र तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूरे विधि-विधान से पूजा-अनुष्ठान कराया।

आयोजन समिति की ओर से बताया गया कि तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान 18 फरवरी से 20 फरवरी तक चलेगा। पहले दिन 18 फरवरी को भव्य कलश यात्रा के साथ पंचांग पूजन, आचार्य पूजन, मंडप पूजन, मंडप प्रवेश एवं आरती के बाद संध्या सात बजे से मानस प्रवचन होगा। दूसरे दिन 19 फरवरी को वेदी पूजन, वेदी प्रतिष्ठा, वेद पूजन, अग्नि स्थापना, हवन, आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ रात्रि में मानस प्रवचन आयोजित किया जाएगा। वहीं अंतिम दिन 20 फरवरी को प्रातः पूजन, हवन, पूर्णाहुति, आरती, वेदी विसर्जन, प्रसाद वितरण एवं भंडारे का आयोजन होगा। यज्ञाचार्य अशोक पांडेय के साथ उपाचार्य मधुसूदन पांडेय, वैदिक आचार्य रतेंद्र शास्त्री एवं आचार्य वेद व्यास पांडेय अनुष्ठानों को संपन्न कराएंगे। भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य यजमान मधुसूदन झा, शंकर लाल महतो व महावीर प्रजापति, समाजसेवी तपन कुमार झा, भाकपा नेता दिवाकर महतो, यज्ञ समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार, उपाध्यक्ष विक्रम कुमार, सचिव धनंजय कुमार, उप सचिव प्रेम कुमार, कोषाध्यक्ष फणीभूषण प्रजापति, उप कोषाध्यक्ष राजीव रंजन, गिरधारी महतो, राकेश कुमार, रोहन लाल महतो, रामकिशन महतो, विक्रम कुमार, संतोष प्रजापति, चीकू रिकु, निखिल प्रजापति, गयाराम महतो, रीता देवी, बुलू देवी, पुष्पा देवी, बसंती देवी, तिलु देवी, सुमित्रा देवी आदि मौजूद थे।

रणविजय मेमोरियल संस्कार पब्लिक स्कूल में छात्रों का विदाई समारोह आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के खैराचातर स्थित रणविजय मेमोरियल संस्कार पब्लिक स्कूल में मंगलवार को कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या विभा पांडेय ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मैट्रिक परीक्षा विद्यार्थियों के जीवन की एक महत्वपूर्ण सीढ़ी है, जो उनके भविष्य की दिशा तय करती है। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास, अनुशासन और सतत परिश्रम से ही लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। प्राचार्या ने विद्यार्थियों को अच्छे संस्कारों के साथ आगे बढ़ने और समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार की ओर से सभी विद्यार्थियों को उपहार एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। छात्रों ने भी शिक्षकों के मार्गदर्शन और विद्यालय के सहयोग के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। समारोह में वरीय शिक्षक निशाकर दे, राजीव कुमार, सरिता कुमारी, अब्दुल शाहिद अंसारी, छोटेलाल ठाकुर, सविता पांडेय, हसन जहांगीर, धनेश्वर महतो, रिया जायसवाल, उमा कुमारी, मीनू कुमारी, सुषमा कुमारी सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अभिभावक उपस्थित थे।

बोकारो स्टील प्लांट में जुड़ी नवाचार की एक और अहम कड़ी

» प्रोपेन प्लांट-1 में स्वचालित स्प्रिंकलर सिस्टम का उद्घाटन, कार्बन उत्सर्जन में आएगी कमी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: बोकारो इस्पात संयंत्र ने पर्यावरण संरक्षण और कार्यस्थल की सुरक्षा की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। संयंत्र के प्रोपेन प्लांट-1 में अत्याधुनिक स्वचालित स्प्रिंकलर सिस्टम का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त द्वारा किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर उपयोगिता विभाग के मुख्य महाप्रबंधक श्री एस. आर. सिंह, गैस उपयोगिताएं विभाग के महाप्रबंधक एस. गुप्ता, अरुण चौहान, राजीव सिंह, वी. के. शर्मा सहित विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। इस नई तकनीक से न केवल कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद मिलेगी, बल्कि प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था भी अधिक सुदृढ़ होगी।

गौरतलब है कि प्रोपेन प्लांट-1 में रोड टैंकरों से लिक्विड प्रोपेन की अनलोडिंग को सुरक्षित तरीके से करने के लिए पहले स्प्रिंकलर सिस्टम का उपयोग किया जाता था, जिसे संचालित करने के लिए 160 किलोवाट की भारी-भरकम मोटर वाले पंप की आवश्यकता होती थी। इस पंप के चलने से ऊर्जा की खपत बहुत ज्यादा होती थी और साथ ही कार्बन उत्सर्जन भी होता था। इसी चुनौती को देखते हुए, मुख्य महाप्रबंधक उपयोगिताएँ श्री एस. आर. सिंह के मार्गदर्शन और गैस उपयोगिताएं के महाप्रबंधक अरुण चौहान के नेतृत्व में इस सिस्टम को स्वचालित और अधिक दक्ष बनाने का निर्णय लिया गया।

इस पूरी परियोजना को गैस उपयोगिता विभाग की मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल टीम द्वारा पूरी तरह से आंतरिक संसाधनों का उपयोग करते हुए योजनाबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया गया। उपप्रबंधक गैस उपयोगिताएं आर. एन. देव और मनीष स्नेही की देखरेख में इस टीम ने पुरानी प्रणाली को बदलकर नई स्वचालित प्रणाली स्थापित की। अब इस नई प्रणाली के संचालन के लिए भारी पंप को लगातार चलाने की आवश्यकता नहीं है, जिससे ऊर्जा की खपत में भारी कमी आई है। इस नवाचार से कार्बन उत्सर्जन में कमी के साथ-साथ वातावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को कम करने में सफलता मिली है और इससे लगभग सात लाख रुपये प्रति वर्ष की बड़ी आर्थिक बचत भी सुनिश्चित होगी। इसके अतिरिक्त, स्वचालित स्प्रिंकलर सिस्टम के इंस्टॉल होने से प्रोपेन लीकेज और आग के संभावित खतरों से सुरक्षा को और अधिक पुख्ता करने में सफलता मिलेगी।

कसमार में बीडीओ व सीओ ने बाल विवाह मुक्ति रथ को दिखाई हरी झंडी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : मंगलवार को कसमार एवं पेटरवार प्रखंड कार्यालय परिसर से बाल विवाह मुक्ति रथ अभियान का शुभारंभ किया गया। कसमार में बीडीओ नम्रता जोशी एवं सीओ नरेंद्र कुमार सिंह ने बाल विवाह मुक्त रथ यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जबकि पेटरवार में अंचलाधिकारी अशोक राम एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी चंदा रानी ने बाल विवाह मुक्ति रथ यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पूरे बोकारो जिले में बाल विवाह मुक्ति अभियान सहयोगिनी, बोकारो से संचालित है। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में व्याप्त बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा के विरुद्ध जागरूकता फैलाना व बच्चों के अधिकारों के प्रति आमजन को संवेदनशील बनाना है। बीडीओ नम्रता जोशी ने कहा कि बाल विवाह बच्चों के शारीरिक, मानसिक व शैक्षणिक विकास में गंभीर बाधा उत्पन्न करता है। इसे प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त प्रयास से समाप्त किया जा सकता है। अंचलाधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह ने सभी से अपील करते हुए कहा कि बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाएं और बच्चों को शिक्षा से जोड़ें। पेटरवार अंचलाधिकारी अशोक राम ने बाल विवाह से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि बाल विवाह एक दंडनीय अपराध है। अगर कोई कम उम्र में बच्चों की शादी करता है तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर मुखिया सुकृति निहारिका, संस्था निदेशक गौतम सागर, रवि कुमार राय, सुरजमनी देवी, विकास गोस्वामी, सुपरवाइजर नुतन कुमारी, राजकुमार सिंह, रजत मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

स्वयं दवा खाकर उपायुक्त ने किया फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का शुभारंभ

11 से 25 फरवरी तक छूटे हुए लोगों को घर घर जाकर दवा प्रशासक खिलाएंगे दवा

» फाइलेरिया मुक्त धनबाद बनाने के लिए सभी करें दवा का सेवनः उपायुक्त

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन ने मंगलवार को समाहरणालय में आयोजित कार्यक्रम में स्वयं डीईसी एवं एल्बेंडाजोल की गोली खाकर फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इससे पहले उपायुक्त, सिविल सर्जन, एएनएम ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि 11 से 25 फरवरी तक दवा प्रशासक द्वारा घर-घर जाकर लोगों को अपने सामने डीईसी एवं एल्बेंडाजोल की खुराक खिलाई जाएगी। उन्होंने धनबाद को फाइलेरिया मुक्त बनाने के लिए शहरी क्षेत्र, निजी स्कूल संचालकों सहित सभी जिले वासियों से दवा प्रशासक को सहयोग करने और दवा लेने की अपील की। कहा कि यूनिसेफ, डब्ल्यूएचओ तथा भारत सरकार ने अच्छी तरह से शोध कर दवा बनाई है। यह दवा फाइलेरिया के परजीवियों को मार देती है। इसलिए इसके संक्रमण को खत्म करने तथा उसकी रोकथाम केवल दवा का सेवन करने से संभव है। जब सभी दवा का सेवन करेंगे तभी सुरक्षित रह पाएंगे।

उन्होंने कहा कि 1 से 2 साल तक के बच्चे को एल्बेंडाजोल की आधी गोली (200 एमजी) पानी में घोलकर। 2 से 5 वर्ष तक को डीईसी की एक गोली (100 एमजी), एल्बेंडाजोल की एक गोली (400 एमजी), 6 वर्ष से 14 वर्ष तक डीईसी की 2 गोली (200 एमजी), एल्बेंडाजोल की एक गोली, 15 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को डीईसी की तीन गोली 300 (एमजी) एवं एल्बेंडाजोल की एक गोली दवा प्रशासक द्वारा अपने सामने खिलाई जाएगी। जबकि एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं अत्यंत वृद्ध एवं गंभीर बीमार व्यक्तियों को दवा की खुराक नहीं दी जाएगी। किसी को भी यह दवा खाली पेट सेवन नहीं करनी है।

कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान सिविल सर्जन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी के अलावा समाहरणालय के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मियों ने दवा का सेवन किया।

इस मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन के साथ सिविल सर्जन डॉ.आलोक विश्वकर्मा, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ.संजीव कुमार प्रसाद, डब्ल्यूएचओ के डॉ.दीपांजन, वीबीडी पदाधिकारी डॉ.सुनिल कुमार, वीबीडी सलाहकार रमेश कुमार सिंह, पिरामल फाउंडेशन के अबिद सरदार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नगर निकाय चुनावः ट्रेनिंग में अनुपस्थित रहने वाले 239 कर्मियों को शो-कोज

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)-सह-उपायुक्त आदित्य रंजन ने नगरपालिका (आम) निर्वाचन-2026 के लिए आहूत प्रथम प्रशिक्षण सत्र में अनुपस्थित रहने वाले 239 कर्मियों को शो-कोज किया है।

उपायुक्त ने बताया कि नगरपालिका (आम) निर्वाचन-2026 के सफल संचालन हेतु उपरोक्त 239 कर्मियों की प्रतिनियुक्ति मतदान कार्य के निमित्त मतदान दल के कर्मी के रूप में की गई है। इस आशय का नियुक्ति-पत्र उनको पूर्व में ही प्रेषित किया जा चुका है। लेकिन वे प्रशिक्षण के लिए निर्धारित तिथि को प्रशिक्षण-सत्र में अनुपस्थित पाए गए।

उपायुक्त ने बताया कि निर्वाचन जैसे अतिमहत्त्वपूर्ण कार्य में, प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहना उनकी स्वेच्छाचारिता, लापरवाही, कर्तव्यहीनता के साथ सांवैधानिक दायित्वों का भी उल्लंघन है।

इसलिए प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले सभी 239 कर्मियों को 24 घंटे के अन्दर अपना स्पष्टीकरण कार्मिक कोषांग को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

अड्डाबाज़ी के खिलाफ जिलेभर में पुलिस का बड़ा अभियान, 52 लोग हिरासत में लिए गए

» सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों पर सख्ती, असामाजिक तत्वों में मचा हड़कंप

» एंटी क्राइम चेकिंग में 1257 वाहनों की जांच, संदिग्धों की पहचान हुई सत्यापित

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः धनबाद जिले में कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा अपराध की संभावनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से मंगलवार को धनबाद पुलिस ने व्यापक स्तर पर विशेष अभियान चलाया। यह कार्रवाई वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में एक साथ संचालित की गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर होने वाली अड्डाबाज़ी, शराब सेवन और संदिग्ध गतिविधियों पर रोक लगाना था।

पुलिस टीमों ने थाना प्रभारियों के नेतृत्व में सुनसान इलाकों, स्कूल और कॉलेज परिसरों के आसपास, मैदानों, मुख्य सड़कों के किनारे, बाजार क्षेत्र के पीछे के हिस्सों तथा अन्य संवेदनशील स्थानों पर सघन जांच की। ऐसे स्थानों को चिन्हित किया गया था जहां अक्सर असामाजिक तत्वों के जमावड़े की शिकायतें मिलती रही हैं।

जांच के दौरान कई जगहों पर बिना किसी उचित कारण के समूह बनाकर बैठे लोगों से पूछताछ की गई। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया। साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीते पाए गए लोगों पर भी कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की अड्डाबाज़ी कई बार छिनतई, मारपीट, छेड़छाड़ और अन्य आपराधिक घटनाओं की वजह बनती है।

इस विशेष अभियान के दौरान रात 9 बजे तक जिले के विभिन्न थानों की पुलिस ने कुल 52 लोगों को हिरासत में लिया, जिन्हें थाने लाकर सत्यापन और पूछताछ की गई। सभी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे।

इसी के साथ समानांतर रूप से जिले में एंटी क्राइम वाहन जांच अभियान भी चलाया गया। प्रमुख चौक-चौराहों, संवेदनशील मार्गों और शहर के प्रवेश–निकास मार्गों पर बेरिकेडिंग कर गाड़ियों की सघन जांच की गई। इस दौरान कुल 1257 वाहनों की जांच की गई। वाहन चालकों के दस्तावेजों की जांच के साथ उनकी पहचान भी सत्यापित की गई। संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी लेकर आवश्यक पूछताछ भी की गई।

वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि "सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन और अनावश्यक अड्डाबाज़ी से अपराध की आशंका बढ़ जाती है, जो शांति व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। धनबाद पुलिस ऐसे तत्वों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई करती रहेगी।" उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे कानून का पालन करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत डायल 112 पर पुलिस को दें।

पुलिस की इस सक्रियता से आम लोगों में सुरक्षा का विश्वास मजबूत हुआ है। वहीं असामाजिक तत्वों को स्पष्ट संदेश गया है कि जिले में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

मेयर प्रत्याशी रवि बुंदेला का जनसंपर्क जारी, पहुँचे वार्ड संख्या 30-31

» हमारा विश्वास है कि जनता से सीधा संवाद, आपसी विश्वास और सामूहिक सहयोग ही विकास की मजबूत नींव रखते हैं: रवि बुंदेला

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः मंगलवार को मेयर प्रत्याशी रवि बुंदेला ने वार्ड संख्या 30-31 में जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने हाजी अफजल खान के साथ स्नेहपूर्ण एवं आत्मीय मुलाकात की। साथ ही साथ उन्होंने क्षेत्र के जागरूक एवं उनके सक्रिय साथियों विक्की खान, महफूज़ आलम, नदीम खान, छोटे खान, सोनू आलम, लड्डन गद्दी, फैय्याज खान एवं परवेज खान की गरिमामयी उपस्थिति ने संवाद को और अधिक सार्थक बनाया।

मुलाकात के दौरान क्षेत्र के समग्र विकास, सामाजिक सौहार्द एवं स्थानीय मूलभूत समस्याओं के समाधान को लेकर सकारात्मक और रचनात्मक चर्चा हुई। आगे उन्होंने कहा कि हमारा विश्वास है कि जनता से सीधा संवाद, आपसी विश्वास और सामूहिक सहयोग ही विकास की मजबूत नींव रखते हैं एवं आप सभी के समर्थन और आशीर्वाद से वार्ड सहित पूरे शहर के सर्वांगीण विकास के लिए हमारा संकल्प निरंतर मजबूत होता जा रहा है। साथ मिलकर क्षेत्र को नई दिशा और नई पहचान दिलाने का प्रयास जारी रहेगा।

महापौर प्रत्याशी संजीव कुमार की जीत सुनिश्चित करने को लेकर बूथ स्तर पर संगठन की व्यापक बैठकें

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः धनबाद नगर निगम चुनाव में महापौर पद के भाजपा समर्थित प्रत्याशी संजीव कुमार की जीत सुनिश्चित करने को लेकर आज संगठनात्मक स्तर पर व्यापक गतिविधियां संचालित की गईं।

केंदुआ मंडल अंतर्गत वार्ड संख्या 13, गोधर में वार्ड प्रभारी राजेश गुप्ता के द्वारा मंडल अध्यक्ष रंजय सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बूथ अध्यक्षों एवं प्रमुख कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक में झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा मुख्य रूप से उपस्थित हो कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया उन्होंने ज्यादा से ज्यादा बढ़-चढ़कर डोर टू डोर जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्देश दिया।। बैठक में बूथ स्तर पर जनसंपर्क अभियान को और तेज करने तथा मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया।

वहीं महानगर जिला अध्यक्ष श्रवण राय ने जोरापोखर मंडल के वार्ड संख्या 49 तथा लोदना मंडल के वार्ड संख्या 47 में मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बूथ अध्यक्षों एवं प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठकों में भाग लेकर चुनावी रणनीति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठकों में सभी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया कि वे भाजपा समर्थित महापौर प्रत्याशी संजीव कुमार को क्रमांक संख्या 27, हरा मिर्च छाप पर अधिक से अधिक मत दिलाने हेतु डोर-टू-डोर जनसंपर्क अभियान चलाएं तथा आम जनता को प्रत्याशी की उपलब्धियों, विकास योजनाओं एवं भाजपा की नीतियों से अवगत कराएं।

कार्यकर्ताओं में उत्साह और जोश देखते ही बन रहा है, और संगठन पूरी एकजुटता के साथ संजीव कुमार की ऐतिहासिक जीत के लिए संकल्पित है।

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) में आईआईटी (आइएसएम) के शताब्दी समारोह का भव्य आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद / पर्थः आईआईटी (आइएसएम) धनबाद के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर ISMAA पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) चैप्टर ने 8 फरवरी 2026 को शताब्दी समारोह का भव्य आयोजन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पूर्व छात्र, उनके परिवारजन और संस्थान से जुड़े लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में उत्साह, अपनापन और गौरव की भावना साफ दिखाई दी।

यह समारोह संस्थान की सौ वर्षों की उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा, नवाचार और समर्पण को समर्पित था। पर्थ में आयोजित यह कार्यक्रम न सिर्फ जश्न का मौका था, बल्कि पूर्व छात्रों के बीच आपसी जुड़ाव को मजबूत करने का अवसर भी बना। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे शताब्दी आयोजनों की कड़ी में पर्थ का यह आयोजन भी खास रहा।

इस अवसर पर आईआईटी (आइएसएम) धनबाद के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने अपना संदेश भेजते हुए सभी पूर्व छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि संस्थान ने पिछले सौ वर्षों में ज्ञान का एक मजबूत केंद्र बनकर देश और दुनिया को कई उत्कृष्ट नेता, नवप्रवर्तक और विशेषज्ञ दिए हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान की असली ताकत उसके छात्र और पूर्व छात्र हैं, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

प्रो.मिश्रा ने संस्थान के मूल मूल्यों, श्रेष्ठता के प्रति प्रतिबद्धता, सीखने की ललक और सामुदायिक भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्व छात्रों की उपलब्धियां इन मूल्यों की सच्ची पहचान हैं। उन्होंने संस्थान के विकास में पूर्व छात्रों के सहयोग और समर्थन के लिए आभार जताया।

उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी पूर्व छात्र, शिक्षक और विद्यार्थी मिलकर संस्थान को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। साथ ही उन्होंने सभी पूर्व छात्रों को आने वाले वर्षों में आईआईटी (आइएसएम) धनबाद आने और उसके बदलते, आधुनिक स्वरूप को करीब से देखने का आमंत्रण दिया।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, आपसी संवाद और नेटवर्किंग सत्र आयोजित किए गए। समारोह का समापन संस्थान के प्रति गर्व और भविष्य के लिए नई प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

नगर निकाय चुनावः मतदान पदाधिकारियों के प्रथम चरण का प्रशिक्षण संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः नगर निकाय निर्वाचन 2026 के अंतर्गत धनबाद नगर निगम के तथा चिरकुंडा नगर परिषद में होने वाले चुनाव के लिए मतदान पदाधिकारियों के प्रथम चरण का प्रशिक्षण आज समाप्त हो गया।

श्रीश्री लक्ष्मी नारायण ट्रस्ट (एसएसएलएनटी) महिला महाविद्यालय में 04 फरवरी से जारी प्रशिक्षण में 1463 पीठासीन पदाधिकारी, 1417 प्रथम मतदान पदाधिकारी, 1392 द्वितीय मतदान पदाधिकारी तथा 2644 तृतीय मतदान पदाधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रशिक्षण में मुख्यतः मतदान प्रक्रिया की पूर्ण जानकारी, मतदान दिवस के पूर्व दिन की जानकारी तथा मतदान संपन्न होने के पश्चात प्रपत्रों की जानकारी दी गई। विशेष रूप से इन बातों पर जोर दिया गया कि नगर निकाय चुनाव में मतपत्र के माध्यम से मतदान कराया जाना है।

साथ ही मतदान केंद्र पर प्रतिनियुक्त होने वाले चार मतदान पदाधिकारी तथा पीठासीन पदाधिकारी के कार्य एवं दायित्व, मतपेटिका को सील करने, दोनों पदों के लिए मतपत्रों का अलग-अलग रंग, मतपत्रों को मोड़ने के तरीके इत्यादि का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण सत्र में धनबाद नगर निगम के सामान्य प्रेक्षक रॉबिन टोप्पो ने मतदान पदाधिकारियों से प्रश्न पूछे और व्यवस्था की जानकारी ली।

वहीं मुख्य प्रशिक्षक दिलीप कुमार कर्ण ने कहा कि प्रथम चरण के प्रशिक्षण के पश्चात मतदान पदाधिकारी प्रशिक्षण से संतुष्ट दिखे। मूलतः हैंडस ऑन प्रशिक्षण पर ज्यादा जोर दिया गया।

प्रशिक्षण को अच्छे से संचालन करने में संजय कुमार, राज कुमार वर्मा, कुमार वंदन, उमेश लाल, उज्ज्वल तिवारी, ब्रज किशोर चौबे, बृजभूषण पाण्डेय, रूपेश बर्मन, अंकित वासन, सरोज कौशिक आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नगर निकाय चुनावः उपायुक्त ने किया डिस्पैच व रिसीविंग सेंटर का निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः मंगलवार शाम उपायुक्त आदित्य रंजन ने नगर निकाय चुनाव को सुचारू एवं त्रुटि रहित संपन्न कराने के लिए न्यू टाउन हॉल के पास स्थित मटेरियल कोषांग, गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक स्थित रिसीविंग सेंटर व स्ट्रोंग रूम, बिरसा मुंडा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स स्थित डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया।

गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में उन्होंने धनबाद नगर निगम के लिए ग्राउंड, फर्स्ट एवं सेकंड फ्लोर पर तैयार हो रहे काउंटिंग हॉल, स्ट्रांग रूम, रिजर्व स्ट्रांग रूम तथा चिरकुंडा नगर परिषद के लिए तैयार हो रहे काउंटिंग हॉल व स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान संपन्न होने के बाद मतदान सामग्री रिसीव करने के लिए चिह्नित स्थलों का भी निरीक्षण किया।

इसके बाद उपायुक्त ने बिरसा मुंडा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में तैयार हो रहे डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया। जहां सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा निर्वाची पदाधिकारियों के बैठने का स्थान, वाहनों की पार्किंग, कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट एवं बड़े अक्षरों में साइन बोर्ड लगाने, सभी कार्य 16 फरवरी तक संपन्न कर लेने तथा 17 फरवरी को सभी निर्वाची पदाधिकारी व मतदान कर्मियों को अपने-अपने स्थान का भौतिक सत्यापन कर लेने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर उपायुक्त आदित्य रंजन के साथ अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, उप निर्वाचन पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

नारे नहीं, नक्शा लेकर आए कामरान

- गोड्डा नगर परिषद चुनाव में पहली बार लिखित और समयबद्ध मेनिफेस्टो जारी

गोड्डा : नगर परिषद चुनाव में अध्यक्ष पद के प्रत्याशी एमडी कामरान ने लिखित और समयबद्ध मेनिफेस्टो जारी कर नई राजनीतिक पहल की है। वे पहले ऐसे प्रत्याशी बने हैं जिन्होंने पूरे कार्यकाल, शुरुआती प्राथमिकताओं और पहले तीन महीनों की कार्ययोजना को स्पष्ट रूप से जनता के सामने रखा है। मेनिफेस्टो में नगर सफाई को आधुनिक मशीनों से जोड़ते हुए डोर-टू-डोर सफाई, मुख्य सड़कों पर दिन में दो बार सफाई, मोहल्ला स्तर पर सफाई व्यवस्था और नियमित नाली सफाई का प्रस्ताव रखा गया है।

शहर में पानी, सड़क और नाली की मरम्मत, आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम और वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से जलनिकासी सुधार की योजना शामिल है। इसके साथ लाइब्रेरी, पार्क, ओपन जिम, स्पोर्ट्स एकेडमी, स्ट्रीट लाइट, सार्वजनिक शौचालय, पार्किंग, वेंडिंग जोन, बिना विस्थापन आवास योजना और तालाबों के सौंदर्यीकरण का वादा किया गया है। पहले तीन महीनों में सफाई, स्ट्रीट लाइट और नाली व्यवस्था को प्राथमिकता देने की घोषणा की गई है।

दुमका में सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर डिजिटल सुरक्षा को लेकर जागरूकता

दुमका : सुरक्षित इंटरनेट दिवस–2026 के अवसर पर सभागार भवन, जिला पंचायतीराज कार्यालय में जिला प्रशासन के तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों, युवाओं और सरकारी कर्मियों को सुरक्षित, जिम्मेदार और विवेकपूर्ण इंटरनेट उपयोग के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी रवि रंजन ने कहा कि डिजिटल युग में इंटरनेट ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, डेटा चोरी और फर्जी सूचनाओं जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। उन्होंने आधार नंबर, बैंक विवरण, ओटीपी और पासवर्ड साझा न करने तथा संदिग्ध लिंक और कॉल से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सुरक्षित और नैतिक उपयोग पर भी जोर दिया।

सहायक जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी मिथलेश कुमार ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करने से पहले सत्यापन की आवश्यकता बताई और साइबर अपराध की स्थिति में 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करने की सलाह दी। कार्यक्रम में राकेश रंजन, अनुराज टुडू और शुभम झा ने भी डिजिटल गोपनीयता और साइबर सुरक्षा पर विचार रखे। अंत में सभी ने सुरक्षित इंटरनेट उपयोग का संकल्प लिया।

कोरका घाट में संतमत महाधिवेशन का गरिमामय समापन

गोड्डा : कोरका घाट में आयोजित दो दिवसीय संतमत जिला महाधिवेशन का समापन भव्य और अनुशासित माहौल में हुआ। कार्यक्रम में झारखंड सरकार के मंत्री संजय प्रसाद यादव, पूर्व कांग्रेस सांसद मो. फुरकान अंसारी और सियाराम भगत सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मंच पर पूर्व गोड्डा विधायक अमित मंडल ने अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया।

महाधिवेशन का सबसे चर्चित क्षण तब सामने आया, जब पूर्व गोड्डा भाजपा विधायक ने गोड्डा राजद विधायक और मंत्री संजय प्रसाद यादव को सॉल भेंट कर सम्मानित किया। इस दृश्य को उपस्थित लोगों ने आपसी सौहार्द, राजनीतिक शालीनता और लोकतांत्रिक परंपरा का प्रतीक बताया। इसके साथ ही मो. फुरकान अंसारी सहित अन्य अतिथियों को भी सॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

महाधिवेशन में संतमत परंपरा, सामाजिक समरसता, भाईचारे और नैतिक मूल्यों पर विचार रखे गए। बड़ी संख्या में संतमत अनुयायी, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण शामिल हुए। आयोजन की सफलता में आयोजकों और ग्रामीणों के सहयोग की सराहना की गई।

YONO ऐप ठगी गिरोह का भंडाफोड़, 4 साइबर अपराधी गिरफ्तार

जामताड़ा : साइबर अपराध के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक राजकुमार मेहता को मिली गुप्त सूचना के आधार पर साइबर अपराध थाना जामताड़ा की टीम ने करमाटांड़ थाना क्षेत्र में छापेमारी कर YONO ऐप के नाम पर देशभर में ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया। इस कार्रवाई में चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है।

एसपी राजकुमार मेहता ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि पु.नि. मो. फारूक के नेतृत्व में गठित टीम ने डिगवाडीह गांव के पास छापेमारी कर इब्राहिम अंसारी उर्फ पाडु, हुसैन अंसारी, साकिर अंसारी उर्फ लालू और सिराज अंसारी को रंगे हाथ पकड़ा। इनके पास से 7 मोबाइल फोन और 8 सिम कार्ड बरामद किए गए।

जांच में सामने आया कि आरोपी YONO ऐप अपडेट के नाम पर लोगों से स्क्रीन शेयर करवा कर यूजर आईडी, पासवर्ड और ओटीपी हासिल कर खातों से रकम निकाल लेते थे। पुलिस नेटवर्क की आगे जांच कर रही है और आम लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

उपायुक्त ने नगर निकाय चुनाव को लेकर पदाधिकारियों के प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

साहिबगंज : जिला उपायुक्त हेमंत सती ने साहेबगंज उत्क्रमित उच्च विद्यालय, पुलिस लाईन परिसर में आयोजित मतदान पदाधिकारी प्रथम एवं द्वितीय के प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने बैलेट पेपर से मतदान कराने की प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता की समीक्षा की। उपायुक्त ने उपस्थित मतदान पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी पदाधिकारी निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करें। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया में सजगता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक है, ताकि मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी को मतदान के दिन पूर्ण निष्ठा के साथ लागू करें।

कार्यक्रम के अंतर्गत आज कुल 276 मतदान पदाधिकारियों को मतदान की प्रक्रिया, बैलेट पेपर के उपयोग, मतदाता पहचान तथा मतदान से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

मौके पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री झुझू कुमार मिश्रा,अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता मुक्ति रथ के माध्यम से जन जन को किया जा रहा है जागरूक:सीडीपीओ

» प्रखण्ड मुख्यालय जामा में बाल विवाह के विरुद्ध किया गया हस्ताक्षर अभियान :कुमारी ऋतु

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका : ग्राम ज्योति एवं जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को बाल विवाह मुक्ति जागरूकता रथ को बाल विकास परियोजना पदाधिकारी जामा कुमारी ऋतु के अगुवाई में बाल विवाह के खिलाफ रवाना किया। जिसमें महिला प्रसार पदाधिकारी एवं मुखिया बसंती सोरेन तथा कमीशन सोरेन ने भी संयुक्त हस्ताक्षर किया।जागरूकता रथ जामा प्रखंड के सभी पंचायतों एवं ग्राम स्तर पर जाकर बाल विवाह के दुष्प्रभावों के प्रति समुदाय को जागरूक करेगा। इस अभियान का उद्देश्य सरकार के उस लक्ष्य को साकार करना है, जिसके तहत वर्ष 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाना है।बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ने कहा कि ग्राम ज्योति द्वारा चलाया जा रहा यह जागरूकता रथ जामा में इसलिए महत्वपूर्ण हैं कि जिले में बाल विवाह के मामले पर नज़र बनायी जा सके। जागरूकता रथ बाल विवाह की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा।उन्होंने कहा कि बाल विवाह समाज के लिए एक गंभीर समस्या है, जो बच्चों के भविष्य को अंधकारमय बना देती है, इसे समाप्त करने के लिए समाज के हर वर्ग की भागीदारी आवश्यक है। सुरक्षा के बिना समाज का समुचित विकास संभव नहीं है।उन्होंने कहा बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है बल्कि यह बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य के लिए अत्यंत घातक है। उन्होंने आमजनों से अपील किया कि यदि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले तो तुरंत स्थानीय प्रशासन को सूचित करें।मौके पर जामा थाना के पुलिस अवर निरीक्षक उपेंद्र कुमार चौरसिया ने ग्राम ज्योति के इस पहल की सराहना किया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से नीति आयोग से जिला प्रतिनिधि अमलेश कुमार ने पंचायत सचिव, जेएसएलपीएस, मुखिया,आंगनवाड़ी सेविका, सहिया से अनुरोध किया कि स्वयं सेवी संस्थाओं को सहयोग करे। साथ ही उन्होंने की गयी पहल की प्रशंसा किया। ग्राम ज्योति संस्था द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान जन-जन तक संदेश पहुँचाने का कार्य करेगा और लोगों को कानून, अधिकार तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर बाल विवाह रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जिला समन्वयक मुकेश दुबे (ग्राम ज्योति) ने जानकारी दिया कि यह बाल विवाह मुक्ति रथ जिला के सभी प्रखंडों में लगातार 30 दिनों तक चलाया जाएगा, जिसमें सभी स्थानीय व जिला प्रशासनिक पदाधिकारियों के संयुक्त सहयोग से संभव हो पा रहा हैं।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रखंड कर्मी सहित, पंचायत सचिव, मुखिया, स्वयंसेवी संगठन ग्राम ज्योति से मुकेश दुबे, पवन कुमार, प्रमोद कुमार, चंदन कुमार ने अहम भूमिका निभाई।

प्रभारी सह सचिव अब्दुल रज्जाक ने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी

» यूएमएस कादिर टोला में आठवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं के लिए विदाई सह सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः उधवा प्रखंड के दक्षिण पलाशगाछी पंचायत अंतर्गत यूएमएस कादिर टोला में मंगलवार को आठवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं के लिए विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बीईईओ रॉबिन मंडल एवं प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी (बीपीओ) अटल बिहारी भगत उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। छात्राओं द्वारा मुख्य अतिथियों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रभारी सह सचिव अब्दुल रज्जाक, शिक्षक स्टेनशिला सोरेन, अयूब अली, काजू मल्लिक, अखलाकुर रहमान सहित विद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद थे। अपने संबोधन में बीपीओ अटल बिहारी भगत ने कहा कि आठवीं कक्षा विद्यालय जीवन की एक महत्वपूर्ण सीढ़ी है। शिक्षा के साथ अनुशासन और परिश्रम को अपनाकर ही बच्चे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों के छात्र किसी से कम नहीं हैं। वहीं बीईईओ रॉबिन मंडल ने कहा कि सरकारी विद्यालयों के बच्चों में अपार प्रतिभा है। सही मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत से वे समाज और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। प्रभारी सह सचिव अब्दुल रज्जाक ने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने अपने अनुभव साझा किए। समारोह के अंत में छात्रों को कलम व डायरी देकर सम्मानित किया गया। भावुक माहौल में कार्यक्रम का समापन हुआ।

कोयला लदा हाईवा अनियंत्रित होकर पलटा, चालक व उपचालक घायल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमकाः गोविंदपुर -साहिबगंज स्टेट हाईवे गोपीकांदर थाना क्षेत्र गड़ियापानी पुलिया के पास एक कोयला लदा हाईवा अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे चालक व उपचालक घायल हो गया।घटना की सूचना मिलने पर गोपीकांदर थाने की पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों घायलों को सीएचसी गोपीकांदर में भर्ती कराया। घायल हाईवा खलासी अबुल हुसैन का प्राथमिक उपचार कर डॉक्टर सुमित आनंद, हीरालाल मंडल, ने बताया कि सीना में अंदरूनी चोट को देखते हुए एक्स-रे और बेहतर इलाज के लिए दुमका फूलों झानों अस्पताल रेफर कर दिया गया है।चालक शमीम शेख का बायां पैर में चोट व कट जाने से डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर घर जाने की छुट्टी दी।घायल चालक ने बताया आमड़ापाड़ा के आलूबेड़ा कोयला खदान से बीजीआर कंपनी से कोयला लोड करके हाइवा में दुमका साइडिंग खाली करने के लिए जा रहे थे।दुमका जाने के दौरान गड़ियापानी पुलिया के पास जंगल तरफ से अचानक सड़क पर गाय दौड़ने से हाइवा का ब्रेक काम नहीं करने के कारण असंतुलित होकर कोयला हाइवा पुलिया के नीचे ही पलटी मार देने से वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और सारा कोयला पुल के नीचे ही बिखर गया।स्थानीय लोगों के द्वारा बिखरे हुए कोयला बोरा में भर के ले जाने लगे। बताते चलें कि कोयला हाईवा चालकों के द्वारा कोयला हाईवा को तेज रफ्तार चलाने से आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है जिससे निर्दोष लोगों की जान जाती है और संबंधित अधिकारी व पदाधिकारी इस ओर मौन साधे बैठे हुए हैं।

लैंगिक समानता की ओर वेदांता का बड़ा कदम

» वेदांता में अब अहम भूमिकाओं के लिए 50 फीसदी महिलाओं की होगी बहाली

» विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में 35 फीसदी हुई भागीदारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः अंतरराष्ट्रीय महिला एवं बालिका विज्ञान दिवस (11 फरवरी) की पूर्व संध्या पर वेदांता लिमिटेड ने विनिर्माण और खनन जैसे क्षेत्रों में लैंगिक असमानता को दूर करने की दिशा में बड़ी घोषणा की है। कंपनी ने जानकारी दी है कि वर्तमान में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (स्टेम) से जुड़ी फ्रेशर भर्तियों में महिलाओं की भागीदारी 35% से अधिक हो चुकी है। यदि नेतृत्व और प्रबंधन स्तर को भी जोड़ लिया जाए, तो यह आंकड़ा 45% तक पहुंच गया है। इस उपलब्धि को और आगे बढ़ाते हुए वेदांता ने अब इस वर्ष से एसटीईएम भूमिकाओं में 50% महिलाओं की भर्ती करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। यह पहल धातु, खनन और ऊर्जा जैसे पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान क्षेत्रों में एक क्रांतिकारी बदलाव के रूप में देखी जा रही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित अंतरराष्ट्रीय महिला एवं बालिका विज्ञान दिवस 2026 की थीम—'विज्ञान और नवाचार में लैंगिक समानता को तेज करना' के अनुरूप यह कदम अत्यंत प्रासंगिक है। गौरतलब है कि भारत में स्टेम स्नातकों में महिलाओं की संख्या 40-45% होने के बावजूद वैश्विक कार्यबल में उनकी भागीदारी अभी भी 30% से कम है, जिसे सुधारने में वेदांता की यह नीति सहायक सिद्ध होगी।

वेदांता लिमिटेड की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रियंका अग्रवाल हेब्बार ने इस अवसर पर कहा कि विज्ञान और तकनीक भारत को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे और जब प्रतिभा को समान अवसर मिलते हैं, तभी सच्ची प्रगति होती है। कंपनी ने महिलाओं को भूमिगत खनन, रात्रि पाली में कार्य करने और 'ऑल-वूमन एल्यूमिनियम उत्पादन लाइन' जैसे ऐतिहासिक अवसर प्रदान किए हैं। डिजिटल ऑटोमेशन और उन्नत सुरक्षा प्रणालियों ने कार्यस्थल को और अधिक समावेशी बनाया है, जिससे महिलाओं के लिए तकनीकी भूमिकाओं में आना आसान हुआ है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, महिलाओं के करियर को हर स्तर पर सहयोग देने के लिए वेदांता कई प्रगतिशील नीतियां अपना रही है। इनमें ऑल-वूमन इंजीनियरिंग कॉलेजों से सीधी भर्ती, नेतृत्व विकास कार्यक्रम, चाइल्डकेयर सबैटिकल और मानसिक स्वास्थ्य के लिए विशेष वर्क-फ्रॉम-होम दिवस जैसे लाभ शामिल हैं। कंपनी न केवल अपने संयंत्रों में बल्कि सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी भविष्य की महिला वैज्ञानिक तैयार कर रही है। वर्ष 2021 से अब तक वेदांता के STEM शिक्षा कार्यक्रमों का लाभ 50,000 से अधिक महिलाओं और बालिकाओं तक पहुँच चुका है।

डीएवी में बारहवीं छात्रों को भावभीनी विदाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : सावित्री देवी डीएवी पब्लिक स्कूल, जामताड़ा में कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीरेंद्र मंडल रहे। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। स्वागत गान एवं पुष्प गुच्छ भेंट के बाद प्राचार्य डॉ विजय कुमार ने स्वागत भाषण दिया। समारोह में परंपरा के अनुसार मिस डीएवी और मास्टर डीएवी का चयन किया गया, जिसमें ज्योति किरण मुर्मू को मिस डीएवी तथा शुभम मंडल को मास्टर डीएवी चुना गया। छात्रों ने नृत्य एवं गीत के माध्यम से सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

बीरेंद्र मंडल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल विषय ज्ञान नहीं, बल्कि समग्र व्यक्तित्व विकास है और विद्यार्थियों को समाज व देश के विकास में योगदान देना चाहिए। डॉ विजय कुमार ने छात्रों को अनुशासन, समय पालन और राष्ट्र सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संयोजन शांतनु चक्रवर्ती तथा संचालन कशिश किरण और मुसकान कुमारी ने किया। आयोजन में स्नेह प्रभात दुबे, अंजु कुमारी, देवाशीष दास, तपन कुमार, अभिषेक दुबे, संतोष कुमार, ज्योति दास, पिंटु यादव, डी एन चौधरी सहित अन्य का सहयोग रहा।

डीएवी सेक्टर-4 में क्षमता संवर्धन कार्यशाला सम्पन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः डीएवी सेक्टर-4 में डीएवी सीएई और डीएवी सीएमसी, नई दिल्ली के तत्वाधान में दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन 10 और 11 फरवरी 2026 को किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को सरल, प्रभावशाली, व्यवहार्य और अधिक ग्राह्य बनाना था। यह कार्यशाला जोन 'के' के अंतर्गत प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च स्तर के सभी विषयों के शिक्षकों के लिए आयोजित की गई, जिसमें जोन के विभिन्न डीएवी विद्यालयों से लगभग 300 शिक्षकों ने भाग लिया।

कार्यशाला का शुभारंभ वैदिक परंपरा के अनुसार गायत्री मंत्रोच्चारण और डीएवी गान के साथ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए जोन 'के' के ट्रेनिंग कोऑर्डिनेटर सह-प्रिंसिपल डीएवी सेक्टर-4 एसके मिश्रा ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं शिक्षकों की शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने के साथ बच्चों के मनोवैज्ञानिक पक्ष को समझने, अनुकूल वातावरण सृजित करने और शिक्षण की व्यवहारिक चुनौतियों को दूर करने में सहायक होती हैं। उन्होंने बताया कि कार्यशाला की रूपरेखा सीबीएसई के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार की गई है, जिससे शिक्षण प्रक्रिया को मूल्य आधारित और रुचिकर बनाया जा सके।

कार्यशाला के समुचित मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण के लिए विभिन्न विद्यालयों से आए प्रधानाचार्यों ने ऑब्जर्वर की भूमिका निभाई। इनमें सुनील कुमार (डीएवी इस्पात 9/ई), अनुपाल सागर (डीएवी इस्पात 8/बी), प्रवीण कुमार (डीएवी 2/सी), सुनील कुमार (डीएवी 12/ई), अनुराधा सिंह (डीएवी-6) तथा होस्ट विद्यालय डीएवी सेक्टर-4 के प्राचार्य एसके मिश्रा शामिल रहे। आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित डीएवी सेक्टर-4 का परिसर कार्यशाला को प्रभावी और उपयोगी बनाने में सहायक सिद्ध हुआ।

जनसंपर्क अभियान के तहत महापौर प्रत्याशी शान्तनु चंद्रा पहुँचे गांधीनगर सब्जी बागान

» स्वच्छ व सुव्यवस्थित धनबाद बनाना लक्ष्यः शान्तनु चंद्रा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत गांधीनगर सब्जी बागान में महापौर प्रत्याशी शान्तनु चंद्रा उर्फ बबलू पासवान ने मंगलवार को जनसंपर्क अभियान के तहत स्थानीय नागरिकों, विशेषकर माताओं-बहनों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्हें महिलाओं का भरपूर स्नेह, आशीर्वाद और समर्थन प्राप्त हुआ, जिससे कार्यकर्ताओं और समर्थकों में नया उत्साह देखने को मिला। बबलू पासवान ने माताओं-बहनों की समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि नगर निगम में महिलाओं की भागीदारी और सुरक्षा, स्वच्छता, जलापूर्ति तथा बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर मजबूत किया जाएगा, ताकि शहर की हर महिला सम्मान और सुविधा के साथ जीवन व्यतीत कर सके।

इस अवसर पर शान्तनु चंद्रा ने सभी नागरिकों से मतदान कर भारी मतों से विजयी बनाने की विनम्र अपील की। उन्होंने कहा कि जनसमर्थन से धनबाद को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और जनहितैषी शहर बनाने का संकल्प पूरा किया जाएगा।

शान्तनु कुमार चंद्रा उर्फ बबलू पासवान ने कहा कि गांधीनगर की माताओं-बहनों से मिला स्नेह और आशीर्वाद मेरे लिए सबसे बड़ी ताकत है। धनबाद के विकास, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करूंगा। साथ ही उन्होंने कहा कि जनसंपर्क अभियान के माध्यम से वे लगातार जनता से जुड़कर शहर के सर्वांगीण विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
+91 8873 319 159
बोकारो, बुधवार, 11 फरवरी, 2026

भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए नुकसान का पहलू

अमेरिका में टैरिफ 18 प्रतिशत होने से भारत के श्रम-केंद्रित उद्योगों को राहत मिलेगी। लेकिन अमेरिका की भू-राजनीतिक रणनीतियों से जुड़ी शर्तें डील में शामिल हुईं, तो आर्थिक के साथ-साथ भारत की अंतराष्ट्रीय छवि के लिए भी वो हानिकारक बात होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करने के बाद डॉनल्ड ट्रंप ने अपने चिर-परिचित अंदाज में भारत से ट्रेड डील होने का एलान किया। कहा कि इसके तहत अमेरिका भारत पर 'लिबरेशन डे टैरिफ' को 25 से घटा कर 18 प्रतिशत कर देगा। बदले में भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करेगा, अमेरिका से व्यापार में टैरिफ एवं गैर-टैरिफ रुकावटों को शून्य कर देगा, और 500 बिलियन डॉलर के ऊर्जा, तकनीक, कृषि, कोयला एवं अन्य उत्पाद खरीदेगा। 500 बिलियन डॉलर का अर्थ भारत के सालाना बजट का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा (तकरीबन 46 लाख करोड़ रुपये) है! बहरहाल, ट्रंप के सोशल मीडिया पोस्ट के बाद जारी अपने बयान में प्रधानमंत्री ने सिर्फ यह उल्लेख किया कि भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में अब सिर्फ 18 प्रतिशत आयात शुल्क लगेगा। इससे ट्रेड डील को लेकर फिर से अस्पष्टता बन गई। बहरहाल, यह साफ है कि इस डील को हासिल करने के लिए भारत ने आगे बढ़ कर कई बड़ी रियायतें दी हैं। उनमें से कई तो करार के पहले ही दे दी गईं। इनमें अमेरिका के कृषि, वाहन, सौंदर्य प्रसाधन, इलेक्ट्रॉनिक्स, धातु एवं केमिकल्स उत्पादों पर भारत में आयात शुल्क में भारी कटौती शामिल है। साथ ही रक्षा सौदों का दायरा बढ़ाया गया। परमाणु उत्तरदायित्व कानून में अमेरिकी कंपनियों के अनुकूल बदलाव किया गया। ट्रंप प्रशासन के दबाव में भारत ने रूस से तेल की खरीदारी घटाई, ऐसी खबरें सुर्खियों में रही हैं! अब अगर ये पहलू ट्रेड डील का हिस्सा है, तो यह बेहद आपत्तिजनक बात होगी। इसलिए कि यह अपने संप्रभु निर्णय को किसी अन्य देश की भू-राजनीतिक जरूरतों के सामने समर्पित करने जैसा होगा। दरअसल, खरीदारियों के बारे में भी कोई व्यक्ति या देश अपनी जरूरत एवं बाजार के तर्कों से फैसला लेता है। किसी दबाव में आकर इस बारे में बंधना अपने हितों से समझौता होगा। अमेरिका में टैरिफ 18 प्रतिशत होने से वस्त्र, जेवरात आदि जैसे श्रम-केंद्रित उद्योगों को राहत अवश्य मिलेगी। लेकिन अमेरिका की भू-राजनीतिक रणनीतियों से जुड़ी शर्तें ट्रेड डील में शामिल हुईं, तो आर्थिक के साथ-साथ भारत की अंतराष्ट्रीय छवि के लिए भी वो नुकसान का पहलू होगा।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन को साकार कर रही नरेन्द्र मोदी सरकार

सुरेन्द्र शर्मा

भारत को अगर विश्व गुरु बनाना है तो उसका आधार केवल भारत का ही चिंतन हो सकता है , पश्चिम के आधार पर चलकर हम केवल पश्चिमी देशों के पिछलग्गू तो बन सकते हैं हम दुनिया का नेतृत्व नहीं कर सकते,भारत को अपने स्व को पहचानकर आगे बढ़ना होगा। यह चिंतन आधुनिक भारत के समस्त मनीषियों का रहा है इस चिंतन को एकात्म मानव दर्शन के रूप में प्रतिपादित करने वाले थे भारतीय जनसंघ के तत्कालीन राष्ट्रीय महामंत्री पंडित दीनदयाल उपाध्याय। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिन्होंने भारत के स्व को पहचानकर भारतीयता के आधार पर भारत के स्वर्णिम भविष्य का स्वप्न देखा जिन्होंने समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति की भी चिंता की और कहा बिना समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का उद्धार हुए राष्ट्र का अपने बल पर खड़ा होना मुश्किल है अंत्योदय से ही राष्ट्रोदय संभव है का मंत्र देने वाले आज की भारतीय जनता पार्टी के प्रेरणापुंज और जनसंघ के आधार स्तंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को नियति ने 11 फ़रवरी 1968 को देश से छीन लिया पर उनके बताए मार्ग पर चलकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की केन्द्र सरकार एवं देश के 19 राज्यों की भाजपा एवं भाजपा गंठबंधन की सरकारें दीनदयाल जी के स्वप्न को साकार कर रही हैं।।

एकात्म मानव दर्शन का मूल उद्देश्य मनुष्य को केवल आर्थिक प्राणी न मानकर उसे शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समन्वित रूप मानना है। यह दर्शन भारतीय संस्कृति, परंपरा और जीवन मूल्यों पर आधारित है। वर्तमान समय में यदि भारत की राजनीति में इस दर्शन की व्यावहारिक अभिव्यक्ति देखी जाए, तो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में इसके तत्व स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। एकात्म मानव दर्शन का आधार यह है कि समाज, राष्ट्र और व्यक्ति एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, बल्कि एक अखंड इकाई के रूप में जुड़े हुए हैं। यह दर्शन पश्चिमी विचारधाराओ पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों से भिन्न है। जहाँ पूंजीवाद व्यक्ति को केंद्र में रखता है और साम्यवाद राज्य को, वहीं एकात्म मानव दर्शन समाज और संस्कृति को केंद्र में रखता है। इस दर्शन के अनुसार विकास केवल भौतिक नहीं, बल्कि नैतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक भी होना चाहिए। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुँचाना ही इसका उद्देश्य है, जिसे "अंत्योदय" कहा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने शासन को केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा का साधन माना है। "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" का नारा एकात्म मानव दर्शन की भावना को ही प्रतिबिंबित करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार की योजनाएँ एकात्म मानव दर्शन की अंत्योदय अवधारणा को साकार करती हैं। प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने गरीबों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा। प्रधानमंत्री जनधन योजना (PMJDY) में अब तक कुल लाभार्थी संख्या लगभग 57.11 करोड़ लोगों तक पहुंच चुकी है। जिनमें देश भर के नागरिक शामिल हैं और ये संख्या लगातार बढ़ रही है इन खातेधारकों में ग्रामीण और शहरी दोनों शामिल हैं, तथा इन खातों के माध्यम से लाभार्थियों को बैंकिंग, डेबिट कार्ड, बीमा, पेंशन तथा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) जैसे कई लाभ दिए जाते हैं। इन खातों के खुलने के बाद सरकार की योजनाओं से मिलने मिलने वाली राशि सीधे हितग्राहियों को प्राप्त हो रही है और बिचौलियों से जनता को राहत मिली है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से महिलाओं को धुएँ से मुक्ति और सम्मानजनक जीवन मिला। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से लगभग 10.33 करोड़ परिवार देश भर में उज्ज्वला योजना का लाभ उठा रहे हैं।प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) से लाभ पाने वाले परिवारों में पहली एलपीजी कनेक्शन के साथ गैस चूल्हा भी प्रदान किया जाता है, जिससे घरेलू स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा और स्वास्थ्य लाभ मिलता है। आयुष्मान भारत योजना ने गरीबों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की आयुष्मान भारत योजना (Ayushman Bharat – Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana) भारत की flagship स्वास्थ्य सुरक्षा योजना है, जिसका मुख्य उद्देश्य गरीब और वंचित परिवारों को कैशलेस और मानक उपचार प्रदान करना है। अब तक लगभग 40.45 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जो लगभग 14.69 करोड़ परिवारों को कवर करते हैं। देश भर के गरीब परिवारों तक स्वास्थ्य बीमा सुरक्षा पहुँच चुकी है, जिससे वे 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज कैशलेस तौर पर अस्पतालों में प्राप्त कर सकते हैं। पूरे देश में 30,000 से अधिक अस्पताल (सरकारी + निजी) योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध हैं, ताकि लाभार्थी आसानी से इलाज करवा सकें। ये योजनाएँ केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सामाजिक सम्मान और आत्मनिर्भरता का भाव भी उत्पन्न करती हैं, जो एकात्म मानव दर्शन का मूल तत्व है। आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी चिंतन। एकात्म मानव दर्शन स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर विशेष बल देता है। नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा प्रस्तुत आत्मनिर्भर भारत अभियान इसी सोच का आधुनिक रूप है। इसका उद्देश्य भारत को आर्थिक,तकनीकी और औद्योगिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान—"वोकल फॉर लोकल"—भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ सांस्कृतिक स्वाभिमान को भी सुदृढ़ करता है आत्मनिर्भर भारत अभियान भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसकी शुरुआत मई 2020 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की थी। इसका उद्देश्य भारत को आर्थिक, औद्योगिक, तकनीकी और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि देश अपनी आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर निर्भर न रहे और वैश्विक अर्थव्यवस्था में मजबूत भूमिका निभा सके। आत्मनिर्भर भारत का अर्थ आत्मकेंद्रित होना नहीं, बल्कि अपनी क्षमता को मजबूत करते हुए दुनिया से जुड़ा हुआ भारत बनाना है। इसका नारा है— "लोकल को ग्लोबल बनाना" और "वोकल फॉर लोकल"। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अभियान को पाँच आधार स्तंभों पर रखाःअर्थव्यवस्था (Economy) – आधुनिक, मजबूत और नवाचार-आधारित , अवसंरचना (Infrastructure) – विकास की पहचान ,प्रणाली (System) – तकनीक आधारित, पारदर्शी व्यवस्था,जनसांख्यिकी (Demography) – युवा और कुशल मानव संसाधन, मांग (Demand) – घरेलू मांग को सशक्त करना। इसके लिए प्रमुख क्षेत्र MSME सेक्टर को सशक्त करने के लिए ऋण सुविधा, गारंटी योजना और सुधार,मेक इन इंडिया और PLI (Production Linked Incentive) योजनाओं के जरिए विनिर्माण को बढ़ावा कृषि सुधार और किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास,डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और नवाचार को प्रोत्साहन,रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता और आयात पर निर्भरता में कमी,स्वदेशी उत्पादों और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा सामाजिक और राष्ट्रीय महत्व आत्मनिर्भर भारत अभियान केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मसम्मान और स्वाभिमान से भी जुड़ा है। इससे रोजगार के अवसर बढ़ते हैं, आयात घटता है और देश की अर्थव्यवस्था अधिक सुदृढ़ होती है। आत्मनिर्भर भारत अभियान भारत को समावेशी, टिकाऊ और आत्मविश्वासी राष्ट्र बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है जिसमें व्यक्ति, समाज और राष्ट्र—तीनों का संतुलित विकास लक्ष्य है।

ब्राह्मण-दलित-पिछड़ों को लड़ा बीजेपी से हारी बाजी जीतना चाहता है विपक्ष

संजय सक्सेना,लखनऊ,

उत्तर प्रदेश की राजनीति में हिन्दुत्व की लहर ने योगी सरकार और भारतीय जनता पार्टी को ऐसी मजबूत नींव दे दी है कि विपक्षी दल अब हताशा के दौर से गुजर रहे हैं। प्रदेश में भाजपा समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी जैसे दलों के मुकाबले अभेद्य किले की तरह खड़ी नजर आ रही है। हिन्दुत्व के सहारे ही भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव में फिर से सत्ता की कमान संभालना चाहती है। लेकिन विपक्षी नेताओं ने अब एक सोची-समझी चाल चली है। वे हिन्दू समाज को ही आपस में बांटने की साजिश रच रहे हैं। हर उस मुद्दे को हवा दी जा रही है जो हिन्दुओं के बीच फूट डाल सके। कभी ब्राह्मणवाद के नाम पर आक्रोश भड़काया जाता है तो कभी दलितों और पिछड़ों पर अत्याचार के रोने से सियासी माहौल गरमाया जाता है। अपराधियों को भी अब जाति के चश्मे से देखा जाने लगा है। यह सब कुछ हिन्दू एकता को चूर करने की गहरी चाल है।

प्रदेश की सियासत को करीब से देखें तो साफ पता चलता है कि भाजपा ने हिंदुत्व को ऐसा हथियार बनाया है जो विपक्ष के सारे तीरों को विफल कर देता है। राम मंदिर निर्माण से लेकर गौ रक्षा तक हर मुद्दे पर हिन्दू समाज एकजुट हो गया। योगी आदित्यनाथ की सरकार ने कानून-व्यवस्था को पुख्ता कर अपराधियों पर नकेल कसी तो हिन्दू समाज में विश्वास जगा। लेकिन विपक्ष अब उसी समाज को तोड़ने पर तुला है। समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के नेता ब्राह्मणों को भाजपा विरोधी बताने की मुहिम चला रहे हैं। वे कहते हैं कि भाजपा में ब्राह्मणों की उपेक्षा हो रही है। पुरानी घटनाओं को उछालकर ब्राह्मण युवकों को भड़काया जा रहा है। एक तरफ ब्राह्मण सम्मेलनों में नारे लगवाए जाते हैं तो दूसरी तरफ दलित सभाओं में ब्राह्मणों पर अत्याचार के किस्से गढ़े जाते हैं। यह दोहरी चाल हिन्दू समाज के दो बड़े वर्गों में वैमनस्य पैदा कर रही है।

दलित और पिछड़े वर्गों को भी निशाना बनाया जा रहा है। विपक्षी दल दावा करते हैं कि योगी सरकार में दलितों और पिछड़ों पर जुल्म हो रहे हैं। हर छोटी-मोटी घटना को जातिगत रंग देकर प्रचारित किया जाता है। उदाहरण के तौर पर कुछ महीने पहले एक घटना घटी जहां पुलिस ने अपराधी को पकड़ा। विपक्ष ने तुरंत चिल्लाना शुरू कर दिया कि वह दलित था और भाजपा सरकार ने उसे फंसाया। सच्चाई यह थी कि अपराधी ने कई हत्याएं की थीं लेकिन जाति का लबादा ओढ़ाकर उसे शहीद बनाने की कोशिश हुई। इसी तरह पिछड़े वर्ग के अपराधियों को भी संरक्षण देने की मुहिम चलाई गई। समाजवादी पार्टी के कुछ नेता खुले तौर पर कहते हैं कि अपराधी कोई भी हो, उसकी जाति को बचाना जरूरी है। इससे हिन्दू समाज में पिछड़ों और अन्य वर्गों के बीच खाई पैदा हो रही है।

कांग्रेस भी इस खेल में पीछे नहीं है। वह ब्राह्मण-दलित कार्ड खेल रही है। पार्टी के नेता पुरानी शिकायतें दोहराते हैं कि भाजपा सवर्णों की ही सरकार है। वे हिन्दू समाज को चार हिस्सों में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। कभी जाट बनाम गुर्जर का मुद्दा उठता है तो कभी राजपूतों को ठाकुरों से लड़ाने की चेष्टा होती है। अपराध के मामलों को जाति से जोड़ना सबसे खतरनाक है। प्रदेश में अपराधी किसी भी जाति का हो सकता है लेकिन विपक्ष उसे जाति का चेहरा बना देता है। अगर अपराधी ब्राह्मण है तो ब्राह्मणवाद का ढोल पीटा जाता है। दलित अपराधी पर तो अत्याचार का रोना रोया जाता है। पिछड़ा अपराधी हो तो पिछड़ों की दुर्दशा का बखान किया जाता है। इससे समाज में नफरत का बीज बोया जा रहा है। हिन्दू समाज जो सदियों से एकजुट रहा, अब उसके टुकड़े करने की साजिश रची जा रही है।

यह साजिश नई नहीं है। विपक्ष हमेशा से जातिवाद का सहारा लेता रहा है। लेकिन अब यह हिंदुत्व के खिलाफ सीधी जंग है। भाजपा ने हिन्दू समाज को जाति से ऊपर उठाकर एक सूत्र में बांधा है। योगी सरकार की योजनाएं सबके लिए हैं। दलितों के लिए विशेष छात्रावास, पिछड़ों के लिए आरक्षण में इजाफा और ब्राह्मणों के लिए संस्कृत विद्यालय। लेकिन विपक्ष इन तथ्यों को नजरअंदाज कर अफवाहें फैला रहा है। हाल ही में एक जिले में दलित युवक की मौत पर विपक्ष ने ब्राह्मणों पर आरोप लगाए। जांच में साफ हुआ कि यह पारिवारिक झगड़ा था लेकिन सियासी फायदा उठाने के लिए जाति का जहर घोला गया। ऐसे कई उदाहरण हैं जहां अपराध को जातिगत संघर्ष का रूप दिया गया। लखनऊ से लेकर वाराणसी तक सभाओं में यही जहर परोसा जा रहा है।

विपक्ष की यह चाल उल्टी पड़ रही है। हिन्दू समाज जागरूक हो गया है। सोशल मीडिया पर लोग इन साजिशों को बेनकाब कर रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर एकता का संदेश दे रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने कई बार खुलकर कहा है कि हिन्दू एकता ही प्रदेश की ताकत है। विपक्ष की जातिवादी राजनीति अब जनता को भाती नहीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी यही देखने को मिला। जहां विपक्ष ने जाति कार्ड खेला, वहां भाजपा ने हिन्दुत्व से जवाब दिया। अब 2027 के विधानसभा चुनाव में भी यही होगा। लेकिन विपक्ष हार मानने को तैयार नहीं। वे और तीव्रता से हिन्दुओं को बांटने की कोशिश करेंगे। अपराधियों को जाति का चोला पहनाकर सड़कों पर उतारेंगे। ब्राह्मणों को भड़काएंगे, दलितों को उकसाएंगे और पिछड़ों को भटकाएंगे।

यह साजिश सिर्फ सियासी नहीं, समाज को कमजोर करने वाली है। हिन्दू समाज अगर बंट गया तो प्रदेश की प्रगति रुक जाएगी। योगी सरकार ने बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। एक्सप्रेसवे बने, हवाई अड्डे बढ़े, निवेश आया लेकिन एकता ही सबकी कुंजी है। विपक्ष को समझना चाहिए कि जनता अब जाति के जाल में नहीं फंसती। वे चाहे जितना चिल्लाएं, हिन्दुत्व की दीवार अटल है। ब्राह्मण, दलित, पिछड़ा, क्षत्रिय सब एक हैं। राम के भक्त एक हैं। विपक्ष की साजिशें नाकाम होंगी। प्रदेश फिर भाजपा के हाथों सशक्त होगा। हिन्दू समाज को सावधान रहना होगा। इन फूट डालने वाली चालों से बचना होगा। एकता बनाए रखें, तभी सच्ची विजय होगी।

मेष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। इस समय लोग बेहतरीन विचारों को सुनने–जानने के लिए बहुत उत्सुक होंगे। आज आप लोगों से जो भी बात मनवानी है, आसानी से मनवा सकते हैं। अपने अधिकार जताने की प्रवृत्ति को नियंत्रण में रखें, यह आपके काम पर असर डाल सकती है। इस राशि के लोगों को आज किसी करीबी से कोई खुशखबरी मिल सकती है।

वृष राशि : आज का दिन आपका खुशनुमा बना रहेगा। आज आपका रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आज आप अपने मन के आधार पर फैसले लेंगे। लेकिन वे सिर्फ पैसों के मामले में लाभकारी साबित होंगे। आज सामने आयी सभी चुनौतियों का डटकर मुकाबला करेंगे तो सफलता भी हाथ लगेगी। लेकिन आपको भविष्य को बेहतर बनाने के लिए इस समय आलस्य को छोड़ना होगा।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको नौकरी के लिए अच्छी खबर मिल सकती है। आपको किसी कंपनी में इंटरव्यू के लिए बुलाया जा सकता है। इस राशि के उभरते हुए लेखकों के लिए आज का दिन एक बेहतरीन हो सकता है क्योंकि आपके लेख या आपकी पुस्तक किसी बड़े पब्लिशर के द्वारा प्रकाशित हो सकती है। आपका करियर अब पूरी तरह से एक नए रूप में शोभित होगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आप शाम का समय परिवारवालों के साथ बिताएंगे। इस राशि के जो लोग बिजनेस करते है आज उन्हें धनलाभ होने की उम्मीद है। लेकिन कोई डील करते समय बोलने से पहले सोच लें, कहीं ऐसा ना हो कि डील होने से पहले कैंसिल हो जांए।

सिंह राशिः आज जिस काम को पूरा करना चाहेंगे वो आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी जरूरी काम के पूरा होने पर बधाइयां देने के लिए लोगों का आवागमन लगा रहेगा। आज किसी पुराने मित्र से मिलने उसके घर जा सकते हैं जहां आप निजी समस्याओं को लेकर बातचीत करेंगे। अगर पहले किसी रिश्तेदार से अनबन हुई है तो आज रिश्तों में सुधार लाने के लिए दिन अच्छा है। आज विरोधी आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे।9

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। जिस काम को कई दिनों से पूरा करने की सोच रहें है वो आज किसी मदद से पूरा हो जाएगा। आज किसी दूसरे के काम में राय देने से बचें और साथ ही आज दूसरों से बात करते समय सही भाषा का प्रयोग करें। इस राशि के जो लोग सोशल नेटवर्किंग से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन बढ़िया है।

तुला राशि–ःआज आपका दिन खुशनुमा बना रहेगा। आज आप किसी काम को करते समय अपने मन को शांत रखें, तो आपका काम आसानी से सफल होगा। अगर आप जल्दी मचाएंगे तो सब गड़बड़ हो जाएगा। इस राशि के जो लोग अविवाहित हैं आज उनके लिए रिश्ते आ सकते हैं। परिवार वाले आपके विवाह की प्लानिंग करेंगे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया है। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से कोशिश कर रहे हैं, आज पूरे होने वाली हैं। जिन कोशिशों को आप अपनी ओर से व्यर्थ मान चुके थे, वे आज सफल होंगी। इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं, हो सकता है कि उनके पास भी आपको सुनाने के लिए अच्छी खबर हो।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहेगा। आज आपके मन में नए विचार आयेंगे, हो सकता है किसी नए बिजनेस की शुरुआत करें, जिससे भविष्य में आपको फायदा होगा। आज परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभाएंगे। इस राशि के कॉन्ट्रेक्टर के लिए आज का दिन अच्छा होगा, हो सकता है कि आपको आज नया कॉन्ट्रेक्ट मिलेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। आज का दिन यात्रा में बीतेगा। ये यात्रा में ऑफिस के काम से संबंधित हो सकती है। यात्रा के दौरान किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा।

कुंभ राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका रुझान अध्यात्म की तरफ रहेगा मंदिर जाने या किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन की योजना बना सकते हैं। आज आनंद की प्राप्ति के लिए आपको अपने स्वभाव में थोड़ा परिवर्तन लाने की जरूरत है। निश्चित ही घर में खुशियों का आगमन होगा।

मीन राशिः आज आपकी किस्मत आपका पूरा साथ देगी। आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी अच्छे तरीके से काम करेंगे। आप अपने माता-पिता या बहन भाइयों के साथ भी समय बिता सकते हैं। ऑफिस में नया काम करने का मौका मिल सकता है। आज दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है।

ओटीटी की भाषा, हिन्दी और हम

डा. अवधेश कुमार यादव

चण्डीगढ़ के गुप्ता जी रविवार के दिन मनोरंजन के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर हिंदी वेब सीरीज देख रहे थे। उनका पांच साल का बेटा मोबाइल गेम में व्यस्त था। तभी टेलीविजन स्क्रीन पर पात्र अचानक से एक-दूसरे को जोर-जोर से गालियां देने लगे, जिसे देखकर उनका बेटा भी जोर-जोर से दोहराने लगा। गुप्ता जी रिमोट से सीरीज बंद कर देते हैं और मन ही मन सोचते हैं कि यह क्या हो रहा है? बचपन में तो हम अखबार पढ़कर भाषा सीखते थे। संपादकीय पन्नों से नए शब्द, मुहावरे और व्याकरण की बारीकियां आत्मसात करते थे। अब ये ओटीटी प्लेटफॉर्म्स बच्चों की जुबान गंदी कर रहे हैं। हिंदी न्यूज चैनल तो हिंग्लिश में ब्रेकिंग न्यूज चला रहे हैं। अंग्रेजी माध्यम स्कूलों से पढ़े पत्रकार 'ग्राउंड जीरो' और 'एक्सक्लूसिव' जैसे शब्द हिंदी में लिखकर प्रसारित कर देते हैं। ओटीटी ने 'रियलिज्म' के नाम पर अश्लीलता की सारी हदें पार कर दी हैं। एक समय था जब हिंदी भाषा की शुद्धता, व्याकरण और वर्तनी का सबसे बड़ा शिक्षक अखबार हुआ करता था। 19वीं सदी के अंत से लेकर 20वीं सदी के अधिकांश भाग तक अखबार घर-घर में भाषा सिखाते थे। लोग संपादकीय, लेख और समाचार पढ़कर नए शब्द सीखते, मुहावरे समझते और व्याकरण की बारीकियां आत्मसात करते। हिंदी की लयबद्धता, संस्कृतनिष्ठ शब्दावली और उर्दू की मिठास का सुंदर संयोजन अखबारों की भाषा में झलकता था। वह दौर था जब भाषा को सम्मान दिया जाता था और उसे सँवारने का सतत प्रयास होता था। फिर, टेलीविजन का दौर आया। 1980-90 के दशक में दूरदर्शन पर सरकारी नियंत्रण के कारण भाषा काफी हद तक शुद्ध बनी रही, लेकिन निजी न्यूज चैनलों के उदय के साथ सब कुछ बदल गया। अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा ने नई पीढ़ी को हिंदी से दूर कर दिया। स्कूलों में अंग्रेजी को प्रधानता मिली, हिंदी को माध्यमिक भाषा का दर्जा दिया जाने लगा। अंग्रेजी माध्यम से पढ़े-लिखे युवा जब हिंदी न्यूज चैनलों में पत्रकार बने, तो उन्होंने हिंदी में अंग्रेजी के शब्दों को जबरदस्ती घुसेड़ना शुरू कर दिया। ब्रेकिंग न्यूज, ग्राउंड जीरो, एक्सक्लूसिव, स्पॉटलाइट, सोर्सेज के मुताबिक, डेवलपमेंट्स हो रही है जैसे वाक्य आम हो गए। ब्रेकिंग न्यूज की होड़ में अनुवाद की जल्दबाजी ने व्याकरण और शुद्धता को ताक पर रख दिया। चैनलों पर चीख-चीखकर खबरें पढ़ी जाने लगीं, जिससे भाषा की मर्यादा भी कमजोर पड़ गई। लेकिन असली तबाही ओटीटी (ओवर-द-टॉप) प्लेटफॉर्म्स के साथ आयी। नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम वीडियो, डिज़्नी प्लस, हॉटस्टार, ज़ी फाइव आदि पर हिंदी वेब सीरीज ने भाषा की सारी पारंपरिक सीमाएं तोड़ दीं। संवाद अब शुद्ध हिंदी में नहीं, बल्कि हिंग्लिश, क्षेत्रीय बोलियों के मिश्रण और सबसे ज्यादा गालियों से भरे होते हैं। मिर्ज़ापुर, सेक्रेड गेम्स, पाताल लोक, कॉलेज रोमांस, हॉस्टल डेज़ जैसी वेब सीरीज में हर दूसरे वाक्य में अश्लील शब्द सुनाई देते हैं। ये शब्द अब सिर्फ पात्रों की भाषा नहीं रहे, बल्कि युवाओं की रोजमर्रा की जुबान बनते जा रहे हैं ओटीटी पर अश्लील कंटेंट की बाढ़ से न केवल संस्कृति का सत्यानाश हो रहा है, बल्कि समाज में भाषा की गंभीर समस्या भी उत्पन्न हो रही है। रियलिज्म और ऑथेंटिसिटी के नाम पर अश्लील सीन और संवाद आम हो गए हैं, लेकिन क्या वास्तविक जीवन में हर व्यक्ति हर वाक्य में गाली देता है? क्या कॉलेज के छात्रों की सामान्य भाषा इतनी गंदी होती है? यह सब युवा पीढ़ी पर गहरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव डाल रहा है। बच्चे और किशोर इन शब्दों को सुन-देखकर अपनी भाषा में शामिल कर लेते हैं, जिससे समाज में गाली-गलौज सामान्य लगने लगी है। 2025 में स्थिति और गंभीर हुई तो सरकार ने अश्लील और पोर्नोग्राफिक कंटेंट के खिलाफ सख्त कदम उठाए। जुलाई 2025 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म्स (जिनमें उल्लू, एएलटीटी, बिग शॉट्स, डेसिफ्लिक्स, नियॉनएक्स वीआईपी इत्यादि) को ब्लॉक कर दिया, क्योंकि ये अश्लील, वल्गर और पोर्नोग्राफिक सामग्री प्रसारित कर रहे थे। यह कार्रवाई आईटी एक्ट, 2000 और 2021 के इंटरमीडियरी गाइडलाइंस के तहत की गई। इससे पहले 2024 में भी 18 प्लेटफॉर्म्स पर ऐसी ही कार्रवाई हुई थी। कुल मिलाकर, जुलाई 2025 तक 43 प्लेटफॉर्म्स ब्लॉक हो चुके हैं। सरकार ने 2024 के अंत से ही ओटीटी कंटेंट के लिए नए दिशा-निर्देशों पर काम शुरू किया था, जिसमें प्रोफेनिटी (गाली-गलौज) को बीप करना, अश्लील सीन को ब्लर करना और इंटीमेट सीन के वैकल्पिक चित्रण को बढ़ावा देना शामिल है। हालांकि मुख्यधारा के प्लेटफॉर्म्स जैसे नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम आदि पर अभी भी सेंसरशिप नहीं है, बल्कि सेल्फ-रेगुलेशन और आईटी रूल्स 2021 के तहत तीन-स्तरीय तंत्र है। दिसंबर 2025 में सरकार ने लोकसभा में स्पष्ट किया कि ओटीटी कंटेंट सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) के दायरे में नहीं आता, बल्कि अलग से आईटी रूल्स के तहत नियंत्रित होता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी कई मामलों में कहा है कि प्रोफेनिटी अपने आप में ओब्सेनिटी नहीं है (जैसे कॉलेज रोमांस मामले में 2024 का फैसला), लेकिन अश्लीलता और बच्चों की सुरक्षा पर चिंता जताई है। अप्रैल 2025 में कोर्ट ने एक याचिका पर केंद्र, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया को नोटिस जारी किया था। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है क्योंकि भाषा सिर्फ संवाद का साधन नहीं, बल्कि संस्कृति और समाज का दर्पण है। जब भाषा में गंदगी आएगी, तो समाज में भी वह फैलेगी। युवा पीढ़ी की जुबान खराब हो रही है। अखबारों ने हिंदी को ऊंचा उठाया, टीवी ने गिराया और ओटीटी ने इसे गटर तक पहुंचा दिया। अब समय आ गया है कि सेन्सरशिप या सख्त रेगुलेशन को जरूरी माना जाए। सरकार को चाहिए कि मुख्यधारा ओटीटी पर भी प्रोफेनिटी फिल्टर, आयु-आधारित सख्त क्लासिफिकेशन और ब्लरिंग जैसे उपाय अनिवार्य करे। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन बच्चों की सुरक्षा, सांस्कृतिक गरिमा और भाषा की पवित्रता इससे ज्यादा महत्वपूर्ण है। ओटीटी ने मनोरंजन के नाम पर भाषा और संस्कृति को भारी नुकसान पहुंचाया है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूर्णेन्दु 'पुष्पेश' द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादकः Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादकः राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफः राजीव रंजन। बिहार प्रभारीः संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। • यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

पूर्व विधायक अमन पासवान और जदयू नेता हीरालाल गिरफ्तार, 16 साल पुराने मामले में कार्रवाई

भागलपुर, एजेंसी। आदर्श चुनाव आचार संहिता से जुड़े 16 साल पूर्व के केस में पीरपैंती के पूर्व भाजपा विधायक एवं तत्कालीन जिला पार्षद अमन पासवान और जदयू नेता हीरालाल पासवान को एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश ने न्यायिक हिरासत में लिया है। दोनों नेताओं को जेल भेजे जाने की दस्तावेजी कवायद शुरू कर दी गई है।

प्रथम पाली की सुनवाई में विशेष न्यायाधीश धर्मेंद्र कुमार पांडेय ने मंगलवार को आत्मसमर्पण कर जमानत की मांग करने वाले दोनों की अर्जी अस्वीकार करते हुए उन्हें न्यायिक हिरासत में ले लिया। दोनों नेताओं के विरुद्ध विशेष न्यायालय ने पूर्व की सुनवाई में लगातार अनुपस्थित रहने के कारण बंध पत्र रद करते हुए गैर जमानती वारंट जारी कर रखा था।

उनके विरुद्ध 16 साल पूर्व अंतिचक थाने में दर्ज इस केस की सुनवाई लंबित चली आ रही थी। बयान पर केस रिकॉर्ड के होने के बावजूद दोनों उपस्थित नहीं हो रहे थे।

नतीजा विशेष न्यायाधीश धर्मेंद्र कुमार पांडेय की अदालत ने 24 दिसंबर 2025 को उनका बेलबांड कैंसिल करते हुए गैर जमानती वारंट जारी कर दिया था। मंगलवार को दोनों आरोपित नेता न्यायालय में आत्मसमर्पण कर जमानत देने का अनुरोध अर्जी दी जिसे न्यायालय ने अस्वीकार कर दिया। मालूम हो कि नौ सितंबर 2010 को तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहलगांव के अंतिचक थाने में दोनों नेताओं के विरुद्ध आदर्श चुनाव आचार संहिता का केस दर्ज कराया था। दर्ज केस में जानकारी दी गई थी कैसे दोनों नेताओं ने सरकारी खंभे आदि में प्रचार पोस्टर बैनर लगा आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन किया था।

पप्पू यादव को 31 साल पुराने धोखाधड़ी मामले में मिली जमानत, मगर जेल में ही रहना होगा: पटना, एजेंसी। 31 वर्ष वाले पुराने धोखाधड़ी के मामले में पप्पू यादव को सिविल कोर्ट से जमानत मिल गई है। हालांकि, उनको अभी जेल में ही रहना होगा। बुद्धा कॉलोनी कांड संख्या 72/26 में न्यायिक हिरासत के तहत वह जेल में ही रहेंगे। इस मामले में जमानत पर सुनवाई कल होगी।

क्या है पूरा मामला?

पप्पू यादव पर धोखाधड़ी का ये मामला साल 1995 का है। यह पटना के गर्दनीबाग थाना क्षेत्र से जुड़ा है। शिकायतकर्ता का नाम विनोद बिहारी लाल है।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि पप्पू यादव और उनके सहयोगियों ने धोखे से उनका मकान किराए पर लिया और बाद में उस पर कब्जा कर लिया। इस केस में धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक धमकी और साजिश जैसे गंभीर आरोप दर्ज हैं।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में ग्रामीण घरों को मुफ्त सोलर पैनल, बिजली बिल से मिलेगी मुक्ति

नवहट्टा (सहरसा), एजेंसी। अब ग्रामीण इलाकों में कुटीर ज्योति श्रेणी के बिजली उपभोक्ताओं की छत पर 1.1 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल पूर्णतः निशुल्क (फ्री) लगाया जाएगा, जिसे उपभोक्ताओं की सहमति के उपरांत उनके आवास की छत पर स्थापित किया जाएगा।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य गरीब व वंचित परिवारों को घरेलू बिजली आवश्यकताओं में आत्मनिर्भर बनाना है और उनके बिजली खर्च में कमी लाना तथा राज्य में स्वच्छ, हरित एवं नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करना है।

नवहट्टा पावर ग्रिड के कनीय अभियंता ने बताया कि सोलर ऊर्जा के प्रयोग से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि उपभोक्ताओं को दीर्घकालिक, सुरक्षित एवं टिकाऊ ऊर्जा समाधान भी प्राप्त होगा।

योजना का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को सुविधा मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से अपनी सहमति देनी होगी। इसके लिए उपभोक्ता को अपने उपलब्ध मोबाइल नंबर से सुविधा मोबाइल एप पर पंजीकरण कराना अनिवार्य हैं। योजना की जानकारी अथवा सहायता के लिए अपने निकटतम विद्युत कार्यालय से संपर्क कर सकते है।

भारत सरकार ने 1988-89 में गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) ग्रामीण परिवारों के घरों में एकल बिंदु प्रकाश कनेक्शन पहुंचाने के लिए कुटीर ज्योति नामक कार्यक्रम शुरू किया था, ताकि ऐसे गरीब परिवारों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

कुटीर ज्योति कार्यक्रम का उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) वाले परिवारों के विद्युतीकरण को बढ़ावा देना है। इस नीति का उद्देश्य ग्रामीण बीपीएल परिवारों के घरों में एकल बिंदु प्रकाश कनेक्शन का विस्तार करना है।

इस योजना से 1.1 किलोवाट का सोलर प्लांट बिल्कुल मुफ्त लगेगा। इस योजना का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को सुविधा मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से अपनी सहमति देनी होगी।

धर्मावती नदी पर चेक डैम निर्माण शुरू, हजारों एकड़ कृषि भूमि को मिलेगा सिंचाई का लाभ

शाहपुर (आरा), एजेंसी। दियारा क्षेत्र की लाइफलाइन कही जाने वाली धर्मावती नदी पर चेक डैम निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। भूमि पूजन के साथ लघु सिंचाई विभाग द्वारा सरना गांव के समीप इस महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत की गई। करीब पांच करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस चेक डैम से क्षेत्र के किसानों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

चेक डैम के निर्माण से आसपास के कई गांवों के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और लगभग तीन से चार हजार एकड़ कृषि योग्य भूमि की सालभर सिंचाई संभव हो सकेगी। सबसे अहम बात यह है कि चेक डैम के निर्माण के बाद क्षेत्र का भूगर्भीय जलस्तर भी संतुलित बना रहेगा।

वर्तमान में वर्षा के समय नदी में भरपूर पानी रहता है, लेकिन बारिश खत्म होते ही पानी गंगा नदी में बह जाने से धर्मावती नदी गर्मियों में सूख जाती है। बचे हुए पानी में सेवार और जलकुंभी भर जाने से नदी अनुपयोगी हो जाती है। चेक डैम बनने के बाद वर्षा जल पूरी तरह से नहीं बहेगा, जिससे पानी का असर लगभग 15 किलोमीटर क्षेत्र तक पड़ेगा। नदी के दोनों किनारों के किसान पंपसेट व बिजली चालित मोटर के माध्यम से सालभर सिंचाई कर सकेंगे। साथ ही क्षेत्र में जल संकट की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी। इसके अलावा सरना गांव के समीप धर्मावती नदी पर स्थायी पुल नहीं होने के कारण हजारों लोगों को बांस-बल्ले से बने अस्थायी चाचर पुल के सहारे आवागमन करना पड़ता है, जो बाढ़ के समय बह जाता है। चेक डैम बनने से इस समस्या में भी आंशिक राहत मिलने की उम्मीद है। लघु सिंचाई विभाग के अभियंता ऋषि कुमार ने बताया कि नदी में पानी का स्तर कम होते ही चेक डैम का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर किया जाएगा। चेक डैम की लंबाई 42 मीटर, चौड़ाई 27 मीटर तथा ऊंचाई करीब 5 मीटर होगी।

कांग्रेसियों को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष-प्रभारी से नाराजगी

गयाजी, एजेंसी। गयाजी में बिहार प्रदेश कांग्रेस एक बार फिर अपने सबसे कठिन दौर से गुजरती नजर आ रही है। शीर्ष नेतृत्व के तमाम दावों के बावजूद जमीनी हकीकत यह है कि पार्टी राज्य में अपनी सबसे कमजोर स्थिति में खड़ी है। कांग्रेस के अंदर ही जिम्मेदार पदों पर बैठे कुछ चेहरों की कार्यशैली को इस बदहाली की बड़ी वजह मानी जा रही है, जो वर्षों से संगठन की दिशा तय कर रहे हैं। यह बातें खगड़िया के पूर्व विधायक छत्रपति यादव ने गयाजी के सर्किट हाउस में मीडिया के समक्ष कहीं।

खगड़िया के पूर्व विधायक ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बाद यह असंतोष और गहरा गया। चुनाव के दौरान और बाद में हुई कथित गड़बड़ियों की चर्चा आज भी आम कांग्रेसजनों के बीच होती है। कई कार्यकर्ताओं का मानना है कि अगर समय रहते संगठनात्मक सुधार किए जाते, तो हालात इतने खराब नहीं होते। लेकिन आलाकमान तक बात पहुंचाने के तमाम प्रयासों के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं होने से निराशा बढ़ती चली गई।

इसी नाराजगी और उपेक्षा के माहौल के बीच अब समर्पित कांग्रेसियों ने एकजुट होने का फैसला किया है। संगठन को नई दिशा देने और अपनी आवाज को मजबूती से शीर्ष नेतृत्व राहुल गांधी तक पहुंचाने के लिए 17 मार्च 2026 को पटना में एक महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसके लिए 7 फरवरी 2026 से प्रदेश के सभी जिलों में व्यापक जनसंपर्क अभियान की शुरुआत कर दी गई है।

बिहार के प्रभारी रहे कृष्णा वलरू और कांग्रेस के प्रदेश के अध्यक्ष राजेश राम पर आरोप: इस अभियान में एआईसीसी सदस्य नागेंद्र पासवान विकल, पूर्व युवा अध्यक्ष, पूर्व महासचिव प्रदेश कांग्रेस सहित कई वरिष्ठ नेता सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। आयोजकों का कहना है कि यह महासम्मेलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि संगठन को बचाने और कांग्रेस की खोई साख लौटाने की पहल है।

उन्होंने कहा कि पटना में आयोजित होने वाले सम्मेलन की आवाज किसी षड्यंत्र की वजह से नहीं पहुंचती है तो दिल्ली में पुराने कांग्रेसी अपनी आवाज बुलंद करेंगे। इस मौके पर पूर्व विधायक ने बिहार के प्रभारी रहे कृष्णा वलरू व कांग्रेस के प्रदेश के अध्यक्ष राजेश राम पर पैसे लेकर टिकट देने का आरोप खुलकर लगाया। कहा कि पार्टी को डुबोने में इन दो लोगों का अहम हाथ है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर इस महासम्मेलन के जरिए पार्टी के भीतर दबे असंतोष को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो आने वाले समय में बिहार कांग्रेस की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। फिलहाल सबकी निगाहें 17 मार्च पर टिकी हैं। जब पटना में जुटने वाले समर्पित कांग्रेसी यह तय करने की कोशिश करेंगे कि पार्टी की आगे की राह क्या हो।

महागठबंधन के विधायकों का सदन में हंगामा, स्पीकर ने रोका तो वॉकआउट कर गए

पटना , एजेंसी। बिहार विधान मंडल परिसर में विपक्ष के विधायकों ने नीतीश सरकार को बढ़ते अपराध के मुद्दे पर फिर से घेरने की कोशिश की। विधानसभा के अंदर और बाहर विपक्ष के विधायकों ने प्रदर्शन किया।

विधान परिषद में भी विपक्ष का प्रदर्शन

विधान परिषद की कार्यवाही शुरू होने से पहले राजद के एमएलसी प्रदर्शन करने लगे। सभी नेता सीएम नीतीश कुमार से इस्तीफा की मांग करने लगे। राजद एमएलसी अब्दुल बारी सिद्दीकी ने सोमवार को जिस तरह से उच्च सदन में सीएम नीतीश कुमार ने बर्ताव किया, उससे स्पष्ट हो गया कि वह अपने होश में नहीं है। वह अस्वस्थ हैं। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष के साथ राबड़ी देवी के साथ जैसा व्यवहार किया, वह गलत है। जनता ने सककुछ देखा। अब उन्हें कुर्सी छोड़ देनी चाहिए।

वॉकआउट: विपक्ष के हंगामा को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने मार्शल को बुलाया और उन्हें राजद विधायक गौतम कृष्ण के हाथों से पोस्टर लेने को आदेश दिया। उन्होंने कहा कि आप लोग शांति बनाए रखे। आपको शून्यकाल में अपनी बात रखने का मौका भी मिलेगा। लेकिन, विपक्ष के विधायक नहीं मानें और सदन के वॉकआउट कर बाहर निकल गए। इस पर संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी विपक्ष के साथ उलझन में हैं। वह सरकार से जो जवाब मांग रहे हैं, उसका जवाब तो सरकार दे ही रही है। लेकिन, यह लोग सदन चलने देना नहीं चाहते हैं।

विपक्ष के विधायकों ने किया

एक महीने से जलापूर्ति बंद, नगर परिषद कार्यालय का घेराव

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर के ताजपुर नगर परिषद के वार्ड-27 में पिछले एक महीने से जलापूर्ति ठप है। परेशान होकर स्थानीय महिलाओं ने नगर परिषद कार्यालय का घेराव किया। कार्यपालक पदाधिकारी जुल्फेकार अली प्यामी के कार्यालय में अनुपस्थित रहने पर महिलाओं ने नारेबाजी भी की।

महिलाओं ने बताया कि नल-जल योजना की समस्या के कारण वार्ड के लगभग 1000 परिवार प्रभावित हैं। सूचना मिलने पर भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह, राजद नेता दीपक यादव और वार्ड पार्षद अशोक राय कार्यालय पहुंचे। उन्होंने महिलाओं की समस्या सुनी और संबंधित स्टाफ के माध्यम से अधिकारियों से फोन पर बात की। अधिकारियों ने दो दिनों के भीतर सबमर्सिबल पंप को ठीक कराकर या नया लगाकर जलापूर्ति बहाल करने का आश्वासन दिया है। भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने चेतावनी दी कि यदि दो दिनों में जलापूर्ति शुरू नहीं की जाती है, तो 12 फरवरी को भाकपा माले के बैनर तले चक्का जाम आंदोलन किया जाएगा।

पानी के लिए भटकना पड़ रहा: इस मौके पर अनीता कुमारी, मीरा कुमारी, अनूपी कुमारी, भोली देवी, रीना देवी और पूनम देवी सहित कई महिलाएं मौजूद थीं। नगर परिषद अध्यक्ष अनीता देवी ने बताया कि उन्हें वार्ड 27 में जलापूर्ति ठप होने की सूचना मिली है। उन्होंने आश्वासन दिया कि अधिकारियों से बात कर सबमर्सिबल की जांच कराई जाएगी और जल्द ही जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द जलापूर्ति शुरू करने की मांग की है।

गयाजी में किशोर लापता, बिना बताए घर से निकला था

गया, एजेंसी। गयाजी शहर के चंदौती थाना क्षेत्र के कुजापी गांव से एक 15 वर्षीय किशोर रहस्यमय ढंग से लापता हो गया है। लापता किशोर की पहचान कुजापी गांव निवासी संतोष सिंह के बेटे आदर्श सिंह के रूप में हुई है। पिता ने चंदौती थाने में अपने बेटे की सकुशल बरामदगी के लिए लिखित आवेदन दिया है। संतोष सिंह ने पुलिस को बताया कि आदर्श सिंह घर पर ही था और अचानक बिना किसी को बताए निकल गया। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चल सका। पिता संतोष सिंह के अनुसार, उन्होंने अपने सभी रिश्तेदारों, परिचितों और आसपास के लोगों से संपर्क किया, लेकिन किसी ने भी आदर्श के उनके यहां आने या होने की पुष्टि नहीं की। परिजनों का कहना है कि आदर्श का किसी से कोई विवाद या दुश्मनी नहीं थी, जिससे यह मामला और अधिक रहस्यमय बन गया है।

पुलिस ने मामला दर्किया: घटना की सूचना मिलते ही चंदौती थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और लापता किशोर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के इलाकों में खोजबीन कर रही है और संभावित स्थानों पर पूछताछ भी की जा रही है। परिजनों ने प्रशासन और आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को भी आदर्श सिंह के बारे में कोई जानकारी मिले तो तुरंत चंदौती थाना या उसके परिवार को सूचित करें, ताकि किशोर को सुरक्षित घर वापस लाया जा सके।

बिहार में नशे में धुत प्रखंड प्रमुख गिरफ्तार, जांच में 87% एल्कोहल की पुष्टि.. युवाओं से मारपीट का आरोप

पूर्णिया, एजेंसी। बिहार के पूर्णिया जिले के जलालगढ़ थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. जलालगढ़ प्रखंड प्रमुख निखिल किशोर उर्फ भिखारी यादव शराब के नशे में धुत होकर कुछ युवकों से मारपीट करते दिखे. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें प्रखंड प्रमुख और कुछ लड़कों के बीच हाथापाई साफ नजर आ रही है. घटना रविवार शाम स्टेडियम के पास हुई, जहां एक युवक दौड़ने आया था और इसी दौरान नशे में प्रखंड प्रमुख ने उससे झगड़ा शुरू कर दिया.

मुखिया प्रतिनिधि ने दी पुलिस को सूचनाः जलालगढ़ के मुखिया प्रतिनिधि राजकुमार दास ने मौके पर पहुंचकर इस मारपीट को देखा और तुरंत जलालगढ़ थाना को सूचना दी. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रखंड प्रमुख निखिल किशोर और मुखिया प्रतिनिधि

राजकुमार दास दोनों को घटनास्थल से नियंत्रित किया. दोनों को उत्पाद विभाग थाना पूर्णिया ले जाया गया, जहां उनकी जांच कराई गई. मुखिया प्रतिनिधि ने बताया कि प्रखंड प्रमुख नशे की हालत में बेवजह युवकों से उलझ रहे थे.

जांच में 87% अल्कोहल की पुष्टिः उत्पाद विभाग थाना के एएसआई दयानंद सिंह ने मेडिकल जांच कराई. जांच रिपोर्ट में प्रखंड प्रमुख निखिल किशोर के शरीर में 87 प्रतिशत अल्कोहल की मात्रा पाई गई, जबकि मुखिया प्रतिनिधि राजकुमार दास का अल्कोहल स्तर 0 प्रतिशत निकला.

शराबबंदी कानून का उल्लंघनः जांच से स्पष्ट हुआ कि प्रखंड प्रमुख पूरी तरह नशे में थे. पुलिस ने इस आधार पर उन्हें शराबबंदी कानून के उल्लंघन में गिरफ्तार किया. ऐसे में जनप्रतिनिधि द्वारा बार-बार शराबबंदी का उल्लंघन सवाल खड़े कर रहा है.

जलालगढ़ थाना में दर्ज हुआ मामलाः उत्पाद विभाग थाना के एएसआई दयानंद सिंह ने कहा कि जांच के बाद जलालगढ़ थाना पुलिस ने प्रखंड प्रमुख को अपने साथ ले जाकर आगे की कार्रवाई शुरू की. उनके खिलाफ कांड संख्या 05/2026 के तहत धारा 37 (1) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि नशे में हंगामा करने के आरोप में कार्रवाई की गई है.

बिहार के इस जिले में करीब 1 लाख किसानों को लग सकता है झटका, पीएम सम्मान निधी पर लटकी तलवार

संवाद सहयोगी, सहरसा। वर्तमान समय में जिले के दो लाख 28 हजार 185 किसान प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। वहीं, जिला प्रशासन और कृषि विभाग की तमाम कोशिशों के बावजूद अबतक मात्र 1,28,659 किसानों का ही फार्मर रजिस्ट्रेशन हो सका है। शेष बचे लगभग किसानों के स्वयं के नाम पर जमाबंदी नहीं है। वे लोग पुश्तैनी जमीन पर वंशवृक्ष के आधार पर योजना का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

ऐसे में सरकार के निदेशानुसार रजिस्ट्रेशन में अवरोध उत्पन्न हो रहा है। इन कारणों से अबतक बड़ी मुश्किल से लगभग 60 प्रतिशत किसानों का निबंधन हो पाया है। इसे निर्धारित अवधि में पूरा किया जाना संभव भी नहीं है।

अगर सरकार द्वारा इस आदेश में ढील नहीं दी गई तो जिले के इन 99 हजार से अधिक किसानों को किसान सम्मान निधि के साथ- साथ अन्य कृषि योजनाओं से भी वंचित होना पड़ सकता है।

फार्मर कार्ड के लिए किसानों को ई केवाईसी तथा किसान निबंधन आवश्यक है। सरकार के घोषणानुसार इसके आधार पर भी किसानों को सम्मान निधि और अन्य

सरकारी योजना का लाभ प्राप्त होगा। ई केवाईसी तो आसानी से हो रहा है, परंतु स्वयं के नाम पर जमाबंदी नहीं रहने से किसान रजिस्ट्रेशन नहीं हो पा रहा है।

अधिकांश किसानों के पास पुश्तैनी व पूर्वजों के नाम जमीन व जमाबंदी कायम है। पूर्व के वंशज के नाम जमीन में नई पीढ़ी के लोग आपसी बंटवारा के तहत जोत आबाद कर गुजारा तो कर रहे हैं, परंतु जनसंख्या बढ़ने व सभी के नाम अलग-अलग जमाबंदी कायम नहीं के बराबर है। बंटवारा की प्रक्रिया तत्काल पूरा करना कठिन है। ऐसे में निर्धारित अवधि में किसान रजिस्ट्रेशन संभव नहीं है। अगर सरकार ने प्रावधान में तब्दीली नहीं किया, तो जिले के बड़ी संख्या में किसान सम्मान निधि व कृषि संबंधी अन्य योजनाओं से वंचित हो सकते हैं।

बीटेक ग्रेजुएट ने मुर्गी पालन से बदली तकदीर, 50 हजार का लोन लेकर किया बिजनेस, 6 लाख तक इनकम

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा के तारडीह के पुतई की रूपा कुमारी मुर्गी पालन से ग्रामीण उद्यमिता की मिसाल पेश कर रही हैं। उन्होंने न केवल अपने परिवार की आर्थिकी सुदृढ़ की है, बल्कि सफल 'लखपति दीदी' के रूप में पहचान स्थापित की हैं। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम डब्ल्यूआईटी से बीटेक की डिग्री हासिल की।

वर्ष 2017 में विवाहोपरांत मायके बहेड़ी से गांव पहुंची रूपा के सामने रोजगार और पहचान की चुनौती थी। पारंपरिक घरेलू भूमिका तक सीमित रहने के बजाय उन्होंने आत्मनिर्भर बनने का रास्ता चुना। इस क्रम में गांव के सुमन जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं, जहां समूह की बैठकों और दीदियों के अनुभवों ने उन्हें उद्यमिता की ओर प्रेरित किया।

जीविका के सहयोग से रूपा ने 50 हजार रुपये का ऋण लेकर बायलर प्रजाति की मुर्गी

के पालन की शुरुआत की। उनके पति सुधीर कुमार सिंह ने मुजफ्फरपुर स्थित प्रशिक्षण केंद्र से छह माह का मुर्गी पालन प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिससे दंपती को बेहतर समझ मिली।

वर्तमान में रूपा अपने फार्म में लगभग 2,500 बायलर मुर्गियों का पालन कर रही हैं। इस व्यवसाय से उन्हें पांच से छह लाख रुपये की वार्षिक आय हो रही है।

पशुधन प्रबंधक श्रेया शर्मा ने भी रूपा कुमारी को मुर्गी पालन से संबंधित तकनीकी जानकारी एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। श्रेया ने बताया कि वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन, समय पर टीकाकरण, संतुलित आहार एवं स्वच्छता के माध्यम से उत्पादन और आय दोनों में वृद्धि संभव है।

रूपा को दरभंगा के रानीपुर रोड स्थित डीएस एग्रावेट कंपनी से उन्हें 87 रुपये प्रति चूजा की दर से चूजे उपलब्ध कराए जाते हैं। 36 से 45 दिनों के पालन-पोषण के बाद मुर्गों का औसत वजन करीब दो किलोग्राम हो जाता है, जिसे कंपनी द्वारा वापस खरीद लिया जाता है।

साफ-सफाई, संतुलित आहार, दवा प्रबंधन और तापमान नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने के कारण उनका फार्म निरंतर बेहतर उत्पादन दे रहा है। भविष्य की योजना के बारे में रूपा ने बताया कि मुर्गी पालन की दो और यूनिट स्थापित करने की तैयारी में हैं।

नई यूनिट के बाद वे एक साथ लगभग 10 हजार मुर्गों का पालन करेंगी, जिससे उनकी आय में और वृद्धि होने की संभावना है। नई यूनिट की स्थापना के लिए उन्होंने अपने व्यवसाय से हुए लाभ और बचत की राशि को जोड़ा है। इसके साथ ही जीविका के माध्यम से व्यक्तिगत ऋण के लिए आवेदन दिया है।

साथ ही पीएमएफएमई योजना एवं मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के अंतर्गत भी आवेदन किया है, ताकि व्यवसाय का विस्तार कर आजीविका को और अधिक सशक्त व स्थायी बनाया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

सुशील कुमार बच्चा का सम्मान

लखनऊ, एजेंसी। जवाहर भवन इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ के कार्यकारी महामंत्री सुशील कुमार बच्चा का सोमवार को सम्मान हुआ। महासंघ अध्यक्ष सतीश कुमार

पांडेय ने बताया कि ललित कला अकादमी के 65वें स्थापना दिवस समारोह में सुशील कुमार को सम्मानित किया गया। अकादमी के अध्यक्ष सुनील कुमार विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष गिरीश मिश्रा व निदेशक अमित कुमार अग्निहोत्री और शरद शुक्ला, उमंग निगम, अमित शुक्ला, जलीस खान आदि ने उनको बधाई दी।

अच्छे कर्मों से प्रसन्न होते हैं भगवान

लखनऊ, एजेंसी। कल्याणपुर स्थित जाहिरपुर में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन सोमवार को भक्ति के विभिन्न रूपों का बखान हुआ। कथावाचक भुवनेश्वरी प्रसाद उपाध्याय ने सृष्टि के निर्माण का वर्णन किया। भगवान विष्णु की नाभि से निकले कमल से ब्रह्मा जी प्रकट हुए और उन्होंने सृष्टि का निर्माण किया। सच्ची

भक्ति से ही भगवान को प्राप्त किया जा सकता है। इसके लिए अच्छे मार्ग पर चलना होगा। अच्छे कर्म करने होंगे। नारद जी प्राकट्य की कथा सुनाते हुए पूर्व जन्मों के कर्मों और वैराग्य का महत्व बताया। कहा कि अच्छे कर्म से ही भगवान प्रसन्न होते हैं। यजमान सत्यप्रकाश मिश्र एवं शारदा मिश्रा ने पूजा–अर्चना कर सुख और शांति की कामना की। दुर्गेश कुमार मिश्र, ओमप्रकाश, गिरजेश, राजशेखर, सादर्श, अंकुश मिश्र आदि लोग मौजूद रहे।

संगीत साधकों के सुरों के साथ बैंड ने भरा जोश

लखनऊ, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में गोमतीनगर स्थित भागीदारी भवन में सोमवार शाम 'संगीत साधकों की गोष्ठी' सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। भारतीय संगीत परंपरा के विविध स्वरूपों को समर्पित यह आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, लखनऊ महानगर की ओर से किया गया। इस दौरान संगीत साधकों ने सुर साधे तो वहीं बैंड ने मौजूद लोगों में जोश भरा। संगीत के माध्यम से

राष्ट्र साधना, सांस्कृतिक चेतना एवं सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय शारीरिक प्रमुख जगदीश प्रसाद की मौजूदगी में भजन गायन से हुई। इस दौरान समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण भी मौजूद रहे। गोष्ठी में संगीत के विविध स्वरूपों का प्रभावशाली समागम प्रस्तुत किया गया। गायन और वादन के अंतर्गत शास्त्रीय संगीत, पाश्चात्य संगीत, भजन व कीर्तन मंडली, ऑर्केस्ट्रा पार्टी की प्रस्तुतियों के साथ ही ब्रास बैंड, मार्चिंग बैंड, स्कूल बैंड और संघ घोष की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को सांस्कृतिक रंग में रंग दिया।

विक्षोभ के खत्म होते ही प्रदेश में पड़ने लगी गर्मी

आने वाले सात दिनों के लिए जारी हुए पूर्वानुमान

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मौसम ने धीरे-धीरे करवट लेना शुरू कर दिया है। पछुआ के कमजोर पड़ने और उसकी रफ्तार धीमी होने से दिन के तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

धूप में गर्माहट साफ महसूस होने लगी है और दिन के समय ऊनी कपड़ों व जैकेट की जरूरत लगभग खत्म हो गई है।कई जगहों पर लोग ऊनी कपड़ों में असहज महसूस कर रहे हैं, जो मौसम के बदलते मिजाज का संकेत है। सोमवार की सुबह तराई इलाकों, खासकर उत्तराखंड और नेपाल से सटे जिलों में कहीं मध्यम तो कहीं घना कोहरा देखने को मिला। हालांकि, प्रदेश के अन्य हिस्सों में मौसम साफ रहा और धूप खिली रही।

मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार से पूरे प्रदेश को कोहरे से निजात मिल जाएगी। फिलहाल मंगलवार के लिए कहीं भी कोहरे की चेतावनी जारी नहीं की गई है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार फिलहाल प्रदेश में कोई सक्रिय मौसम तंत्र प्रभावी नहीं है। इसी कारण आने वाले दो-तीन दिनों में तापमान में क्रमशः वृद्धि देखने को मिल सकती है। उन्होंने अगले सात दिनों तक प्रदेश में शुष्क मौसम बने रहने की संभावना जताई है।

राजधानी में सोमवार को मौसम ने अचानक गर्माहट का एहसास कराया। पछुआ की रफ्तार धीमी पड़ते ही धूप की तल्खी बढ़ गई, जिससे दिन में धूप चुभती और परेशान करने वाली महसूस हुई। तेज धूप के कारण लोग असहज दिखे और जैकेट व ऊनी कपड़ों की जरूरत भी कम पड़ गई। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी की संभावना है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल कोई सक्रिय मौसम तंत्र नहीं है और पछुआ कमजोर है, इसलिए तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी। अगले सात दिन मौसम के शुष्क रहने के संकेत हैं। सोमवार को अधिकतम तापमान 0.6 डिग्री बढ़कर 26.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 1.1 डिग्री की गिरावट के साथ 10 डिग्री सेल्सियस रहा।

दौड़ में अभ्यर्थियों का जोश कम, लॉन्गजंप-पुशअप्स में हाई

लखनऊ, एजेंसी। अग्निवीर भर्ती रैली में शामिल होने वाले युवा पूरी जोरआजमाइश कर रहे हैं लेकिन अधिकतर दौड़ में ही बाहर हो रहे हैं। दौड़ पास कर आगे बढ़ने वालों का जोश लॉन्ग, हाईजंप व पुशअप्स में दिख रहा है। सोमवार को रैली के चौथे दिन अग्निवीर टेक्निकल श्रेणी के लिए कुल 880 अभ्यर्थियों को बुलाया गया, जिसमें 71 प्रतिशत अभ्यर्थी 625 ने हिस्सा लिया। भर्ती कार्यालय लखनऊ की ओर से छावनी स्थित एएमसी स्टेडियम में आयोजित अग्निवीर भर्ती रैली में अब तक 2534 अभ्यर्थी शामिल हो चुके हैं। रैली के लिए 13 हजार अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया गया है। इन अभ्यर्थियों ने गत वर्ष हुई लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की है। सूत्र बताते हैं कि फिजिकल टेस्ट में इस बार अभ्यर्थियों का वह जोश नजर नहीं आ रहा है, जो गत वर्ष हुई भर्ती रैलियों में दिखा। छह फरवरी को शुरू हुई भर्ती रैली के पहले दिन 370 अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया गया था, जिसमें 265 अभ्यर्थी शामिल हुए। ऐसे ही सात फरवरी को 1103 आमंत्रितों में 874 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। जबकि आठ फरवरी को 904 बुलाए गए थे, जिसमें 665 ही शामिल हुए। सूत्र बताते हैं कि अभी फिजिकल टेस्ट में सबसे पहले अभ्यर्थियों को 1600 मीटर दौड़ में दमखम दिखाना होता है लेकिन इस बार अधिकतर अभ्यर्थी इस दौड़ को ही पार नहीं कर पा रहे हैं।

ठाकुर हूं मैं वाले वीडियो पर बैंककर्मी की सफाई

कहा- सहकर्मी के पति से था विवाद, अपनी जाति पर है गर्व

कानपुर, एजेंसी। कानपुर की बैंक कर्मी का ठाकुर हूं कहते हुए सहकर्मी के पति को धमकाने का वीडियो वायरल हुआ है। मामले में महिला ने सफाई देते हुए इसे निजी विवाद बताया और अपनी जाति पर गर्व जताया है।

कानपुर में पनकी स्थित एक प्राइवेट बैंक के अंदर एक महिला कर्मचारी का किसी पर गुस्सा दिखाते हुए वायरल वीडियो सोमवार को खूब चर्चा में रहा। वीडियो में एक महिला कर्मचारी को यह कहते हुए सुना जा रहा है कि ठाकुर हूं मैं मुझसे उलझना मत। महिला कर्मी की ओर से कुछ अभद्र भाषा बोलने पर उसके सहकर्मियों ने उसे रोकना चाहा, तो वीडियो में उन्हें अनसुना करते हुए किसी ग्राहक पर जमकर गुस्सा उतारते हुए महिला दिखाई दे रही है। इस दौरान वह ग्राहक पर लैपटॉप फेंकने का प्रयास भी करती हुई दिख रही है। बैंक कर्मी का नाम आस्था सिंह बताया जा रहा है। वीडियो एक दो दिन पुराना है। इस मामले में बैंक ने इस तरह की किसी भी घटना से इंकार किया है। वहीं, अब इस मामले में बैंक कर्मी आस्था सिंह का दूसरा वीडियो सामने आया है। इसमें उन्होंने घटना को लेकर अपनी सफाई पेश की है।

आत्मसम्मान में कही थी ये बात

आस्था के मुताबिक, वायरल हो रहा वीडियो किसी बैंक ग्राहक के साथ विवाद का नहीं है। यह झगड़ा उनकी ही एक सहकर्मी के पति के साथ हुआ था। उन्होंने बताया कि यह वीडियो पुराना है और छह जनवरी का है, जिसे अब गलत संदर्भ में वायरल किया जा रहा है। अपने विवादित बयान ठाकुर हूं मैंज्पर सफाई देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी जाति पर गर्व है और उन्होंने यह बात आत्मसम्मान में कही थी।

प्रदेश में और महंगा होगा बीएड करना

आवेदन के साथ बढ़ाया जाएगा ऑनलाइन काउंसिलिंग का पंजीकरण शुल्क

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के कॉलेजों से बीएड करना और महंगा होने जा रहा है। दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए होने वाले आवेदन का शुल्क उच्च शिक्षा विभाग ने बढ़ा दिया है।

प्रदेश के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए होने वाले आवेदन का शुल्क उच्च शिक्षा विभाग ने बढ़ा दिया है। प्रवेश आवेदन शुल्क जहां 250 रुपये बढ़ाया गया है। वहीं ऑनलाइन काउंसिलिंग के लिए पंजीकरण शुल्क में भी सौ रुपये की वृद्धि की गई है। बीएड प्रवेश परीक्षा 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन सोमवार देर रात से शुरू हो गए हैं। प्रदेश के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन पिछले तीन साल से बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी की ओर से किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की ओर से भेजे गए प्रस्ताव पर उच्च शिक्षा विभाग ने बीएड प्रवेश परीक्षा 2026 के लिए आवेदन शुल्क को संशोधित करने का निर्णय लिया है।

इसके अनुसार सामान्य, ओबीसी व प्रदेश के बाहर के निवासी अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 1400 से बढ़ाकर अब 1650 रुपये कर दिया गया है। वहीं प्रदेश के एससी व एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 700 से बढ़ाकर 850 रुपये किया गया है। इस तरह सामान्य व ओबीसी के लिए 250 और एससी-एसटी के लिए आवेदन शुल्क 150 रुपये बढ़ गया है।उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव गिरिजेश त्यागी की ओर से बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलसचिव को भेजे पत्र में कहा गया है कि ऑनलाइन काउंसिलिंग के लिए पंजीकरण शुल्क भी 850 रुपये किया गया है। जो पहले 750 रुपये था। उन्होंने कहा है कि राज्य विश्वविद्यालय (संबद्ध, सहयुक्त व घटक महाविद्यालयों में शिक्षा की उपाधि के लिए शिक्षण पाठ्यक्रमों प्रवेश का विनियमन) 10वें संशोधन के प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

नौ महीने सिस्टम से लड़ा 10वीं का छात्र

लखनऊ, एजेंसी। झांसी के रहने वाले एक छात्र की मेहनत 9 माह बाद रंग लाई। यूपी बोर्ड से उसने लड़ाई जीती और बोर्ड को उसकी कॉपी दिखानी पड़ी। राज्य सूचना आयोग ने बोर्ड के रवैये पर नाराजगी जताई।

पूरा मामला...

उत्तर प्रदेश के झांसी के रहने वाले एक छात्र ने बोर्ड परीक्षा की कॉपियां देखने के लिए 9 महीने लड़ाई लड़ी। मामला राज्य सूचना आयोग तक पहुंचा और आखिर में माध्यमिक शिक्षा परिषद से मांग मनवा ली। आयोग ने परिषद को फटकार लगाई और कार्रवाई की भी चेतावनी दी।

दरअसल, झांसी निवासी शशि शेखर दुबे ने पिछले यूपी बोर्ड से हाईस्कूल की परीक्षा पास की थी। शशि को गणित में 100, हिंदी में 92, विज्ञान में 90, सामाजिक विज्ञान में 87, चित्रकला में 84 और अंग्रेजी में 73 अंक मिले थे। ऋद्ध से सभी विषयों की जांचीं कॉपियां मांगीं शशि को लगा कि गणित को छोड़कर अन्य विषयों में उम्मीद से नंबर कम हैं। लिहाजा उन्होंने माध्यमिक शिक्षा परिषद के जनसूचना अधिकारी से सूचना के अधिकार के तहत सभी विषयों की जांचीं कॉपियां मांगीं। पर, उनको सूचना नहीं दी गई। अपीलीय अधिकारी ने कहा कि अभी स्क्रूटनी की प्रक्रिया चल रही है। इसलिए सूचना नहीं दी जा सकती। तब शशि ने राज्य सूचना आयोग के सामने द्वितीय अपील की। सूचना आयुक्त मो. नदीम ने सुनवाई की। परिषद ने आयोग से कहा कि कॉपियां दिखाने का नियम अब नहीं है।

...तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी–इस पर आयोग ने अगली सुनवाई में नियम की प्रति पेश करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा, अगर प्रति नहीं पेश कर पाए तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। परिषद ने तब कार्रवाई के डर से छात्र को कॉपियां उपलब्ध करवा दीं और आयोग को सूचित किया। आयोग ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यूपी बोर्ड का रवैया मेधावी छात्र के प्रति बेहद टालमटोल वाला और असंवेदनहीन रहा।

प्रदेश में आई औद्योगिक क्रांति: केशव

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ की ओर से राजभवन मार्ग स्थित विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह में यूनियन बजट 2026-27 व्यापारी सम्मेलन हुआ। मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने व्यापारियों से आह्वान किया कि पीएम मोदी की अपील के तहत हम स्वदेशी खरीदें और बेचें। आज भारत चौथे नंबर की अर्थव्यवस्था बन चुका है। उत्तर प्रदेश में औद्योगिक क्रांति आने से बड़े स्तर पर निवेश आ रहा है।

सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में सपा की सरकार के दौरान व्यापारी पलायन कर रहे थे। पीडीए का मतलब परिवार डेवलपमेंट एजेंसी है। जब प्रतिकूल स्थिति थी तब भी व्यापारियों ने कमल के फूल का साथ दिया। 2027 में लखनऊ की सभी सीटों पर भी कमल खिलेगा और 2027 में हमें अपना ही रिकॉर्ड तोड़ना है। विशिष्ट अतिथि नोएडा विधायक प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह ने कहा कि आज भारत का सबसे हाई ग्रोथ रेट चल रहा है। 2047 का एक नया भारत होगा।

सम्मेलन के संयोजक और भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अभिषेक खरे ने उत्तर प्रदेश के उद्यमी एवं व्यापारी समाज की सुरक्षा, राहत और व्यापारिक सुगमता के लिए पांच सूत्रीय ज्ञापन डिप्टी सीएम को सौंपा। भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग, विनीत अग्रवाल शारदा प्रदेश संयोजक व्यापार प्रकोष्ठ, मनीष गुप्ता सह-संयोजक व्यापार प्रकोष्ठ,

● सवालों के जवाब देने के बजाय गुमराह करता रहा विनोद अग्रवाल

स्टॉक रजिस्टर–लैपटॉप पर साधी चुप्पी

कानपुर, एजेंसी। कोडीनयुक्त सिरप के अवैध कारोबारी विनोद अग्रवाल ने नौ घंटे की पुलिस रिमांड में सहयोग करने के बजाय अधिकारियों को गुमराह किया। इसके बाद क्राइम ब्रांच उसे दोबारा रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है।

कानपुर में कोडीनयुक्त सिरप कारोबारी विनोद अग्रवाल से सोमवार को क्राइम ब्रांच ने पुलिस रिमांड में करीब नौ घंटे तक पूछताछ की। हालांकि, आरोपी ने जांच में सहयोग करने के बजाय पुलिस को गुमराह किया। पुलिस कर्मी उससे स्टॉक रजिस्टर और लैपटॉप के बारे में पूछते रहे लेकिन उसने इन दोनों के बारे में जानकारी होने से इन्कार किया। ऐसे में अब एक बार फिर उसे रिमांड पर लेकर मामले की तह तक जाने की तैयारी है।

फीलखाना थानाक्षेत्र के पटकापुर निवासी विनोद अग्रवाल मैसर्स अग्रवाल ब्रदर्स का संचालक है। उस पर 65 से ज्यादा फर्जी फर्म बनाकर यूपी हरियाणा, दिल्ली व राजस्थान समेत 12 राज्यों में प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री करने का आरोप है। इस मामले के 12 मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक विनोद अग्रवाल को क्राइम ब्रांच व थाना कलक्टरगंज पुलिस ने 25 जनवरी को हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले से गिरफ्तार किया था।

पूछताछ के लिए 50 प्रश्नों की सूची तैयार की गई थी

उस पर 50 हजार का इनाम था। खाद्य आयुक्त की चार टीमों ने बिरहाना रोड स्थित उसकी दुकान और कोपरगंज स्थित गोदाम में छापेमारी कर करोड़ों रुपये का कोडीनयुक्त कफ सीरप और ट्रामाडोल टैबलेटस जब्त कीं थीं। जांच से पता चला कि आरोपी औषधि लाइसेंस की आड़ में एनडीपीएस श्रेणी से संबंधित दवाओं की लंबे समय से बिक्री कर रहा था। जेल से कस्टडी रिमांड पर लेने के बाद विनोद से पूछताछ के लिए 50 प्रश्नों की सूची तैयार की गई थी।

दोबारा रिमांड की तैयारी

सोमवार सुबह क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने सवाल किए, लेकिन उसने विवेचना में सहयोग नहीं किया। जब उससे बचाव में कोई साक्ष्य देने को कहा गया तो उसने कुछ भी नहीं कहा। इसके बाद उससे दवाइयों के स्टॉक रजिस्टर के बारे में पूछताछ की गई, लेकिन उसने उसके बारे में भी कुछ नहीं बताया। हालांकि उसने कहा कि उसे तीन दिन का समय दिया जाए, तो वह बचाव में कुछ दस्तावेज दे सकता है।

स्पाइसजेट की दिल्ली फ्लाइट हफ्ते में तीन दिन भरेगी उड़ान

कानपुर, एजेंसी। सहालग में यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए मंगलवार से कानपुर और दिल्ली के बीच स्पाइसजेट की फ्लाइट सेवा दोबारा शुरू हो रही है। यह फ्लाइट सप्ताह में तीन दिन उपलब्ध रहेगी, जो सुबह 8:10 बजे दिल्ली से कानपुर पहुंचेगी। कानपुर में फ्लाइट से सुबह दिल्ली जाने वालों की मंशा पूरी हो गई है। सहालग में स्पाइसजेट की फ्लाइट कानपुर से दिल्ली सप्ताह में तीन दिन उड़ान भरेगी। यात्रियों की बढ़ती भीड़ देख यह फ्लाइट मंगलवार से शुरू हो रही है। यात्री मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को इससे यात्रा कर सकते हैं। अभी तक चकेरी एयरपोर्ट से इंडिगो की चार फ्लाइट उड़ान भर रही हैं। दिल्ली और मुंबई की फ्लाइट रोजाना है जबकि बंगलूरू की फ्लाइट मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को है। हैदराबाद की फ्लाइट रविवार, सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को ही है। बीते दिनों बंगलूरू की फ्लाइट सप्ताह में पूरे दिन चल रही थी, लेकिन यात्रियों की संख्या कम देख इंडिगो ने सप्ताह में तीन दिन कर दी थी।

दिल्ली जाने का समय अभी निर्धारित नहीं– अब सहालग में यात्रियों की संख्या अधिक हो गई। इस एयरपोर्ट अथॉरिटी ने पत्र लिखा था। अब मंगलवार से दिल्ली से कानपुर स्पाइसजेट की फ्लाइट 8:10 बजे कानपुर एयरपोर्ट आएगी। हालांकि कानपुर एयरपोर्ट से दिल्ली जाने का समय अभी निर्धारित नहीं हो सका है। एयरपोर्ट अथॉरिटी के पास मेल आया था जिसे स्वीकार कर लिया गया है। मंगलवार से स्पाइसजेट की नई फ्लाइट की सुविधा कानपुर एयरपोर्ट से यात्रियों को मिलेगी। यह सुविधा सिर्फ सहालग सीजन में ही यात्रियों के लिए उपलब्ध रहेगी।

–प्रदीप यादव, एयरपोर्ट डायरेक्टर

इंडिगो से किराया भी स्पाइसजेट का होगा कम

कानपुर से दिल्ली जाने के लिए इंडिगो से स्पाइसजेट का किराया भी काम होगा। 10 फरवरी को इंडिगो की फ्लाइट का किराया 4,174 रुपये तो स्पाइसजेट की फ्लाइट का किराया 3,399 रुपये रहेगा।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

रूस में भारतीय छात्रों के शोषण के मामले बढ़े

मॉस्को। रूस की एक यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में 7 फरवरी को हुई चाकूबारी की घटना में चार भारतीय छात्र घायल हो गए। इस घटना के बाद रूस में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की सुरक्षा और परेशानियों का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। इसी बीच विदेश मंत्रालय के आंकड़ों से एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। दुनिया भर में भारतीय छात्रों की तरफ से शोषण, उत्पीड़न और नस्लीय भेदभाव को लेकर की गई शिकायतों में से आधे से ज्यादा मामले सिर्फ रूस से जुड़े हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2025 में 196 देशों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों ने ऐसी करीब 350 शिकायतें दर्ज कराईं। इनमें से 200 से ज्यादा शिकायतें रूस में पढ़ने वाले छात्रों की थीं। पिछले तीन सालों में इन शिकायतों की संख्या लगातार बढ़ी है। साल 2023 में 68 शिकायतें दर्ज हुई थीं। 2024 में यह संख्या बढ़कर 78 हो गई और 2025 में बढ़कर 201 तक पहुंच गई। रूस में पढ़ने वाले ज्यादातर भारतीय मेडिकल छात्र राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु से आते हैं। कम फीस और आसानी से एडमिशन मिलने की वजह से रूस लंबे समय से मेडिकल की पढ़ाई के लिए भारतीय छात्रों की पसंद रहा है। लेकिन अब वहां से लगातार शिकायतें सामने आने लगी हैं, जिससे छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई छात्रों का कहना है कि उन्हें दूसरे देशों के छात्रों की तरफ से अक्सर भेदभाव झेलना पड़ता है। छात्रों का आरोप है कि कई बार यूनिवर्सिटी प्रशासन भी उन्हें मानसिक रूप से परेशान करता है। छोटी-छोटी बातों पर कॉलेज से निकालने की धमकी दी जाती है।

हिमंता शूटिंग वीडियो विवाद- सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के विवादित वीडियो को लेकर CPI(M) और CPI के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। वीडियो में मुख्यमंत्री एक मुस्लिम लोगों की ओर राइफल ताने हुए दिखाई दे रहे थे। इस वीडियो के आधार पर वामपंथी नेताओं ने मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सीनियर वकील निजाम पाशा ने मंगलवार को यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत के सामने मेंशन किया। उन्होंने कहा कि असम के मौजूदा मुख्यमंत्री के भाषणों और हाल में सामने आए वीडियो को लेकर सुप्रीम कोर्ट के तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है। निजाम पाशा ने यह भी बताया कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दी गई हैं, लेकिन अब तक किसी भी शिकायत पर FIR दर्ज नहीं की गई है। जस्टिस सूर्यकांत ने यह भी कहा कि कोर्ट इस याचिका पर सुनवाई के लिए तारीख तय करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने CPI(M) और CPI नेताओं की याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। याचिका में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। दरअसल, 8 जनवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम बीजेपी X हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि ये वीडियो अल्पसंख्यकों की टार्गेटेड पॉइंट-ब्लैंक हत्या को बढ़ावा देने जैसा है। कांग्रेस का दावा है कि वीडियो डिलीट कर दिया गया है।

डबरा में कलश बांटते वक्त भगदड़...

डबरा। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के डबरा में नवग्रह मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में कलश यात्रा शुरू होने से पहले भगदड़ मच गई। इसमें 70 वर्षीय महिला रति साहू की मौत हो गई। बच्ची समेत 8 लोग घायल हो गए हैं। इनमें से एक की हालत गंभीर है। ग्वालियर रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक भगदड़ तब मची जब कलश यात्रा से पहले कलश बांटे जा रहे थे। इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने अचानक स्टेडियम का गेट खोल दिया, जिससे भीड़ बेकाबू हो गई। महिलाएं एक दूसरे पर गिर गईं। वहीं मृतक महिला की बहू ने बताया कि पुलिसकर्मियों की लापरवाही से हादसा हुआ। भीड़ को कंट्रोल नहीं किया गया। इसी वजह से सास रति साहू को भीड़ कुचलते निकल गई। घायल सास को अस्पताल लेकर गए, तो डॉक्टर्स ने लापरवाही बरती। यहां ऑक्सीजन के लिए मेरी सास 30 मिनट तक तड़पती रही। नवग्रह शक्तिपीठ प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत दोपहर 1 बजे कलश यात्रा प्रस्तावित थी। इसके लिए महिलाओं को सुबह 11 बजे स्टेडियम पहुंचने को कहा गया था, लेकिन सुबह 9 बजे से ही महिलाएं बड़ी संख्या में ग्राउंड पर जुटने लगी थीं। भीड़ लगातार बढ़ती रही, लेकिन एंट्री गेट और अंदरूनी व्यवस्था के लिए पर्याप्त नियंत्रण नहीं किया गया। दावा है कि कलश यात्रा के लिए 1000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी, लेकिन भगदड़ के वक्त लोगों को 2 पुलिसकर्मी ही बचते दिख रहे हैं।

अंडरवियर में छिपाकर लाया था 45 लाख का सोना

अहमदाबाद। कस्टम विभाग ने अहमदाबाद एयरपोर्ट पर दुबई के एक शख्स को 96 लाख रुपए के सोने के साथ पकड़ा है। इस शख्स ने अपने अंडरवियर में 45 लाख का सोना छिपा रखा था। जांच के दौरान व्यक्ति के पास से 24 कैरेट शुद्धता की दो पूरी सोने की छड़ें और एक कटी हुई छड़ भी मिली। ये छड़े उनकी अपनी जेब में रखे पर्स में छिपा रखी थीं। जब्त किए गए 325 ग्राम सोने की अनुमानित बाजार कीमत करीब 52 लाख रुपए आंकी गई है। शख्स की संदिग्ध हरकतों के आधार पर कस्टम विभाग ने इस अनोखे तरीके का पर्दाफाश किया। अधिकारियों ने सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। यह पता लगाने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी गई है कि यह सोना किसे पहुंचाना था और क्या इस मामले में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल है।

मथुरा में परिवार के 5 लोगों की लाश मिली

मथुरा। मथुरा में एक ही कमरे से एक परिवार के 5 लोगों की लाशें मिलीं। मृतकों में पति, पत्नी और 3 बच्चे शामिल हैं। कमरे में बेड पर मां, एक बेटी-बेटा मिले। दूसरी बेटी चारपाई पर पड़ी थी, जबकि पति का शव फर्श पर मिला। इस मामले में पुलिस की 2 थ्योरी सामने आई हैं। पहली- पति-पत्नी और बच्चों ने दूध में जहर मिलाकर पी लिया। दूसरी- पति ने पहले पत्नी की हत्या की, फिर बच्चों की जान ली। बाद में खुद करंट लगाकर आत्महत्या कर ली। SSP श्लोक कुमार ने बताया कि घटना का पता उस समय चला, जब सुबह बच्चे दिखाई नहीं दिए। इस पर पड़ोस में रहने वाले मनीष के भाई जयकिशन मौके पर पहुंचे। दरवाजा अंदर से बंद होने की वजह से जयकिशन मेन गेट फांदकर अंदर गए। फिर कमरे का दरवाजा तोड़ा। अंदर सभी मृत पड़े मिले। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस को 2 सुसाइड नोट और एक वीडियो मिला है। पहला रसोई की दीवार पर लिखा था। इसमें कहा गया- मैं मनीष और सीमा अपनी मर्जी से मरे हैं। पुलिस किसी को परेशान न करे। दूसरा नोट कागज पर मिला, उसमें भी यही बातें लिखी हैं। वहीं, सुसाइड से पहले का एक वीडियो भी सामने आया है।

मणिपुर के उखरुल में पांच दिन के लिए इंटरनेट बंद

एजेंसी, इंफाल

- उपद्रवियों ने 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर फूंके, जिले में कर्फ्यू लागू

मणिपुर में नई सरकार बनने के एक हफ्ते के भीतर ही हिंसा भड़क गई। उपद्रवियों ने उखरुल जिले के लितान सरेइखोंग गांव में 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर में आग लगा दी। हिंसा के बाद पूरे जिले में कर्फ्यू लागू कर दिया गया। 10 फरवरी की सुबह 11:30 बजे से अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हिंसक झड़प के बाद इलाके में सिक्योरिटी फोर्स मौजूद हैं। हिंसा की शुरुआत 7 फरवरी की शाम लितान सरेइखोंग में हुए एक शराब के नशे में झगड़े से हुई थी, जिसमें तांगखुल नागा समुदाय के स्टर्लिंग नाम के व्यक्ति के साथ मारपीट हुई थी।

लितान में आगजनी के बाद कर्फ्यू: उखरुल जिले के लितान इलाके के आसपास गांवों में उपद्रवियों ने कई घरों में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि हिंसा के दौरान राइफल से गोलियां भी चलाई गईं। इलाके में दहशत फैलने के बाद कर्फ्यू लागू किया गया। स्थिति फिलहाल तनावपूर्ण है, लेकिन भारी सुरक्षा तैनाती के चलते काफी हद तक कंट्रोल में है। तनाव बढ़ने की आशंका के बीच लोगों ने बिना किसी प्रशासनिक मदद के अपने स्तर पर ही घर छोड़ना शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि लितान थाना पुलिस ने लोगों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की और कानून-व्यवस्था बनाए रखी है। हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में बीएसएफ, सीआरपीएफ और असम राइफल्स के जवानों को तैनात किया गया है, जबकि अतिरिक्त सुरक्षा बल भी भेजे गए हैं। इंफाल से करीब 35 किलोमीटर दूर स्थित लितान एक छोटा व्यावसायिक कस्बा है, जहां तांगखुल नागा और कुकी दोनों समुदाय रहते हैं। यह आसपास के गांवों के लिए व्यापारिक केंद्र के रूप में काम करता है।

लितान थाने में जॉइंट कंट्रोल रूम बनाया गया: सुरक्षा और समन्वय के लिए लितान पुलिस स्टेशन में जॉइंट कंट्रोल रूम बनाया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर कैंप कर रहे हैं और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। पुलिस ने बताया कि पिछले 24 घंटों में पूरे राज्य में कानून-व्यवस्था सामान्य रही। संवेदनशील और सीमावर्ती इलाकों में सर्च ऑपरेशन और एरिया डॉमिनेशन जारी हैं। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में 115 नाके और चेकपोस्ट लगाए गए हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर जरूरी सामान लदे 306 वाहनों को सुरक्षा काफिले के साथ सुरक्षित पहुंचाया गया।

रूस बोला- भारत पर हमसे तेल नहीं खरीदने का दबाव

- अमेरिका एनर्जी सप्लाई पर कंट्रोल चाहता है, ताकि दुनिया के देश उनसे महंगी गैस खरीदें

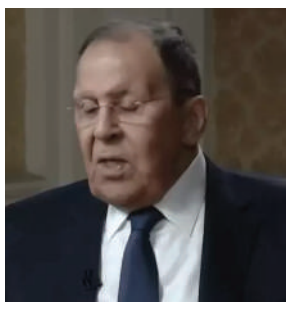

एजेंसी, मॉस्को

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि वह भारत जैसे देशों पर दबाव बना रहा है ताकि वे रूस से सस्ता तेल न खरीदें। लावरोव ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि दुनिया की ऊर्जा सप्लाई उसके कंट्रोल में रहे और देश मजबूर होकर महंगी अमेरिकी गैस खरीदें। उन्होंने यह बातें 9 फरवरी को डिप्लोमैटिक वर्कर्स डे के मौके पर कहीं। लावरोव ने कहा कि अमेरिका ने डॉलर को हथियार की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। रूस की विदेश में रखी संपत्तियों को फ्रीज कर दिया गया है और रूस के खिलाफ लगातार पाबंदियां लगाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ट्रम्प सरकार यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात तो करती है, लेकिन जो प्रतिबंध पहले लगाए गए थे, वे अब भी जारी हैं। रूस के मुताबिक, यूक्रेन पर सहमति बनने के बाद भी अमेरिका नए प्रतिबंध लगाता रहा।

भारत समेत BRICS देशों पर रूस से दूरी बनाने का दबाव: रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका भारत और दूसरे BRICS देशों पर दबाव डाल रहा है कि वे रूस से दूरी बनाएं। रूस की तेल कंपनियों लुकोइल और रोसनेफ्ट पर रोक लगाई गई है और रूस के व्यापार और निवेश को सीमित करने की कोशिश हो रही है। ये सब गलत और अनुचित तरीके हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया अब तेजी से बदल रही है। पहले अमेरिका पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और पैसों के सिस्टम पर हावी था और डॉलर के जरिए अपनी ताकत दिखाता था, लेकिन अब उसकी पकड़ कमजोर हो रही है। वहीं चीन, भारत और ब्राजील जैसे देश तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अफ्रीका के देश भी अब सिर्फ कच्चा माल बेचने के बजाय अपने यहां इंडस्ट्री लगाना चाहते हैं।

योगी बोले- बाबरी ढांचा कयामत के दिन तक नहीं बनेगा

- जो कानून तोड़ेगा उसे जहन्नुम मिलेगा, कायदे से रहना सीख लो

एजेंसी, बाराबंकी

कयामत की रात कभी नहीं आएगी, इसलिए बाबरी मस्जिद का पुनर्निर्माण कभी संभव नहीं है। जो लोग कयामत के दिन का सपना देख रहे हैं, वे ऐसे ही सड़-गल जाएंगे। ऐसे लोगों से कहना चाहेंगे कि कयामत के दिन के लिए मत जियो। हिंदुस्तान में कायदे से रहना सीखो, क्योंकि कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे। जो कानून तोड़ेगा, वो सीधे जहन्नुम में जाएगा। यह बात सीएम योगी ने मंगलवार को बाराबंकी में कही। उन्होंने कहा- ये डबल इंजन की सरकार है। हम लोगों ने कहा था ना, रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। बन गया न मंदिर। कोई संदेह है। राम को भूल जाते हैं, इसलिए भगवान राम भी उनको भूल चुके हैं। अब उनकी नैया कभी पार नहीं होगी। उन्हें कभी आगे नहीं बढ़ना। रामद्रोहियों के लिए अब कोई जगह नहीं। जो रामभक्तों पर गोली चला रहे थे, अब इन लोगों के लिए कोई जगह नहीं। राम सबके हैं, इसमें भेद नहीं। कुछ अवसरवादी राम को भूल जाते हैं।

2017 से पहले कोई सुरक्षित नहीं था: योगी बाराबंकी में श्री हनुमत विराट महायज्ञ एवं श्रीरामार्चा पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। यज्ञ मंडप में आहुति दी। इस दौरान संत बलराम दास ने मखाने और लावा की माला पहनाकर योगी का स्वागत किया। इसके बाद योगी ने कहा- हम सब भारतीय एक भारत श्रेष्ठ भारत का निर्माण करें। 2017 से पहले कोई सुरक्षित नहीं था।

शबाना महमूद ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री बन सकती हैं, कश्मीर मूल की हैं

- एपस्टीन फाइल्स विवाद से पीएम स्टार्मर की कुर्सी खतरे में

एजेंसी, लंदन

मैकस्वीनी पर आरोप है कि उन्होंने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन का समर्थन करने वाले पीटर मंडेलसन को अमेरिका में ब्रिटेन का राजदूत बनाकर भेजा था। मैकस्वीनी ने भी माना है कि यह नियुक्ति गलत थी।

स्टार्मर को चुनौती देने के लिए 20% सदस्यों का समर्थन जरूरी: लेबर पार्टी के नियमों के अनुसार, अगर कोई कीर स्टार्मर के खिलाफ चुनौती देना चाहता है, तो इसके लिए कुछ सख्त शर्तें पूरी करनी पड़ती हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है कि चुनौती देने वाले उम्मीदवार को पार्टी के संसदीय सदस्यों से कम से कम 20% का समर्थन हासिल करना जरूरी है। यह नियम 2021 में पार्टी कॉन्फ्रेंस में बदलाव के बाद लागू हुआ था। पहले यह सीमा सिर्फ 10% थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 20% कर दिया गया है ताकि कोई भी आसानी से लीडरशिप चुनौती न दे सके और पार्टी में स्थिरता बनी रहे। अभी लेबर पार्टी के कुल सांसदों की संख्या लगभग 404-405 के आसपास है, इसलिए किसी भी चुनौती को आगे बढ़ाने के लिए कम से कम 81 लेबर सांसदों का लिखित समर्थन जुटाना पड़ता है। इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच होम मिनिल्टर शबाना महमूद को उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जा रहा है। 45 साल की शबाना महमूद पहले न्याय मंत्री और लॉर्ड चांसलर रह चुकी हैं।

शबाना महमूद ब्रिटेन की पहली महिला मुस्लिम सांसदों में शामिल: बर्मिंघम में पाकिस्तानी माता-पिता के यहां जन्मी शबाना महमूद ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की है। वह पेशे से बैरिस्टर हैं। 2010 में रुशानारा अली और यास्मिन कुरैशी के साथ वह ब्रिटेन की पहली महिला मुस्लिम सांसदों में शामिल हुईं। लेबर पार्टी में वे कीर स्टार्मर की करीबी सहयोगी मानी जाती हैं और पार्टी के दक्षिणपंथी (राइट-विंग) गुट से जुड़ी हैं। वे इमिग्रेशन (प्रवासन) नीतियों पर काफी सख्त रवैया रखती हैं और कहती हैं कि ब्रिटेन में रहना एक विशेषाधिकार है। 2010 में संसद पहुंचने के कुछ ही महीनों बाद उन्हें पार्टी की अहम जिम्मेदारी दे दी गई थी। बाद में वह लेबर पार्टी की राष्ट्रीय चुनाव अभियान की जिम्मेदार बनीं और पार्टी की चुनावी रणनीति में उनकी बड़ी भूमिका रही।

मैकस्वीनी के बाद स्टार्मर पर पद छोड़ने का दबाव: मैकस्वीनी को स्टार्मर का सबसे मजबूत सहारा माना जाता था। उन्हें प्रधानमंत्री का 'दिमाग' कहा जाता है और सत्ता तक पहुंचाने में उनकी बड़ी भूमिका रही। उनके जाने के बाद लेबर पार्टी के सांसद पूछ रहे हैं कि अब स्टार्मर कितने दिन टिक पाएंगे। पार्टी के वामपंथी धड़े ने सीधे प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग कर दी है। सांसद ब्रायन लीशमैन ने कहा कि पार्टी की दिशा बदलनी है और इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री से होनी चाहिए। सांसद किम जॉनसन ने माना कि स्टार्मर के लिए हालात संभालना मुश्किल हो गया है।

लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश, 118 सांसदों के दस्तखत

- 2 बार स्थगन के बाद लोकसभा में बजट पर चर्चा शुरू

एजेंसी, नई दिल्ली

विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश कर दिया। इसमें 118 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। बजट सत्र के 10वें दिन मंगलवार को लोकसभा में प्रश्नकाल में कार्यवाही नहीं हो सकी। 11 बजे सदन शुरू होते ही विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। महज 1 मिनट बाद चेयर पर मौजूद पीसी मोहन 12 बजे तक के लिए सदन स्थगित कर दिया। दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। इस बीच भी विपक्ष का हंगामा जारी रहा। सांसद वी वॉन्ट जस्टिस के नारे लगाते रहे। इसके बाद सदन 2 बजे तक स्थगित कर दिया गया। हंगामे के बीच संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्षी सांसदों से हाथ जोड़कर कहा कि बजट पर चर्चा होने दें। इससे हम सबका नुकसान हो रहा है। आप रोज आकर हंगामा करते हैं। ऐसे में काम नहीं हो पा रहा। दोपहर 2 बजे कार्यवाही शुरू हुई। स्पीकर की चेयर पर ओम बिरला की जगह केपी तेनेट्टी आए। उन्होंने विपक्ष से शशि थरूर को आम बजट पर चर्चा शुरू करने के लिए कहा। इससे पहले लोकसभा के बाहर बुक कॉन्ट्रोवर्सी पर राहुल गांधी ने कहा कि या तो पूर्व आर्मी चीफ जनरल नरवणे झूठ बोल रहे हैं या फिर पेंगुइन। राहुल ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि नरवणे झूठ नहीं बोलेंगे।'

पेंगुइन का दावा- नरवणे की किताब पब्लिश नहीं हुई, इसका कोई हिस्सा सार्वजनिक नहीं किया

- राहुल बोले- कंपनी झूठ बोल रही या नरवणे

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी (Four Stars of Destiny)' पर पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने कहा कि किताब अभी तक प्रकाशित नहीं हुई। इसका कोई हिस्सा सार्वजनिक नहीं किया गया। कंपनी ने कहा कि पब्लिशिंग के सभी राइट्स हमारे पास हैं। अब तक किताब की न तो कोई छपी हुई कॉपी आई है और न ही डिजिटल कॉपी सामने आई है। इसके जवाब में राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा- या तो नरवणे झूठ बोल रहे हैं, या पेंगुइन कंपनी। दरअसल, कंपनी की सफाई इसलिए आई क्योंकि किताब की अनऑथराइज्ड कॉपियों के लीक और ऑनलाइन सर्कुलेशन का दावा सामने आया था। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने FIR भी दर्ज की है। यह कार्रवाई अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन न्यूज फोरम पर मिली जानकारी के आधार पर की गई, जिसमें दावा किया गया था कि किताब की प्री-प्रिंट कॉपी सर्कुलेट हो रही है।

राहुल बोले- कंपनी या आर्मी चीफ झूठ बोल रहे: राहुल गांधी ने मंगलवार को लोकसभा के बाहर कहा- एमएम नरवणे ने X पर पोस्ट किया है, 'हेलो दोस्तों, मेरी किताब अब अवेलेबल है। लिंक फॉलो करें। हैप्पी रीडिंग'। या तो एमएम नरवणे झूठ बोल रहे हैं, या पेंगुइन झूठ बोल रहा है। मैंने आर्मी चीफ पर विश्वास करना चुना। उन्होंने आगे कहा कि क्या आप एमएम नरवणे के बजाय पेंगुइन पर विश्वास करेंगे? किताब में कुछ ऐसी बातें हैं जो सरकार के लिए असुविधाजनक हैं।

कांग्रेस का दावा- कंपनी ने दबाव में पोस्ट डिलीट किया: कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने X पर लिखा कि पेंगुइन इंडिया ने अपना ट्वीट डिलीट कर दिया है, जाहिर है वे भारी दबाव में हैं। पेंगुइन ने जो उचित समझा वो किय, लेकिन चीफ अभी भी सच्चाई के साथ खड़े हैं।

जयपुर में लापता हुए जापानी टूरिस्ट टोकियो पहुंचे, दिल्ली से टैक्सी में आए थे

- बैग छोड़कर मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट में गए, इसके बाद गायब हो गए

एजेंसी, जयपुर

जयपुर से लापता दोनों जापानी टूरिस्ट का पता चल गया है। दोनों 8 फरवरी को दिल्ली एयरपोर्ट से टोकियो (जापान) चले गए। इससे पहले जयपुर में दोनों पर्यटक 7 फरवरी को टैक्सी ड्राइवर को खाना खाने की कहकर मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट गए थे। बैग टैक्सी में ही थे। टूरिस्ट को दिल्ली से जयपुर घुमाने लाए टैक्सी ड्राइवर ने अशोक नगर पुलिस स्टेशन में दोनों के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। जानकारी के अनुसार दोनों तीन दिन पहले ही इंडिया आए थे। SHO अशोक नगर मोतीलाल शर्मा ने बताया कि लापता हुए दोनों जापानी पर्यटक मिल गए हैं। जयपुर में लापता होने के बाद जापान के दूतावास से संपर्क किया गया। वहां के दूतावास से जानकारी आई कि दोनों टूरिस्ट वीजा पर भारत गए थे, वे 8 फरवरी को दिल्ली एयरपोर्ट से टोकियो पहुंच गए। एसएचओ मोतीलाल शर्मा जानकारी दी कि टैक्सी ड्राइवर पिकेंद्र कुमार ने बताया- 6 फरवरी को दोनों जापानी पर्यटक (हिबिक्की शिब्बा और युमा) टूरिस्ट वीजा पर दिल्ली आए थे।

तरनतारन मर्डर, मां बोली- बेटी ने पिता की इज्जत रखी

- प्रपोज डे पर भी प्रपोजल ठुकराया तो गोली मारी, पहले भी धमकाता था, हमने बचपना समझा

एजेंसी, तरनतारन

पंजाब के तरनतारन के लॉ कॉलेज में छात्रा संदीप कौर के सिर में गोली मारकर हत्या करने के मामले में उसकी मां ने कुछ नए खुलासे किए हैं। मां हरजिंदर कौर का कहना है कि आरोपी युवक प्रिंसराज सिंह लंबे समय से बेटी को परेशान कर रहा था। संदीप की सहेली भी उसे बार-बार फोन करती थी। मां ने कहा- वेलेंटाइन वीक में 8 फरवरी को प्रपोज डे पर प्रिंस ने संदीप को प्रपोज किया था, लेकिन संदीप ने इनकार कर दिया। मेरी बेटी अपने पिता की इज्जत और मान-सम्मान बनाए रखना चाहती थी। इसके बाद अगले दिन संदीप की सहेली इन दोनों के बीच सुलह कराने की कोशिश कर रही थी। अंतिम समय में वह संदीप और प्रिंस के साथ क्लासरूम में ही थी। जब संदीप ने वहां भी बात नहीं मानी तो प्रिंस ने उसी समय संदीप के सिर में गोली मारी। फिर खुद भी गोली मार ली। पुलिस जांच में ये भी पता चला है कि आरोपी ने पहले भी संदीप को गोली मारने की धमकी दी थी। परिवार को भी इसका पता था लेकिन उन्होंने इसे आरोपी का बचपना समझा और पुलिस को शिकायत नहीं की। अगर ऐसा होता तो शायद संदीप आज जिंदा हो सकती थी। संदीप की क्लासमेट्स ने बताया कि प्रिंस उसके लिए सनकी हो चुका था। वह अक्सर क्लासरूम में कहता था कि वह संदीप कौर की शादी किसी और से नहीं होने देगा। खास तौर पर सगाई के बाद वह ज्यादा गुस्से में ये बात कहता रहता था। बता दें कि सोमवार सुबह लॉ कॉलेज में छात्रा संदीप कौर को क्लासरूम में उसके क्लासमेट प्रिंसराज ने गोली मारी। इसके तुरंत बाद ही खुद की कनपटी पर पिस्टल रखकर गोली चला दी। इस घटना का CCTV फुटेज भी सामने आया। कल (9 फरवरी) को पुलिस की शुरुआती जांच और मौके के हालात के बाद आरोपी लड़के की भी मौत हो जाने की बात कही गई थी। हालांकि जब उसे अस्पताल ले जाया गया तो डॉक्टरों ने जांच के बाद कहा कि उसकी सांसें चल रही हैं। उसके बाद अमृतसर के गुरुनानक अस्पताल में ICU में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों का कहना है कि अगर गोली उसके ब्रेन में लगी हो तो बचना मुश्किल है लेकिन अगर छूकर निकली तो जान बच सकती है। उसके सिर की एक्सरे और CT स्कैन कराया गया है। उनकी डिटेल्ड रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

आईसीसी ने इस बार टी20 विश्वकप के लिए अच्छी पिचें बनायीं : अश्विन

गेंद और बल्ले में टक्कर से रोमांच बढ़ा

एजेंसी, चेन्नई

दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसने टी20 विश्वकप के लिए अच्छी पिचें बनायी है। अश्विन के अनुसार इससे मुकाबले रोमांचक हो रहे है क्योंकि पिच से बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों को भी सहायता मिल रही है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट की शुरुआत में हर कोई सोच रहा था कि विश्वकप में बड़े स्कोर बनेंगे पर अभी तक हुए मैचों में ये बात गलत साबित हुई है। ये खुशी की बात है कि आईसीसी ने ऐसी पिचें तैयार की हैं जहां बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी टक्कर हो रही है। इससे खेल का स्तर बढ़ा है। अश्विन ने कहा कि टेस्ट खेलने वाले देश आईपीएल और द्विपक्षीय सीरीज की तरह ही ऐसी पिचों की उम्मीद करते हैं जिसपर आसनी से रन आयें। इस बार ऐसी टीमों को हैरानी हुई है। वानखेड़े स्टेडियम को ही लें भारतीय टीम को वहां सपाट पिच की उम्मीद थी पर जो पिच मिली वह काफी अलग रही। इससे टीम के लिए रन बनाना आसान नहीं रहा। अश्विन का मानना है कि पिच की इस प्रकृति ने टीमों को हैरान कर दिया है। उन्हें वह गति और उछाल नहीं मिल रहा है जिसकी उन्होंने भविष्यवाणी की थी। इसकी वजह से खेल और भी चुनौतीपूर्ण हो गया है। उन्होंन कहा कि जब मैच में बल्ले और गेंद के बीच सही संतुलन होता है, तो टी20 क्रिकेट का मजा और बढ़ जाता है। ये देखा गया है कि 140, 150 या 160 के आसपास के स्कोर वाले मैचों में रोमांच अधिक होता है क्योंकि ऐसे हालातों में छोटी टीमों के पास भी बड़ी टीमों को हराने का अवसर होता है। वहीं यदि हर मैच में केवल बड़े स्कोर ही बनेंगे, तो गेंदबाजों के लिए कुछ नहीं रहेगा और मुकाबले एकतरफा हो जाएंगे। इसलिए, इस बार की पिचों को वह अच्छा कह रहे हैं। इनपर बल्लेबाज और गेंदबाज के पास समान अवसर हैं। ऐसे में वही टीम बेहतर कर पायेगी जो पिच को समझ सकेगी।

एशियन चैंपियनशिपः सोफिया शुल्झेंको का वर्ल्ड रिकॉर्ड, भारत के खाते में दो और स्वर्ण

एजेंसी, नई दिल्ली

कज़ाख़स्तान की निशानेबाज़ सोफिया शुल्झेंको ने 50 मीटर राइफल थ्री पोज़िशन (3पी) महिला वर्ग में नया विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए मंगलवार को एशियन राइफल-पिस्टल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता के सातवें दिन भारत ने डॉ. नई दिल्ली के कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में दो और स्वर्ण पदक जीतकर अपनी बढ़त को और मज़बूत किया। सोफिया ने 35 शॉट के फ़ाइनल में 358.2 का स्कोर करते हुए स्वर्ण पदक जीता और भारत की आकृति दहिया से चार अंकों की बढ़त बनाई, जिन्हें रजत पदक मिला। आकृति की सीनियर साथी और विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अंजुम मौदगिल ने 340.4 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। सोफिया के इस शानदार प्रदर्शन ने उन्हें एक साथ चार विश्व रिकॉर्ड, विश्व जूनियर रिकॉर्ड, एशियन रिकॉर्ड और एशियन जूनियर रिकॉर्ड दिलाए। जूनियर महिला 3पी फ़ाइनल में भारत की प्राची गायकवाड़ ने 353.3 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। कज़ाख़स्तान की 14 वर्षीय टॉमिरिस अमानोवा ने 351.4 के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि भारत की अनुष्का ठाकुर ने 341.1 के स्कोर के साथ (34वें शॉट के बाद) कांस्य पदक अपने नाम किया। प्राची, अनुष्का और हेज़ल की तिकड़ी ने टीम स्पर्धा में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 1748 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जो टीम कज़ाख़स्तान से सात अंक अधिक था। सीनियर महिला 3P टीम स्पर्धा में कज़ाख़स्तान ने 1760 के संयुक्त स्कोर के साथ भारत को चार अंकों से पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। पेरिस ओलंपियन और पिछले वर्ष ब्यूनस आयर्स वर्ल्ड कप की कांस्य पदक विजेता एरिना मालिनोव्स्काया ने महिला 3पी क्वालिफिकेशन में 588 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। अंजुम मौदगिल ने 587 के साथ दूसरा स्थान पाया, जबकि आशी चौकसे 586 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहीं। आकृति दहिया ने 583 के साथ छठा स्थान हासिल किया, जबकि विजेता सोफिया शुल्झेंको ने 587 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान पाया। फ़ाइनल में पहले नी-लिंग राउंड के बाद तीनों भारतीय निशानेबाज़ शीर्ष पर थीं और आकृति दहिया बढ़त में थीं। हालांकि, प्रोन पोज़िशन में शानदार प्रदर्शन करते हुए सोफिया दूसरे स्थान पर पहुंचीं। इसके बाद स्टैंडिंग पोज़िशन की दोनों पांच-शॉट सीरीज़ में 50 से अधिक अंक हासिल करने वाली वह एकमात्र शूटर रहीं और निर्णायक बढ़त बनाते हुए स्वर्ण पदक सुनिश्चित किया। दिन के अन्य मुकाबलों में भारत के आदर्श सिंह ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फ़ायर पिस्टल स्पर्धा के पहले प्रिसिजन राउंड के बाद 291/300 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। पसंदीदा निशानेबाज़ अनीश भानवाला ने 287 का स्कोर किया और फ़ाइनल की दौड़ में बने हुए हैं, जबकि नीरज कुमार ने 277 का स्कोर किया और उन्हें बुधवार (11 फ़रवरी) को होने वाले दूसरे रैपिड फ़ायर राउंड में बेहतर प्रदर्शन की ज़रूरत होगी। भारत की पदक तालिका में अब 39 स्वर्ण, 15 रजत और 12 कांस्य पदक हो चुके हैं और टीम इंडिया मज़बूती से शीर्ष स्थान पर बनी हुई है।

सूर्यकुमार ने कप्तान के तौर पर अपने को साबित किया : गंभीर

» कोच के तौर पर मेरा काम आसान हुआ

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मेरा काम आसान कर देते हैं। गंभीर ने कहा कि टी20 प्रारुप में कप्तान बनाये जाने के बाद से ही सूर्या ने अपनी जिम्मेदारी काफी अच्छे से निभाई है। वह हर प्रकार से सफल रहे है। दबाव के बीच भी उनकी नेतृत्व क्षमता को सभी ने देखा है। एक वीडियो में गंभीर ने कहा कि टीम में सूर्यकुमार जैसे आक्रामक बल्लेबाज से भारतीय टीम को काफी लाभ होता है। टीम के लिए ये खुशी की बात है कि उसे ऐसा कप्तान और बल्लेबाज मिला है जो संयमित रहते हुए सभी का सही उपयोग करता है। इससे कोच के तौर पर मेरा काम भी आसान हो गया है। गंभीर ने कहा, 'सूर्यकुमार ने इस प्रारूप में मेरा काम कर कर दिया है। वह लोगों के लिए एक बेहतरीन कप्तान हैं, यह केवल नहीं कि वह मैदान पर क्या करते हैं, या बल्लेबाज के रूप में कैसे हैं, या उनके शॉट्स इस प्रारूप में किस प्रकार के हैं।' कोच के तौर पर दिमाग में कई बातें चल रही होती हैं पर सूर्यकुमार माहौल को शांत बनाए रखते है, जो हर कोच चाहता है।' सूर्यकुमार ने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ पारी को संभालकर टीम को जीत दिलायी। उन्होंने एक छोर से विकेटों के गिरने के बची भी 49 गेंदों में नाबाद 84 रन बनाकर टीम को मैच में बनाये रखा। गंभीर ने कहा, 'मेरे लिए खिलाड़ी सूर्यकुमार को अलग रखा जा सकता है पर कप्तान सूर्यकुमार के तौर पर वह हर परीक्षा खरे उतरे हैं। इससे मुझे भी काफी आराम मिल गया है क्यों मेरा काफी काम वहीं कर देते हैं। वह वास्तव में एक शानदार नेतृत्वकर्ता हैं।' यह सौभाग्य की बात है कि देश का नेतृत्व उनके जैसे खिलाड़ी के हाथ में है, क्योंकि उनका दिल सही जगह पर है और दबाव में वह सही फैसला लेते हैं।' गौरतलब है कि रोहित शर्मा के टी20 से संन्यास के बाद गंभीर ने ही सूर्या को कप्तानी देने की मांग की थी।

यूएफा महिला चैंपियंस लीग खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर हैं मनीषा

एजेंसी, लीमा

भारतीय महिला फुटबॉलर मनीषा कल्याण मनीषा यूएफा महिला चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर हैं। इसके बाद से ही उन्हें विदेशी लीग से प्रस्ताव मिलने शुरु हुए। अब मनीषा पेरु के क्लब एलियांजा लीमा से खेलती हुई नजर आयेंगी। मिडफील्डर मनीषा ने हाल ही में इस क्लब से करार किया है। मनीषा के अनुसार इससे उन्हें काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। मनीष के अनुसार वह इस टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा, ''मैं इस क्लब में आकर बहुत खुश हूं। मुझे उनका खेलने का अंदाज काफी अच्छा लगता है।मैं अब इस नई चुनौती को लेकर बेहद उत्साहित हूं। वहीं क्लब एलियांजा ने कहा, ''मनीषा के साथ करार से हमें खुशी हुई है। उनके आने से हैं टीम को मजबूत मिलेगी। उन्होंने यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर खेला है जिसका लाभ क्लब को

मिलेगा। ''साथ ही कहा , ''कल्याण ने क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उनके पेशेवर करियर में भारत, साइप्रस और यूनान की लीग में खेलने का अनुभव शामिल है। ''वहीं मनीषा ने कहा कि उसका प्रयास क्लब के लिए बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उनका घ्यान अपना सौ फीसदी देने पर रहेगा।

बीसीसीआई ने नये केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा की, विराट ओर रोहित का हुआ डिमोशन

» शमी सहित पांच खिलाड़ी हुए बाहर, साई सुदर्शन शामिल

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नये केन्द्रीय अनुबंध में कई बदलाव हुए हैं। बीसीसीआई ने साल 2025-26 सत्र के लिए नया केन्द्रीय अनुबंध जारी कर दिया है। इसमें अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली का डिमोशन हुआ है। वहीं ईशान किशन और मोहम्मद शमी सहित पांच खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया है। बोर्ड ने इस बार ए प्लस कैटेगरी को भी हटा दिया है। अब ए कैटेगरी में ही टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के साथ जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को रखा गया है। वहीं नए केन्द्रीय अनुबंध में कुल 5 खिलाड़ियों मोहम्मद शमी, रजत पाटीदार, सरफराज खान, मुकेश कुमार और ईशान किशन को बाहर कर दिया गया है जबकि एक ही नये खिलाड़ी साई सुदर्शन को इसमें जगह मिली है। इस बार 34 की जगह 30 खिलाड़ियों को ही अनुबंध दिया गया है। शमी को बाहर किए जाने से तय है कि अब उनका करियर समाप्त हो रहा है और वह टीम योजनाओं में शामिल नहीं हैं। वहीं ईशान, मुकेश और सरफराज को एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलने के कारण बाहर कर दिया गया। ईशान को टी20 प्रारुप में जगह मिली है पर

उनकी वापसी नये सत्र में हुई है। यह वापसी नए साइकिल में हुई है। वहीं सीनियर पुरुष अनुबंध सूची में नये खिलाड़ी के तौर पर केवल सुदर्शन को जगह मिली है। बोर्ड ने अभी तक रिटेनरशिप की राशि की जानकारी नहीं दी है। ए प्लस ग्रुप इस बार समाप्त कर दिया गया है इसमें 7 करोड़ मिलते थे जबकि ए में 5 करोड़, बी में 3 करोड़ और सी में एक करोड़ मिलते थे। अब देखना है कि इस बार इसमें कितनी रकम मिलती है।

बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध

ग्रेड ए-शुभमन गिल,जसप्रीत बुमरा,रवींद्र जड़ेजा।

ग्रेड बी - विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, यशस्वी जयसवाल, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर।

ग्रेड सी - अक्षर पटेल, रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, नितीश कुमार रेड्डी, अभिषेक शर्मा, साई सुदर्शन, रवि बिश्नोई।

संक्षिप्त

अर्शदीप के पास टी20 विश्व कप में शीर्ष दस गेंदबाजों में जगह बनाने का अवसर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप के पास इस बार विश्वकप में शीर्ष दस गेंदबाजों में आने का अवसर है। आज तक हुए विश्वकप मुकाबलों में भारतीय का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है पर इसके बाद भी शीर्ष 10 में एक भी भारतीय गेंदबाज नहीं है। टी20 विश्व कप में अब तक भारत के सबसे सफल गेंदबाज आर अश्विन रहे हैं। अश्विन ने 24 मैचों में 32 विकेट लिए हैं और वह 13वें स्थान पर हैं। वहीं विश्व कप के 15 मैचों में अर्शदीप के नाम 29 विकेट हैं और वह 19 वें स्थान पर है। अर्शदीप के पास इसबार ज्यादा से ज्यादा विकेट लेकर अश्विन को पीछे छोडने के साथ ही शीर्ष भारतीय गेंदबाज बनने का अवसर है। शीर्ष पांच गेंदबाजों में एशियाई गेंदबाज छाये हुए हैं पर इसमें एक भी भारत का नहीं है। पहले स्थान पर बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन हैं। शाकिब ने 43 मैचों में 50 विकेट लिए हैं। वहीं श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा ने 20 मैचों में 40 विकेट लिए हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं। वहीं पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी के 34 मैचों में 39 विकेट हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं। चौथे स्थान पर अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान हैं। राशिद ने अब तक खेले 24 मैचों में 38 विकेट लिए हैं। पांचवें नंबर पर श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा हैं। मलिंगा ने 31 मैचों में 38 विकेट लिए हैं। ऑस्ट्रेलियाई एडम जांपा भी 21 मैचों में 36 विकेट लेकर छठे स्थान पर हैं और उनके पास भी शीर्ष स्थान पर जाने का मौका है। पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर सईद अजमल सातवें स्थान पर हैं। अजमल के नाम 2009 से 2014 के बीच 23 मैचों में 36 विकेट हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व गेंदबाज टिम साउदी आठवें स्थान पर हैं। साउदी ने 2010 से 2024 के बीच 25 मैचों में 36 विकेट लिए हैं।

बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर की विजेता की घोषणा 16 फरवरी को

एजेंसी, नई दिल्ली

रास्ते अलग-अलग रहे हैं, लेकिन भारतीय खेलों पर इनका प्रभाव समान रूप से गहरा और निर्णायक है। अंजू बॉबी जॉर्ज और दीपा मलिक आज भारतीय महिला खेल की उस सोच को आकार दे रही हैं, जो पहुंच, विश्वास और समावेशन पर आधारित है। बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर की विजेता की घोषणा 16 फरवरी को की जाएगी। ग्रैंड जूरी सदस्य के रूप में अंजू बॉबी जॉर्ज और दीपा मलिक इसी दृष्टिकोण को पुरस्कार प्रक्रिया में लेकर आती हैं। अंजू बॉबी जॉर्ज के लिए यह सफर केरल के एक छोटे से कस्बे से शुरू हुआ, जब उस दौर में जब लड़कियों के लिए खेल को प्रोत्साहन मिलना दुर्लभ था। तमाम विरोध और चोटों से जूझते हुए उन्होंने इतिहास रचते हुए विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला पदक जीता। आज वह युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रही हैं और खेल में दृश्यता व पहचान के महत्व पर लगातार जोर देती हैं। अंजू बॉबी जॉर्ज ने कहा कि जब महिलाओं की यात्राओं को पहचान मिलती है, तो उनके प्रयास और महत्वाकांक्षा को मान्यता मिलती है। इससे उन्हें यह एहसास होता है कि उनकी कहानियां मायने रखती हैं। इसी तरह दीपा मलिक की खेल यात्रा ने धारणाओं को और भी गहराई से चुनौती दी है। रीढ़ की हड्डी में ट्यूमर के कारण कमर से नीचे लकवाग्रस्त होने के बाद भी उन्होंने खेल को सिर्फ वापसी के साधन के तौर पर नहीं, बल्कि अपनी पहचान को नए सिरे से परिभाषित करने के माध्यम के रूप में अपनाया। उनका पैरालंपिक पदक न केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि था, बल्कि इसने उम्र, क्षमता और अवसर को लेकर बनी सोच को भी बदला।दीपा मलिक ने कहा कि खेल ने सीमाओं से ध्यान हटाकर संभावनाओं पर केंद्रित किया। पहचान और सम्मान लोगों को आगे बढ़ने और अपनी जगह बनाने का आत्मविश्वास देता है। इन दोनों की साझा सोच इस साल के बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर की संपादकीय थीम 'एवरी बॉडी कैन प्ले' में साफ नजर आती है। यह थीम एक सरल, लेकिन मजबूत संदेश देती है कि खेल हर किसी के लिए है और इसका प्रभाव केवल नतीजों से नहीं, बल्कि समावेशन और अवसर से भी आंका जाता है। इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर उन महिलाओं को सम्मानित करता है, जिन्होंने ऐसे क्षेत्रों में कदम रखा, जो हमेशा उनके लिए बनाए नहीं गए थे।

एफआईएच मेंस प्रो लीग 2025–26: राउरकेला में दमदार शुरुआत की उम्मीद में भारत

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच मेंस प्रो लीग 2025–26 अभियान की शुरुआत घरेलू मैदान पर राउरकेला चरण से करने जा रही है। 10 से 15 फरवरी 2026 तक ओडिशा के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में खेले जाने वाले इस चरण में भारत का सामना हॉकी की दो दिग्गज टीमों—बेल्जियम और अर्जेंटीना—से होगा, जिससे टूर्नामेंट की शुरुआत बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। पिछले सत्र में आठवें स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम इस बार घरेलू दर्शकों के सामने जीत के साथ अभियान शुरू कर शुरुआती बढ़त बनाना चाहेगी। अनुभव और युवा प्रतिभा के संतुलित मिश्रण से सजी भारतीय टीम परिचित परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगी, हालांकि चुनौती आसान नहीं होगी क्योंकि सामने दुनिया की शीर्ष रैंक वाली टीमें होंगी। भारत भले ही अपना अभियान शुरू करने जा रहा हो, लेकिन बेल्जियम और अर्जेंटीना पहले ही लीग में अच्छी शुरुआत कर चुके हैं। अर्जेंटीना चार मैचों में तीन नियमित जीत और एक शूटआउट जीत के साथ 11 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं, बेल्जियम चार मुकाबलों में तीन नियमित जीत और एक शूटआउट हार के साथ 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर काबिज है। भारतीय टीम 11 फरवरी को बेल्जियम के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद 12 फरवरी को अर्जेंटीना से भिड़ेगी। 14 फरवरी को भारत एक बार फिर बेल्जियम का सामना करेगा, जबकि 15 फरवरी को अर्जेंटीना के खिलाफ मुकाबले के साथ राउरकेला चरण का समापन होगा। सभी मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होंगे। आंकड़ों पर नजर डालें तो हाल के वर्षों में बेल्जियम का पलड़ा भारत पर भारी रहा है। वर्ष 2013 के बाद से दोनों टीमों के बीच 35 मुकाबले हुए हैं, जिनमें बेल्जियम ने 22 जबकि भारत ने 11 मैच जीते हैं और दो मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। वहीं अर्जेंटीना के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड बेहतर रहा है। दोनों टीमों के बीच 2013 से अब तक 19 मुकाबले हुए हैं, जिनमें भारत ने 10 और अर्जेंटीना ने सात मैच जीते हैं, जबकि दो मुकाबले बराबरी पर छूटे हैं। पहले मुकाबले से पहले भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, "मुझे खुशी है कि अमनदीप लाकड़ा, मनमीत सिंह और रोसन कुजूर जैसे युवा खिलाड़ियों को टीम में मौका मिला है। उन्होंने हाल ही में हीरो हॉकी इंडिया लीग में शानदार प्रदर्शन किया है और अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित करने का यह सही समय है। टीम पूरी तरह फिट, प्रेरित और उत्साहित है।" उधर, बेल्जियम के कप्तान आर्थर वान डोरेन ने कहा कि हीरो हॉकी इंडिया लीग में खेलने का अनुभव उनकी टीम के लिए बेहद फायदेमंद रहा। उन्होंने बताया कि भारत में जल्दी पहुंचकर तैयारी करने से टीम को परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने में मदद मिली है। जोश से भरे घरेलू दर्शकों के समर्थन के साथ भारतीय टीम राउरकेला में मजबूत शुरुआत कर एफआईएच प्रो लीग 2025–26 में अपने अभियान को सही दिशा देने के इरादे से उतरेगी।

हाई-ऑक्टेन फॉर्मूला स्ट्रीट रेस वीकेंड की 15 फरवरी को मेजबानी करेगा गोवा

एजेंसी, नई दिल्ली

, 10 फ़रवरी (हि.स.)। इंडियन रेसिंग फेस्टिवल इस फरवरी अपने पहले गोवा संस्करण के साथ एक नया अध्याय लिखने जा रहा है। 14 और 15 फरवरी को गोवा एक हाई-ऑक्टेन फॉर्मूला स्ट्रीट रेस वीकेंड की मेज़बानी करेगा, जहां मनोहर इंटरनेशनल एयरपोर्ट एक अस्थायी मोटरस्पोर्ट हब में तब्दील हो जाएगा। यह आयोजन चैंपियनशिप के चौथे राउंड के रूप में आयोजित किया जाएगा और इसकी गिनती फेस्टिवल की अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी पहलों में होगी।

विशेष रूप से तैयार एफआईए-ग्रेड स्ट्रीट सर्किट- इस ऐतिहासिक आयोजन का केंद्र 2.064 किलोमीटर लंबा, विशेष रूप से तैयार किया गया एफआईए-ग्रेड स्ट्रीट सर्किट है। हवाई अड्डे के विशाल परिसर में निर्मित इस ट्रैक में 12 मोड़ शामिल हैं, जिन्हें करीबी रेसिंग, लेट ब्रेकिंग और पोजीशन के लिए निरंतर संघर्ष को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है। यह लेआउट एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और रोमांचक वीकेंड का मंच तैयार करता है।

इंडियन रेसिंग लीग का चौथा राउंड- गोवा स्ट्रीट रेस इंडियन रेसिंग लीग (आईआ एल) का चौथा राउंड है। शीर्ष टीमों के बीच अंकों का अंतर बेहद कम होने के कारण, गोवा सर्किट का हर लैप खिताब की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। सभी टीमें एक-समान Ligier JS F422 कारों में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिनमें 1.3-लीटर टर्बोचार्ज्ड अल्पाइन इंजन लगा है। समान तकनीकी प्लेटफॉर्म और तंग स्ट्रीट सर्किट का यह संयोजन व्हील-टू-व्हील रेसिंग सुनिश्चित करता है, जहाँ ड्राइवर की क्षमता और टीम रणनीति रफ्तार से भी अधिक अहम होगी। इंडियन रेसिंग लीग की एक विशिष्ट पहचान इसकी समावेशी टीम संरचना है। प्रत्येक टीम में चार ड्राइवर होते हैं—एक अनुभवी अंतरराष्ट्रीय रेसर, एक उभरती हुई वैश्विक प्रतिभा, एक भारतीय ड्राइवर और एक महिला रेसर। यह प्रारूप न केवल प्रतिस्पर्धात्मक स्तर को ऊँचा उठाता है, बल्कि भारतीय प्रतिभाओं के विकास और शीर्ष स्तर पर लैंगिक प्रतिनिधित्व को भी बढ़ावा देता है।

प्रमुख ड्राइवरों पर रहेगी नज़र- हैदराबाद ब्लैक बर्ड्स की ओर से दिव्य नंदन पर विशेष निगाहें होंगी। 2024 F4 इंडिया चैंपियनशिप में चेन्नई स्ट्रीट रेस में पोल पोजीशन हासिल करने और GB3 व ब्रिटिश F4 में भाग लेने के अनुभव के साथ, नंदन चुनौतीपूर्ण सर्किटों पर तेजी से ढलने की अपनी क्षमता के लिए जाने जाते हैं। चेन्नई टर्बो राइडर्स को मौजूदा फॉर्मूला 4 इंडिया चैंपियन अकील अलीभाई से बड़ी उम्मीदें होंगी। किच्चा किंग्स बेंगलुरु के लिए इंडियन रेसिंग लीग इतिहास के सबसे कम उम्र के रेस विजेता रूहान अल्वा पर ध्यान केंद्रित रहेगा।

कतर ओपनः झेंग की दमदार वापसी, एंड्रीएवा अंतिम-16 में

एजेंसी, दोहा

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन ने चोट से वापसी करते हुए कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट में शानदार जीत दर्ज की। झेंग ने सोमवार को खेले गए मुकाबले में 2020 ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता सोफिया केनिन को तीन सेटों के संघर्षपूर्ण मैच में 4-6, 6-1, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। अब उनका सामना एलिसिया पार्क्स से होगा। सितंबर पिछले साल के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धी टेनिस में उतरीं झेंग इस समय विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर हैं। सीजन के अपने पहले ही मैच में उन्होंने 20 ऐस जमाकर जोरदार संदेश दिया। मैच के बाद झेंग ने कहा, "चोट के बाद वापसी कभी पूरी तरह दर्द-मुक्त नहीं होती। लेकिन मुझे लगता है कि मेरी कोहनी सही दिशा में ठीक हो रही है। मैं अच्छी स्थिति में हूं और दो घंटे तक सर्व करते हुए खेल जारी रख सकती हूं।" उधर, पांचवीं वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीएवा ने राउंड ऑफ 64 में बाई मिलने के बाद अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। उन्होंने मग्दा लिनेट को 7-6 (7/0), 6-1 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। दिन के मुकाबलों में कुछ बड़े उलटफेर भी देखने को मिले। तीसरी वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा करोलिना प्लिस्कोवा के खिलाफ तीसरे सेट में पिछड़ते हुए मुकाबले से हट गईं। वहीं, पूर्व यूएस ओपन चैंपियन एमा राडुकानू को भी कैमिला ओसोरियो के खिलाफ निर्णायक सेट में रिटायर होना पड़ा। मंगलवार को शीर्ष दो वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक और एलेना रयबाकिना राउंड ऑफ 32 में अपने-अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। चौथी वरीयता कोको गॉफ भी सिंगल्स में अपना पहला मुकाबला खेलेंगी। गॉफ को सोमवार को उभरती स्टार विक्टोरिया म्बोको के साथ डबल्स में हार का सामना करना पड़ा था।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, बुधवार, 11 फरवरी, 2026

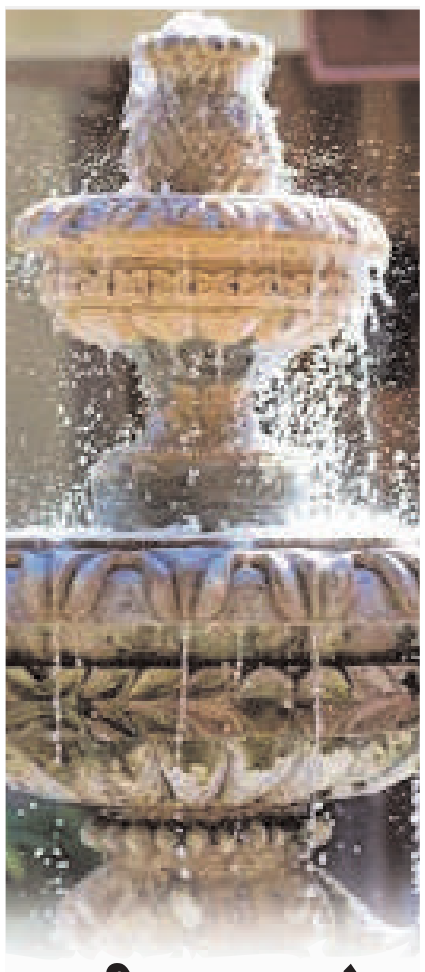

प्राचीन समय में बिना बिजली से कैसे चलते थे फव्वारे?

आज यह बात हमें आश्चर्य से भर देती है कि प्राचीन समय में जब बिजली नहीं होती थी तब भी फव्वारे चलाए जाते थे। यह सब किसी भी जादू से नहीं होता था,इन सभी के पीछे विज्ञान था। आर्कमेडिक के सिद्धांत, दबाव के बल के उपयोग और गुरुत्वाकर्षण बल के उपयोग से तकनीक का प्रयोग कर के फव्वारों को चलाया जाता था।

सर्वप्रथम बिना बिजली के फव्वारे का सन्दर्भ प्रथम शताब्दी में मिलता है। इसका अविष्कार अलेक्ज़ेनड्रिया के हेरॉन ने किया था। वह एक अविष्कारक, गणितज्ञ और भौतिकशास्त्री के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने गुरुत्वाकर्षण बल और हवा के दबाव के प्रयोग से इसका क्रियान्वयन किया था। इसमें एक बड़े कुंड में पानी भर दिया जाता था जिसे एक पतली नली के माध्यम से नीचे बने एक टैंक में भेजा जाता था। पतली और लम्बी नली के कारन यह 9.8 मीटर प्रति सेकंड की गति से नीचे गिरता था। उस टैंक में पहले से जमा की गयी हवा अर्कमेडिक के सिद्धांत के कारन एक दूसरी नाली के माध्यम से दूसरे टैंक में जाती थी। यह टैंक कुंड और प्रथम टैंक के मध्य होता था। इस टैंक में हवा पहले से पानी एकत्रित होता था। नली के द्वारा आ रही हवा से इस टैंक का दबाव बढ़ता जाता था और हवा के दबाव् से पानी को धक्का लगता था और वह एक अलग नली से ऊपर की ओर उठ जाता था और एक फव्वारे के रूप में चलने लगता था। चूंकि यह फव्वारा उसी कुंड में रहता था तो यह प्रक्रिया निरन्तर चलती रहती थी। बिना बिजली के फव्वारे का प्रमाण भारत में भी मिलता है। आगरा स्थित शाहजहां के महल में एक अंगूरी बाग़ है। यहां भी फव्वारे लगे हुए हैं। यहां बड़े बड़े टैंकों में पानी का एकत्रीकरण किया जाता था और दबाव के सिद्धांत से फव्वारे चलाए जाते थे। गाइड के अनुसार पानी को इकट्ठा करके एक वेग से छोड़ा जाता था। जिससे दबाव बनता था और फव्वारे चलने लगते थे।

दुनिया का सबसे पुराना और डरावना रेगिस्तान नामीब

रेगिस्तान के बारे में आप बहुत कुछ जानते होंगे, लेकिन आज हम आपको एक अनोखे रेगिस्तान के बारे में बताने जा रहे हैं. इस रेगिस्तान को कुछ लोग नरक का दरवाज़ा कहते हैं तो कुछ कहते हैं कि यहां एलियन आते हैं. बात हो रही है दक्षिण अफ़्रीका के उत्तरी इलाके में फैले दुनिया के सबसे पुराने रेगिस्तान, नामीब मरुस्थल की. यूनेस्को ने इसे वर्ल्ड हेरिटेज़ साइट की लिस्ट में शामिल कर रखा है.

इस रेगिस्तान में लाखों गोलाकार आकृतियां बनती हैं, जिनके बारे में कई बातें मशहूर हैं. कुछ लोगों का कहना है कि ये देवताओं के पैरों के निशान हैं तो कुछ इसे परियों के नाचने से बने निशान बताते हैं. वहीं कुछ लोगों का मानना है कि यहां पर एलियन आते हैं. वैज्ञानिक भी इन गोलाकार आकृतियों के बनने के रहस्य का पता नहीं लगा पाए हैं.

तीन देशों में फैला हुआ है

इस रेगिस्तान का वातावरण बहुत गर्म है. इसलिए यहां कोई नहीं रहता. हालांकि, कुछ जीव और पौधे नामीब मरुस्थल में रहते हैं. इनमें ओरिक्स, हिरणों की प्रजातियां, शुतुरमुर्ग और लकड़बग्घा जैसे जीवों के नाम शामिल हैं. नामीब मरुस्थल अंगोला से लेकर नामीबिया तक फैला है. यहां पर रेगिस्तान से अटलांटिक महासागर मिलता है. ये लगभग 81000 Sq Km में और तीन देशों में फैला हुआ है.

दुनिया का सबसे पुराना रेगिस्तान

5 करोड़ 50 लाख साल पुराने नामीब रेगिस्तान को दुनिया का सबसे पुराना रेगिस्तान माना जाता है. वहीं सहारा रेगिस्तान सिर्फ़ 20 से 70 लाख साल पहले का है. इसलिए इसे दुनिया का सबसे सूखा रेगिस्तान भी कहते हैं. यहां पर अटलांटिक महासागर के तट पर एक ऐसा इलाका है जहां कई पुराने जहाज ख़राब पड़े हैं. कंकालों का भी यहां ढेर लगा. दरअसल, यहां पर अटलांटिक की ठंडी लहरों और नमीब रेगिस्तान की गर्म हवा के मिलने से घना कोहरा बनता है.

नरक का दरवाज़ा

इसके कारण पानी के जहाज़ों को इसे पार करने में मुशकिल होती थी. इसलिए वो अक्सर दुर्घटना का शिकार हो जाते थे. यहां लगभग 1000 जहाज़ों का मलबा पड़ा है. साथ में इस क्षेत्र में व्हेल मछली के कंकालों की भरमार है. 1486 में पुर्तगाल के मशहूर नाविक डिएगो काओ कुछ समय तक के लिए इस तट पर रुके थे. उन्होंने यहां पर क्रॉस की स्थापना की थी. मगर वो भी यहां ज्यादा देर तक नहीं रुक पाए थे. यहां से जाते हुए उन्होंने इसे नरक का दरवाज़ा नाम दिया था.

मंगल ग्रह जैसी सतह

रात में यहां काफ़ी तेज़ हवाएं चलती हैं जिसकी वजह से यहां का वातावरण इतना ठंडा हो जाता है कि किसी की भी कुल्फ़ी जम जाए. इन हवाओं के चलते रेगिस्तान में रेत के बड़े-बड़े टीले बनते हैं, जिन्हें ड्यून कहते हैं. लाल रेत के कारण इसकी सतह बिलकुल मंगल ग्रह से मिलती है.

अनोखा आर्ट पीस

एक जर्मन आर्टिस्ट ने यहां पर 2019 में सोलर पॉवर से चलने वाले स्पीकर लगाए थे. इनमें सुपरहिट गाना अफ़्रीका प्ले होता है, जो कहां से संचालित होता है इसकी जानकारी गुप्त है.

कौवे भी समझते हैं जीरो का मतलब नई स्टडी में दावा

कौवे को सबसे चालाक पक्षी माना जाता है। बचपन में आपने चालाक कौवे की कहानी भी पढ़ी होगी, जिसमें एक प्यासा कौवा घड़े में कंकड़ डाल-डाल कर पानी को ऊपर लाता है। फिर अपनी प्यास बुझाता है। भले ही इस पक्षी की खोपड़ी में बहुत छोटा दिमाग हो, लेकिन ये जीरो का मतलब भी समझता है। इस बात का खुलासा हाल ही में एक स्टडी में हुआ है। वैसे जीरो की अवधारणा पांचवीं सदी में या उससे थोड़ा पहले दी गई थी। हालांकि, ये बात काफी हैरान करने वाली है कि कौवे भी इस अवधारणा को समझते हैं। जबकि, ना ही कभी इस पक्षी को जीरो के बारे ट्रेनिंग दी गई है और ना ही पढ़ाया गया है। ऐसे में ये कैसे संभव हो सकता है कि कौवे भी जीरो के बारे में समझते हैं। आइए पहले हम जीरो की अवधारणा को समझते हैं। जीरो में किसी भी अन्य संख्या को जोड़ दिया जाए, घटा दिया जाए, गुणा या भाग कर दिया जाए, लेकिन जीरो का अस्तित्व कभी खत्म नहीं होता है।

जर्मनी स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ तुबिनजेन में इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोबायोलॉजी में एनिमल फिजियोलॉजी के प्रोफेसर आंद्रिया निएडेर का कहना है कि कोई भी गणितज्ञ जीरो की खोज को बड़ा अचीवमेंट मानते हैं। हालांकि, जीरो के बारे में सबसे खास बात ये है कि आम दिनचर्या की गिनतियों में जीरो कहीं नहीं शामिल होता है। जैसे- अगर किसी बास्केट में तीन सेब रखे हैं तो आप उसे एक, दो, तीन करके गिनेंगे। आंद्रिया निएडेर कहते हैं कि जीरो भले ही खालीपन को भी दर्शाता है, लेकिन कौवे के संबंध में ये बिल्कुल अलग है। अध्ययन के दौरान हमने जितनी बार कौवों के दिमाग को पढ़ने की कोशिश की तो पता चला कि वो अन्य संख्याओं की तरह ही जीरो को भी समझते हैं। कौवों के दिमाग की गतिविधि से ये स्पष्ट है कि वो एक से पहले जीरो को समझता है। द जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंस में प्रकाशित इस स्टडी के मुताबिक, वैज्ञानिकों ने कौवों के दिमाग का अध्ययन करने के लिए दो प्रयोग किए और इसके लिए दो नर कैरियन कौवे शामिल किए गए। एक कंप्यूटर स्क्रीन के सामने कौवों को लकड़ी के टुकड़े पर बिठा दिया गया। हर प्रयोग में कौवों के सामने ग्रे रंग की स्क्रीन आई, जिसमें जीरो और चार काले डॉट्स एकसाथ निकल कर सामने आए। इसके बाद कौवों को दूसरी संख्याओं के साथ भी डॉट्स दिखाए गए। कौवे स्क्रीन पर जैसे ही किसी दो तस्वीर को एक समान देखते, तो वो तुरंत स्क्रीन पर चोंच मारते या फिर उस इमेज के साथ अपना सिर हिलाते। अगर संख्या नहीं मिलती, तो वो चुपचाप बैठे रहते।

साल 2015 में कौवों पर एक स्टडी हुई थी, जिसमें बाई बात सामने आई थी कि कौवे मिलती-जुलती तस्वीरों को और नहीं मिलने वाली तस्वीरों के बीच के अंतर को 75 फीसदी समझ लेते हैं। यह स्टडी प्रोसिडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस में प्रकाशित हुई थी। विशेषज्ञों के मुताबिक, पक्षी नजदीक रखी हुई हर चीजों को मिलाकर देखते हैं या फिर उनके आकार को एक ही मानते हैं। इस प्रक्रिया को न्यूमेरिकल डिस्टेंस इफेक्ट कहा जाता है। लेकिन कौवे जीरो को अन्य संख्याओं से अलग करने में माहिर होते हैं। आंद्रिया निएडेर कहते हैं कि जब दोनों कौवे कंप्यूटर स्क्रीन पर गोल डॉट्स देख रहे थे, तो एक के दिमाग में 500 न्यूरॉन्स में से 233 और दूसरे के 268 न्यूरॉन्स सक्रिय थे। जैसे-जैसे स्क्रीन पर जीरो के अलावा अन्य संख्याएं आने लगी, तो कौवों के न्यूरॉन्स ने सक्रियता कम कर दी और उन्होंने स्क्रीन पर देखना बंद कर दिया। लेकिन जैसे ही जीरो आया वो फिर सक्रिय हो गए। कौवों के लिए जीरो क्या मायने रखता है ये भले ही स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन ये बात तो पुख्ता हो चुका है कि वो जीरो को समझते हैं।

भारत की इन जगहों में छिपे हैं सदियों पुराने राज

भारत विविधता का देश है. यहां ऐसे बहुत सारे रहस्यमयी स्थान हैं, जहां जाकर आपको बेहद अजीब महसूस होगा. जानिए कुछ ऐसी ही अजीबोगरीब रहस्यमयी जगहों के बारे में.

भारत में ऐसे कई जगहें है, जहां की खूबसूरती पूरी दुनिया में प्रचलित है. इन प्रचलित जगहों की खूबसूरती के साथ ही वहां ऐसे कई राज भी हैं, जिन्हें जानने के लिए अक्सर लोग उत्सुक रहते हैं. ऋषि-मुनियों और अवतारों की भूमि 'भारत' एक रहस्यमयी देश है. यहां ऐसी कई कहानियां हैं, जिनके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे. भारत में ऐसे बहुत सारे रहस्यमयी स्थान हैं, जहां जाकर आपको बेहद अजीब महसूस होगा. जानिए कुछ ऐसी ही जगहों के बारे में.

हिमालय

उत्तराखंड में एक ऐसा रहस्यमयी स्थान है, जिसे देवस्थान कहते हैं. इनका केंद्र हिमालय की वादियों में उत्तराखंड में स्थित है. इन दुर्गम क्षेत्रों में स्थूल-शरीरधारी साधारण व्यक्ति नहीं पहुंच सकता है.

सुंदरवन का जंगल

जंगल तो भारत में बहुत सारे हैं लेकिन सुंदरवन का जंगल अपने भीतर कई तरह के रहस्यों को समेटे हुए है. इस जंगल में जिस शांति, रहस्य और रोमांच का अनुभव होता है, वह किसी अन्य जंगल में नहीं होता. कहते हैं कि इन जंगलों में बड़ी तादाद में भूत रहते हैं.

अजंता-एलोरा की गुफाएं

अजंता-एलोरा की गुफाओं के बारे में वैज्ञानिक कहते हैं कि ये एलियंस के समूह ने बनाई हैं. आर्कियोलॉजिस्ट के अनुसार, इन्हें कम से कम 4 हजार वर्ष पूर्व बनाया गया था. माना जाता है कि एलोरा की गुफाओं के नीचे एक सीक्रेट शहर है.

महाबलीपुरम

वामन भगवान ने दैत्यराज बली को पृथ्वी का दान इसी स्थान पर दिया गया था. यहां पर विशालकाय और अद्भुत मंदिरों की एक श्रृंखला है, जिसका एक भाग अब समुद्र में समा गया है. यहां सैकड़ों मंदिर और गुफाएं हैं, जो अपने आप में रहस्य हैं.

द्वारिका नगरी

भारत के सबसे प्राचीन नगरों में से एक है द्वारिका. एक समय था, जब लोग कहते थे कि द्वारिका नगरी एक काल्पनिक नगर है. प्रो. राव और उनकी टीम ने 1979-80 में समुद्र में 560 मीटर लंबी द्वारिका की दीवार की खोज की थी.

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, बुधवार, 11 फरवरी, 2026

'भागम भाग 2' में हुई मनोज बाजपेयी की एंट्री! गोविंदा को करेंगे रिप्लेस?

बॉलीवुड में इन दिनों पुरानी कल्ट फिल्मों के सीक्वल बनाने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में अब साल 2006 में आई कल्ट कॉमेडी फिल्म 'भागम भाग' का सीक्वल भी बनने जा रहा है। फिल्म को लेकर काफी दिनों से चर्चाएं चल रही हैं। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि फिल्म इस साल फ्लोर पर आ जाएगी। इस बीच अब 'भागम भाग 2' को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है।

गोविंदा की जगह लेंगे मनोज

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'भागम भाग 2' की कास्ट में एक बड़ा बदलाव किया गया है। सीक्वल में जहां अक्षय कुमार और परेश रावल की वापसी हुई है। वहीं गोविंदा की जगह फिल्म में मनोज बाजपेयी नजर आ सकते हैं। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म निर्माताओं ने मनोज बाजपेयी को कास्ट कर लिया है। मनोज बाजपेयी फिल्म में गोविंदा की जगह लेंगे। यह खबर हाल ही में सामने आई है। 'भागम भाग' में गोविंदा के किरदार को काफी पसंद किया गया था। उनकी कॉमिक टाइमिंग वैसे भी काफी पसंद की जाती है। ऐसे में अब गोविंदा की जगह मनोज बाजपेयी को लेना, कितना कारगर रहेगा ये तो फिल्म रिलीज के बाद ही पता चलेगा। फिलहाल अभी तक मेकर्स की ओर से 'भागम भाग 2' की कास्ट को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

राज शांडिल्य करेंगे निर्देशन

फिल्म को लेकर अभी तक आ रहीं खबरों के मुताबिक, सीक्वल का निर्देशन राज शांडिल्य करेंगे और इसकी कहानी भी पहचान को लेकर होने वाली गलतफहमी पर आधारित होगी। जबकि 'भागम भाग' का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था। फिल्म में मीनाक्षी चौधरी अक्षय कुमार के साथ मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आएंगी। जबकि मनोज बाजपेयी के अपोजिट नजर आने वाली हीरोइन की तलाश अभी जारी है। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फिल्म की शूटिंग अगले महीने से मुंबई में शुरू होने की खबरें हैं।

अनुभव सिन्हा की इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी तापसी

तापसी पन्नू निर्देशक अनुभव सिन्हा के साथ आने वाली इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी। दमदार मोशन पोस्टर से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, निर्माताओं ने फिल्म को सीधे दर्शकों तक ले जाने की शुरुआत कर दी है—और इसकी शुरुआत आज जयपुर में एक खास ऑन-ग्राउंड शोकेस से हुई। फिल्म की अनोखी प्रमोशनल स्ट्रेटेजी के तहत, तापसी पन्नू ने जयपुर मीडिया के साथ एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस की, वहीं टीम ने साथ ही बड़े पर्दे पर अस्सी का ट्रेलर भी दिखाया। अभिनेत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ ट्रेलर देखा, पत्रकारों, फैंस और डिजिटल क्रिएटर्स से सीधे संवाद किया और फिल्म तथा उसके सशक्त विषय पर अपने विचार साझा किए। अस्सी के मोशन पोस्टर ने अपने सख्त टोन और तात्कालिक संदेश के कारण पहले ही काफी उत्सुकता पैदा कर दी थी, जिसने एक हार्ड-हिटिंग सिनेमैटिक अनुभव की मजबूत नींव रखी। जयपुर दौरे ने इस उत्साह को और बढ़ाया, जहां दर्शकों ने फिल्म के तीव्र कोर्टरूम माहौल और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी कहानी को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेज रफ्तार इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर के रूप में पेश की जा रही अस्सी, एक बिल्कुल नए तरह के

कोर्टरूम ड्रामा के जरिए आगे बढ़ती है, जो देश में रोज़ाना दर्ज होने वाले लगभग अस्सी यौन उत्पीड़न मामलों की भयावह सच्चाई से प्रेरित है। फिल्म को एक अर्जेंट वॉच के तौर पर पोज़िशन किया जा रहा है, जो मजबूत महिला नायिकाओं के नेतृत्व में सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियों के लिए बढ़ती दर्शक रुचि को दर्शाता है। तापसी पन्नू के साथ फिल्म में कनी कुसरुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा और मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब भी अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पाहवा की विशेष प्रस्तुतियाँ फिल्म की रोमांचक गहराई को और बढ़ाती हैं। गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ प्रस्तुत अस्सी , बेनारस मीडिया वर्क्स के बैनर तले बनी है। फिल्म का निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है और निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और अनुभव सिन्हा ने किया है। अस्सी 20 फरवरी 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में विशेष रूप से रिलीज़ होगी।

सई मांजरेकर ने साझा किया 'द इंडिया हाउस' का अनुभव

भारतीय सिनेमा की पैन-इंडिया फिल्मों में काम करना जितना रोमांचक होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। इस कड़ी में अभिनेत्री सई मांजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली पैन-इंडिया पीरियड ड्रामा फिल्म 'द इंडिया हाउस' को लेकर काफी बिजी हैं। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु भाषा में एक साथ शूट की जा रही है। सई का कहना है कि इस तरह की फिल्म में काम करने के लिए कलाकार को हर समय भावनात्मक और मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार रहना पड़ता है। सई मांजरेकर ने कहा, ''द इंडिया हाउस' मेरे लिए अब तक का अलग अनुभव रहा है। जब एक ही सीन को दो भाषाओं में शूट किया जाता है, तो कलाकार को भाषा की लय, भाव और भावनात्मक गहराई को बारीकी के साथ समझना पड़ता है। कई बार ऐसा होता है कि एक ही सीन पहले एक भाषा में और तुरंत बाद दूसरी भाषा में करना होता है, जिससे कलाकार को हर पल सतर्क रहना पड़ता है।' उन्होंने कहा, ''इस तरह की फिल्मों में अभिनय का तरीका भी थोड़ा बदल जाता है। यहां सिर्फ शब्दों से नहीं, बल्कि भावनाओं से कहानी को आगे बढ़ाना होता है। हर भाषा की अपनी एक संवेदना होती है और उसी के अनुसार किरदार की भावनाएं भी बदलती हैं। ऐसे में कलाकार को अपने अभिनय को बार-बार ढालना पड़ता है, ताकि किरदार हर भाषा में उतना ही सच्चा लगे।'' सई ने कहा, ''मेरी पिछली फिल्म 'मेजर' की शूटिंग का अनुभव इस फिल्म में काफी काम आया। उस फिल्म से मुझे यह समझने में मदद मिली कि द्विभाषी फिल्मों की शूटिंग कैसे होती है और कलाकार को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। हालांकि हर प्रोजेक्ट की अपनी अलग पहचान और चुनौतियां होती हैं। 'द इंडिया हाउस' की कहानी और उसका ऐतिहासिक संदर्भ इसे बाकी फिल्मों से अलग बनाता है।'' 'द इंडिया हाउस' फिल्म में सई मांजरेकर 'सती' नाम की महिला का किरदार निभा रही है। इस पर सई ने कहा, ''सती का किरदार निभाने के लिए मुझे उस समय के माहौल, सोच और भावनाओं को गहराई से समझना पड़ा। सती बाहर से शांत दिखाई देती है, लेकिन उसके भीतर साहस, दर्द और संघर्ष छिपा है। इन भावनाओं को बिना ज्यादा शब्दों के दर्शकों तक पहुंचाना मेरे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी है।'' पैन-इंडिया फिल्मों की खास बात बताते हुए सई ने कहा, ''ऐसे प्रोजेक्ट्स में काम करने का सबसे अच्छा पहलू टीमवर्क होता है। सेट पर अलग-अलग राज्यों और भाषाओं से आए कलाकार और तकनीशियन एक साथ काम करते हैं। सबका लक्ष्य कहानी को ईमानदारी से पर्दे पर उतारना होता है। यह सामूहिक भावना कलाकार को और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है।'' सई ने अपने सह-कलाकार निखिल सिद्धार्थ, निर्देशक वामसी और पूरी टीम की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ''सेट पर काम करने का माहौल बेहद सकारात्मक और कहानी पर केंद्रित रहता है। जब निर्देशक और पूरी टीम कहानी को लेकर गंभीर होती है, तो कलाकार भी अपने किरदार में और गहराई से उतर पाता है।''

आदित्य के साथ हॉरर थ्रिलर बनाएंगे करण जौहर

धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले करण जौहर एक नई हॉरर थ्रिलर फिल्म बनाने जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह फिल्म पूरी तरह प्योर हॉरर जॉनर की होगी और इस वक्त कास्टिंग स्टेज में है। इससे पहले करण, कार्तिक आर्यन के साथ क्रिएचर कॉमेडी 'नागजिला' और एक क्रिएचर थ्रिलर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। हालांकि इस हॉरर थ्रिलर में आदित्य रॉय कपूर को लीड रोल के लिए लॉक कर लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, आदित्य ने स्क्रिप्ट पढ़ते ही प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी। यह एक यूनिक कॉन्सेप्ट पर आधारित फिल्म है और धर्मा प्रोडक्शंस को इसके थिएट्रिकल पोटेंशियल पर पूरा भरोसा है। इस फिल्म की शूटिंग मई 2026 से शुरू होने की तैयारी है। एक टॉप टियर फीमेल लीड को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है। फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है।

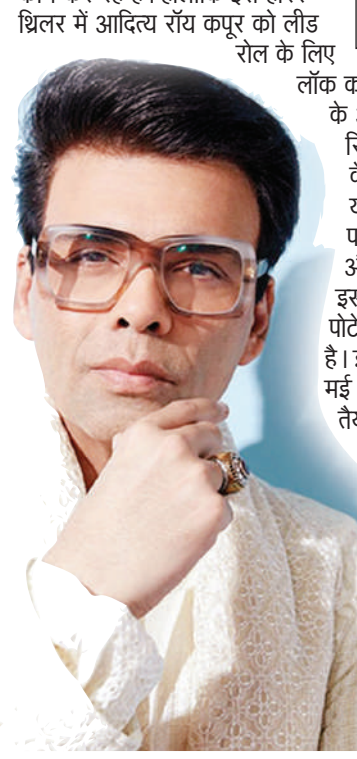

ऋतिक की 'कृष 4' में फाइनल चोपड़ा की एंट्री हुईं प्रियंका

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस बॉलीवुड में वापसी कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार... 'प्रियंका को ऋतिक रोशन की सुपरहिट फिल्म 'कृष 4' में फीमेल लीड के रूप में फाइनल कर लिया गया है। प्रियंका ने इस फ्रेंचाइज की पिछली दो फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई थी, इसके बाद उन्होंने हॉलीवुड की ओर फोकस किया और अपने पर्सनल लाइफ, खासकर शादी में बिजी हो गई थीं। फिल्म 'वाराणसी' का शूट पूरा करने के बाद प्रियंका 'कृष 4' की शूटिंग शुरू करेंगी। हालांकि अभी मेकर्स या प्रियंका की तरफ़ से कोई स्टेटमेंट नहीं आया है। 'कृष 4' को ऋतिक 700 करोड़ रुपए के बजट पर बनाना चाहते हैं। इस फिल्म को डायरेक्ट भी खुद ऋतिक करेंगे। बता दें कि 2003 में राकेश के निर्देशन में साइंस फिक्शन फिल्म 'कोई.... मिल गया' रिलीज हुई। इस फिल्म ने बॉलीवुड को एक नया सुपरहीरो दिया। 'कोई मिल गया' के बाद आई 'कृष', यह भी सुपरहिट रही। फिर राकेश रोशन ने 'कृष 3' के लिए लंबा इंतजार करवाया। 2006 में 'कृष' की सफलता के बाद 'कृष 3' 2013 में आई। इसमें विवेक ओबेरॉय विलेन बने थे। इस फिल्म के अलावा प्रियंका इन दिनों अपनी फिल्म 'वाराणसी' को लेकर भी चर्चा में हैं। इसमें उनके साथ महेश बाबू लीड रोल में दिखाई देंगे। यह एक बड़े बजट की फिल्म होगी।

सुनील शेट्टी ने बेटे अहान के प्रोफेशनलिज्म को लेकर बात की

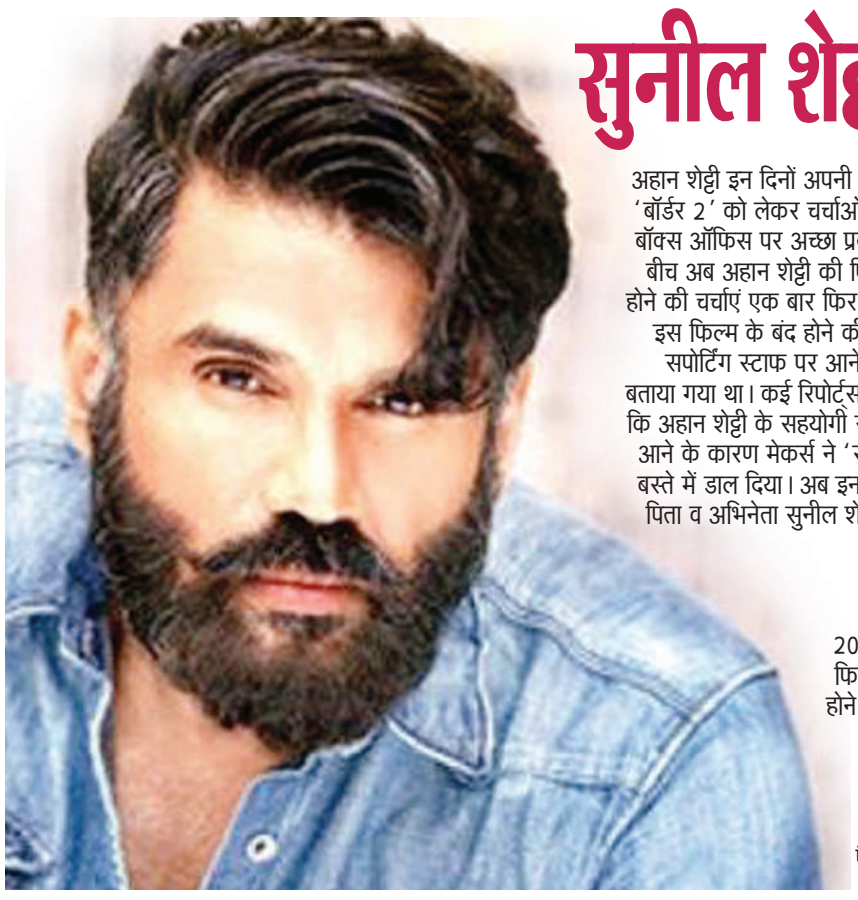

अहान शेट्टी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच अब अहान शेट्टी की फिल्म 'सनकी' के बंद होने की चर्चाएं एक बार फिर से उठी हैं। दरअसल, इस फिल्म के बंद होने की वजह अहान शेट्टी के सपोर्टिंग स्टाफ पर आने वाले अधिक खर्च को बताया गया था। कई रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया था कि अहान शेट्टी के सहयोगी स्टाफ पर अधिक खर्च आने के कारण मेकर्स ने 'सनकी' फिल्म को ठंडे बस्ते में डाल दिया। अब इन चर्चाओं पर अहान के पिता व अभिनेता सुनील शेट्टी ने प्रतिक्रिया दी है।

प्रोड्यूसर ने फैलाई अफवाहें

2021 में अहान की डेब्यू फिल्म 'तड़प' के रिलीज होने के बाद उनकी अगली फिल्म 'सनकी' को अचानक रोक दिया गया। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि यह फैसला अहान के साथ आए लोगों के कारण कथित तौर पर हुए खर्चों से बढ़ी चिंताओं के बाद लिया गया है। अब लहरें रेट्रो के साथ बातचीत में अभिनेता सुनील शेट्टी ने इन आरोपों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने बेटे अहान के प्रोफेशनलिज्म को लेकर भी बात की। सुनील शेट्टी ने कहा कि अहान ने कभी भी अपने साथ आए लोगों को हद से ज्यादा नहीं रखा। ये सब अफवाहें हैं। ये अफवाहें निर्माता की सुविधा के लिए फैलाई गई हैं। अगर निर्माता कहता है कि वह बिल दिखा सकता है, तो मैं देखूंगा। ऐसे में पिता को दखल देना पड़ता है और मैं साफ तौर पर दखल दूंगा। अपनी कमजोरियों को छिपाने के लिए झूठ मत फैलाओ, क्योंकि यह अहान के साथ नाइंसाफी है।

अहान खुद उठाते हैं अपने स्टाफ का खर्च

सुनील शेट्टी ने आगे कहा कि अहान अपने साथ आने वाले लोगों को लेकर बहुत सतर्क रहते हैं। अगर वे उनके साथ आते हैं, तो उनका खर्च वही उठाते हैं। उन्हें इस बात का पूरा एहसास है। जब सुनील शेट्टी घर से खाना-पानी लाते हैं, तो मेरे स्टाफ को कहा गया है कि अगर आप यूनिट का खाना खा रहे हैं, तो ठीक है, लेकिन अगर आप बाहर से खाना मंगवाना चाहते हैं, तो बिल मेरे नाम से बनवाएं, निर्माता के नाम से नहीं। मेरा स्टाफ ऐसा करने की हिम्मत नहीं कर सकता, इसलिए अहान का स्टाफ तो ऐसा बिल्कुल नहीं करेगा। अहान तो अभी-अभी इंडस्ट्री में आए हैं। यह उनका इंडस्ट्री में जमने का समय है, इसलिए कोई नखरे नहीं चलेंगे। ऐसा हो ही नहीं सकता।

कई रिपोर्ट्स में इन कारणों का भी किया गया जिक्र

कई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि साजिद नाडियाडवाला ने शुरू में 'सनकी' को आगे बढ़ाया था और प्राइम वीडियो के साथ एक बड़ा डिजिटल सौदा भी किया था। हालांकि, इस सबके बावजूद सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स से कम कमाई के कारण प्रोजेक्ट को रोक दिया गया। इसके साथ ही कथित तौर पर अहान के सपोर्ट स्टाफ का अत्यधिक खर्च भी इसका कारण बना। लेकिन अब सुनील शेट्टी ने अहान के सपोर्ट स्टाफ के खर्च की बात को झूठा करार दिया है।

अहान शेट्टी ने साल 2021 में आई एक्शन-रोमांटिक फिल्म 'तड़प' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। हालांकि, इसके बाद लगभग चार साल से अधिक समय तक वो बड़े पर्दे से दूर रहे। अब इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई 'बॉर्डर 2' अहान की दूसरी फिल्म है। फिल्म में उन्होंने नेवी ऑफिसर की भूमिका निभाई है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। वहीं अहान के काम को भी पसंद किया गया है।